

विद्यापतिक पुरुष परीक्षा

प्रीति ठाकुर

विदेह- प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका (विदेह www.videha.co.in) पेटारसँ

ISSN 2229-547X VIDEHA सम्पादक: गजेन्द्र ठाकुर।



*Videha
e-Learning*



Gajendra Thakur

विदेह मैथिली साहित्य आन्दोलन: मानुषीमिह संस्कृताम्



ऐ पोथीक सर्वाधिकार सुरक्षित अछि। कॉपीराइट (©) धारकक लिखित अनुमतिक बिना पोथीक कोनो अंशक छाया प्रति एवं रिकॉर्डिंग सहित इलेक्ट्रॉनिक अथवा यांत्रिक, कोनो माध्यमसँ, अथवा ज्ञानक संग्रहण वा पुनःप्रयोगक प्रणाली द्वारा कोनो रूपमे पुनरुत्पादित अथवा संचारित-प्रसारित नै कएल जा सकैत अछि।

(c) २०००- २०२२। सर्वाधिकार सुरक्षित। विदेहमे प्रकाशित सभटा रचना आ आर्काइवक सर्वाधिकार रचनाकार आ संग्रहकर्ताक लगमे छन्हि। भालसरिक गाछ जे सन २००० सँ याहूसीटीजपर छल http://www.geocities.com/.../bhalsarik_gachh.html

<http://www.geocities.com/ggajendra> आदि लिंकपर आ अखनो ५ जुलाई २००४ क पोस्ट <http://gajendrathakur.blogspot.com/2004/07/bhalsarik-gachh.html> (किछु दिन लेल

<http://videha.com/2004/07/bhalsarik-gachh.html> लिंकपर, स्रोत wayback machine of https://web.archive.org/web/*/videha 258 capture(s) from 2004 to 2016- <http://videha.com/> भालसरिक गाछ-प्रथम मैथिली ब्लॉग / मैथिली ब्लॉगक एग्रीगेटर) केर रूपमे

इन्टरनेटपर मैथिलीक प्राचीनतम उपस्थितक रूपमे विद्यमान अछि। ई मैथिलीक पहिल इन्टरनेट पत्रिका थिक जकर नाम बादमे १ जनवरी २००८ सँ "विदेह" पड़लै। इन्टरनेटपर मैथिलीक प्रथम उपस्थितिक यात्रा विदेह-प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका धरि पहुँचल अछि, जे <http://www.videha.co.in/> पर ई प्रकाशित होइत अछि। आब “भालसरिक गाछ” जालवृत्त ‘विदेह’ ई-पत्रिकाक प्रवक्ताक संग मैथिली भाषाक जालवृत्तक एग्रीगेटरक रूपमे प्रयुक्त भऽ रहल अछि। विदेह ई-पत्रिका ISSN 2229-547X VIDEHA

(c) २०००- २०२२। सर्वाधिकार लेखकाधीन आ जतऽ लेखकक नाम नै अछि ततऽ संपादकाधीन। विदेह-प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका ISSN 2229-547X VIDEHA सम्पादक: गजेन्द्र ठाकुर। Editor: Gajendra Thakur.

रचनाकार अपन मौलिक आ अप्रकाशित रचना (जकर मौलिकताक संपूर्ण उत्तरदायित्व लेखक गणक मध्य छन्हि) editorial.staff.videha@gmail.com केँ मेल अटैचमेन्टक रूपमें .doc, .docx, .rtf वा .txt फॉर्मेटमे पठा सकै छथि। एतऽ प्रकाशित रचना सभक कॉपीराइट लेखक/संग्रहकर्ता लोकनिक लगमे रहतन्हि। सम्पादक ‘विदेह’ प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका ऐ ई-पत्रिकामे ई-प्रकाशित/ प्रथम प्रकाशित रचनाक प्रिंट-वेब आर्काइवक/ आर्काइवक अनुवादक आ मूल आ अनूदित आर्काइवक ई-प्रकाशन/ प्रिंट-प्रकाशनक अधिकार रखैत छथि। (The Editor, Videha holds the right for print-web archive/ right to translate those archives and/ or e-publish/ print-publish the original/ translated archive).

ऐ ई-पत्रिकामे कोनो रॉयल्टीक/ पारिश्रमिकक प्रावधान नै छै। तँ रॉयल्टीक/ पारिश्रमिकक इच्छुक विदेहसँ नै जुड़थि, से आग्रह। रचनाक संग रचनाकार अपन संक्षिप्त परिचय आ अपन स्कैन कएल गेल फोटो पठेताह, से आशा करैत छी। रचनाक अंतमे टाइप रहय, जे ई रचना मौलिक अछि, आ पहिल प्रकाशनक हेतु विदेह (पाक्षिक) ई पत्रिकाकेँ देल जा रहल अछि। मेल प्राप्त होयबाक बाद यथासंभव शीघ्र (सात दिनक भीतर) एकर प्रकाशनक अंकक सूचना देल जायत। एहि ई पत्रिकाकेँ मासक ०१ आ १५ तिथिकेँ ई प्रकाशित कएल जाइत अछि। ISSN: 2229-547X

“Vipdyapatik Purusha Pariksha- Children Illustrated Book” by Preeti Thakur (in Maithili) 2012, 2022 from Videha www.videha.co.in Archive.



महाकवि विद्यापति ठाकुर 1350-1435 (मैथिलीक आदि कवि ज्योतिरीश्वर-पूर्व विद्यापतिसँ भिन्न, संस्कृत आ अवहट्टमे लेखन)

विद्यापति ठाकुर: 1350-1435 विषएवार बिस्फी-काश्यप (राजा शिवसिंहक दरबारी) आ संस्कृत आ अवहट्ट लेखक। कीर्तिलता, कीर्तिपताका, पुरुष परीक्षा, गोरक्षविजय, लिखनावली आदि ग्रंथ समेत विपुल संख्यामे कालजयी रचना। ई मैथिलीक आदिकवि विद्यापति (ज्योतिरीश्वर पूर्व)सँ भिन्न छथि। (चित्रक आधार मिथिला सांस्कृतिक परिषद, कोलकाता द्वारा कोनो कलाकारसँ बनबाओल , कलाकारक नाम ६०-७० सालसँ अज्ञात कारणसँ गुप्त राखल गेल अछि।)



मैथिलीक आदिकवि विद्यापति (ज्योतिरीश्वर पूर्व)

मैथिलीक आदिकवि विद्यापति (विद्यापतिक चित्र: विदेह चित्रकला सम्मानसँ पुरस्कृत पनकलाल मण्डल द्वारा)

कवीश्वर ज्योतिरीश्वर(लगभग १२७५-१३५०)सँ पूर्व (कारण ज्योतिरीश्वरक ग्रन्थमे हिनक चर्च अछि), मैथिलीक आदि कवि। संस्कृत आ अवहट्टक विद्यापति ठकुर:सँ भिन्न। सम्भवतः बिस्फी गामक बाबूर कास्टक श्री महेश ठाकुरक पुत्र। समानान्तर परम्पराक बिदापत नाचमे विद्यापति पदावलीक (ज्योतिरीश्वरसँ पूर्वसँ) नृत्य-अभिनय होइत अछि। ज्योतिरीश्वर पूर्व विद्यापति:- कश्मीरक अभिनव गुप्त (दशम शताब्दीक अन्त आ एगारहम शताब्दीक प्रारम्भ)- ग्रन्थ ईश्वर प्रत्याभिज्ञा- विभर्षिणी मे विद्यापतिक उल्लेख करै छथि। श्रीधर दासक सद्भुक्तिकर्णामृत, (रचना ११ फरबरी १२०६, मध्यकालीन मिथिला, वि.कु. ठाकुर)- श्रीधर दास विद्यापतिक पाँच टा पद उद्धृत केने छथि जे विद्यापतिक पदावलीक भाषा छी। जाव न मालतो कर परगास, तावे न ताहि मधुकर विलास। आ मुन्दला मुकुल कतय मकरन्द ज्योतिरीश्वर (१२७५-१३५०) षष्ठः कल्लोल- ॥अथ विद्यावन्त वर्णना॥ अष्टमः कल्लोल:- ॥अथ राज्य वर्णना॥ मे उल्लेख।

विद्यापतिक पुरुष परीक्षा

विद्यापतिक पुरुष परीक्षा

प्रीति ठाकुर

श्रुति प्रकाशन, नई दिल्ली

Vidyapatik Purush Pariksha by Preeti Thakur, 1st published in 2012, by M/s Shruti Publications, India

Price: Rs. 100

सर्वाधिकार © preeti Thaakura

पहिल संस्करण : 2012

ISBN : 978-93-80538-49-5

Preeti Thakur asserts the moral right to be identified as the author of this work.

Every effort has been made to trace or contact all copyright holders. The publishers will be pleased to make good any omissions or rectify any mistakes brought to their attention at the earliest opportunity.

All rights reserved. This book is sold subject to the condition that it shall not, by way of trade or otherwise, be lent, resold, hired out, or otherwise circulated without the publisher's prior written consent in any form of binding or cover other than that in which it is published and without a similar condition including this condition being imposed on the subsequent purchaser and without limiting the rights under copyright reserved above; no part of this publication may be reproduced, stored in or introduced into a retrieval system, or transmitted, in any form or by any means- photographic, electronic, mechanical, photocopying, recording, taping, information storage- or otherwise, without the prior written permission of both the copyright owner and the aforementioned publisher of this book or as expressly permitted by law.

श्रुति प्रकाशन रजिस्टर्ड ऑफिस: ८/२१, भूतल, न्यू राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली-११०००८. दूरभाष-(०११) २५८८९६५६-५८ फैक्स (०११) २५८८९६५७

Website: <http://www.shruti-publication.com>

e-mail: shruti.publication@shruti-publication.com

Printed at: Ajay Arts, Delhi-110002

Distribubr : *Pallavi Distributors*, Ward no- 6, Nirmali (Supaul), मो.- 9572450405, 9931654742

Vidyapatik Purush Pariksha: Illustrated Maithili Children Short Stories by Preeti Thakur

विद्यापतिक पुरुष परीक्षा कथाक आरम्भसँ पूर्व मंगलाचरण अछि।

मंगला चरण: चन्द्रतापा नग्रक राजा पारावार द्वारा मुनि सुबुद्धिसँ प्रश्न जे राजा पारावारक सर्वगुण सम्पन्न पुत्रीक लेल योग्य वरक की लक्षण हेबाक चाही। मुनिक उत्तर रहन्हि पुरुषक लक्षण भेल वीरता, सुबुद्धि, सद्बिद्या आ पुरुषार्थ।

पहिल परिच्छेद (वीर कथा)

दानवीर विक्रमादित्य, युद्धवीर कर्णाट राजकुमार मल्लदेव, दयावीर रणथम्भौर नरेश हम्मीर देव आ सत्यवीर चौहान वंशक नरेश चाचिकदेवक कथा।

दोसर परिच्छेद (सुबुद्धि कथा)

प्रतिभासम्पन्न विशाख, मेधासम्पन्न कोक पण्डित आ कर्णाट नरेश हरसिंहदेवक सुबुद्धि सम्पन्न मन्त्री गणेश्वर('सुगतिसोपान' पोथीक लेखक जइमे मिथिलाक सांवैधानिक इतिहासक वर्णन अछि) क कथा।

तेसर परिच्छेद (सविद्य कथा)

धारा नग्रक सिंघल नाम्ना क्षत्रिय धनुर्धर, शास्त्रक वेत्ता ज्योतिषिशास्त्री वराहमिहिर, आयुर्वेदज्ञ हरिश्चन्द्र आ दर्शन शास्त्री मीमांसक शबर स्वामीक कथा ।

चारिम परिच्छेद (धर्म कथा)

चारिम परिच्छेदमे धर्म, अर्थ, काम आ मोक्ष (पुरुषार्थ चतुष्टय) सम्बन्धी कथा सभ अछि। **धर्म** सम्बन्धी कथामे तत्त्वज्ञानी बोधि कायस्थक, तमोगुण धार्मिक श्रीकण्ठ ब्राह्मणक आ पापकर्म लेल पश्चातापस्वरूप पुण्य अर्जित केनिहार राजकुमार रत्नांगदक कथा अछि। **अर्थ** सम्बन्धी कथामे न्यायोचित उपार्जित धनक दान आ भोगमे खर्च केनिहार धनिकक कथा, तृष्णाग्रस्त मालिक कथा आदि अछि। **काम** कथामे अनुकूल नायक शूद्रक, गौडनरेश, लक्ष्मण सेन, महाराज विक्रमादित्य, धूर्त नायक शशि, विद्या-बुद्धिसम्पन्न मुदा पटरानी शुभदेवीक प्रेममे वशीभूत राज्य आ प्राण गमा दइबला महाराज जयचन्दक कथा अछि। **मोक्ष** कथामे भर्तृहरि, विवेकशर्मा, मुमुक्ष कृष्ण चैतन्य आ लब्धसिद्ध मुमुक्षक कथा अछि।

पहिल परिच्छेद (वीर कथा)

दानवीर कथा

दयावीर कथा

युद्धवीर कथा

सत्यवीर कथा

प्रत्युदाहरण कथा

कृपण कथा

अलस कथा

भीरु कथा

चौर कथा

दोसर परिच्छेद (सुबुद्धि कथा)

मेधावी कथा

सुबुद्धि कथा

प्रत्युदाहरण कथा

वंचक कथा

पिशुन कथा

जन्मबर्बर कथा

संसर्ग बर्बर कथा

तेसर परिच्छेद (सविद्य कथा)

शस्त्रविद्य कथा

शास्त्रविद्य कथा

लोकविद्य कथा (कायस्थ शकटार आ चाणक्यक कथा)

उभयविद्य कथा (चाणक्य, चन्द्रगुप्त आ मंत्री राक्षसक कथा)

चित्रविद्य कथा

गीतविद्य कथा

नृत्यविद्य कथा

इन्द्रजालविद्य कथा

हासविद्य कथा

पूजितविद्य कथा

प्रत्युदाहरण कथा

अवसन्नविद्य कथा

अविद्य कथा

खण्डितविद्य कथा

चारिम परिच्छेद (धर्म कथा)

धर्म कथा

सात्विक कथा

तामस कथा

अनुशयी कथा

अर्थ कथा

महेच्छ कथा

मूढ कथा

बह्मश कथा

प्रत्युदाहरण कथा

सावधान कथा

काम कथा

अनुकूल कथा

दक्षिण कथा

घस्मर कथा

मोक्ष कथा

निर्बन्धि कथा

निस्पृह कथा

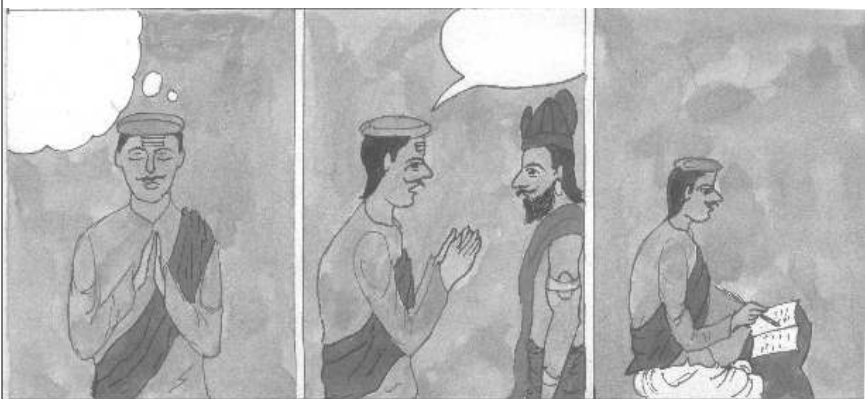
लब्धसिद्धि कथा

मूल कथा सभ लेल जाउ चन्द्रकान्त पाठकक १९२७ मे प्रकाशित [पुरुष परीक्षा ओपन सोर्सबुक](#)

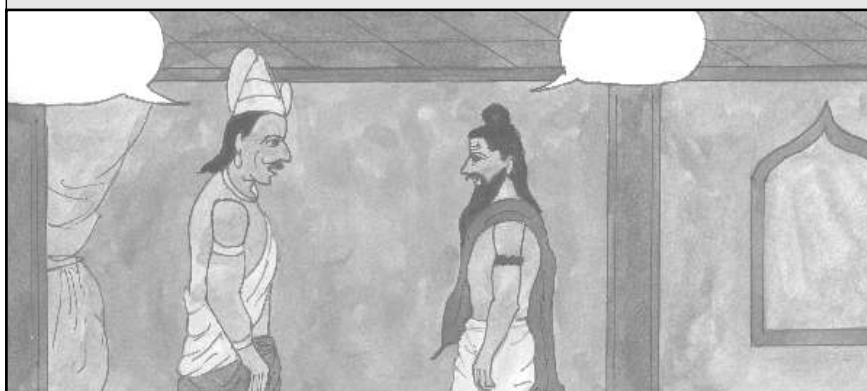
बौआ-बुच्ची सभ।

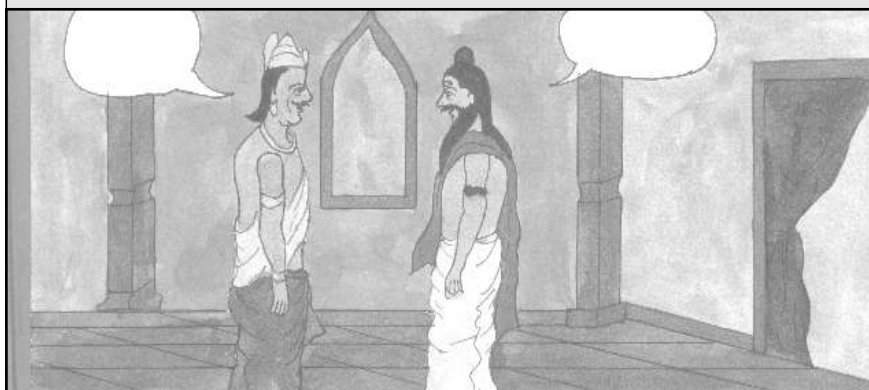
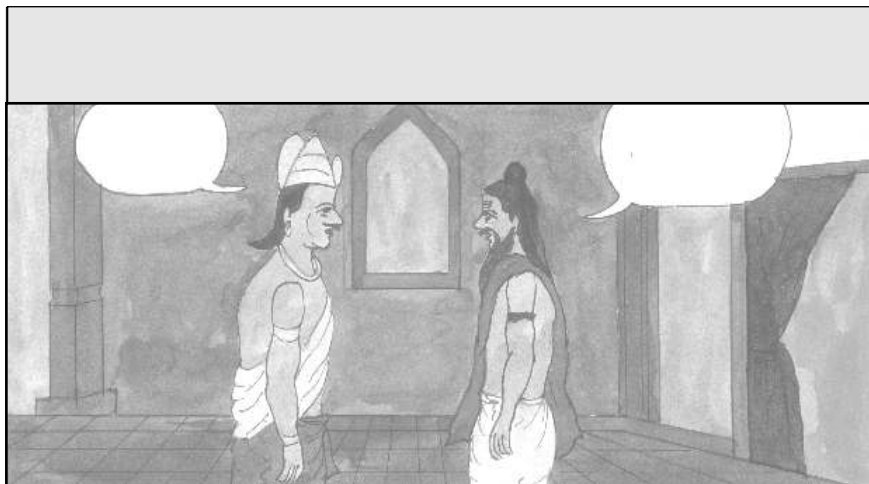
ऊपर देल लिंकसँ खिस्सा पढ़ि कऽ अहाँकेँ नीचाँ चित्र बनाओल कथा सभकेँ चिन्हबाक अछि, ऊपर देल कथा सभमेसँ २५ टा कथाक रेखाचित्र नीचाँ देल गेल अछि। एकर सभक शीर्षक दिअ, फोटो सभमे डायलॉग लेल स्थान राखि शेष स्थलमे रङ भरू।

विद्यापतिक पुरुष परीक्षा



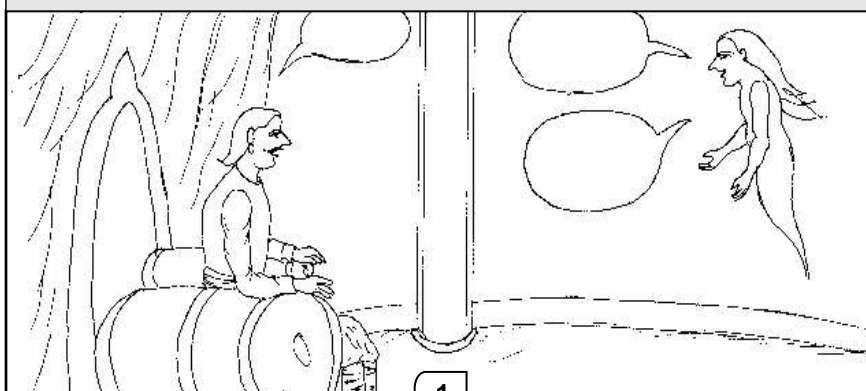
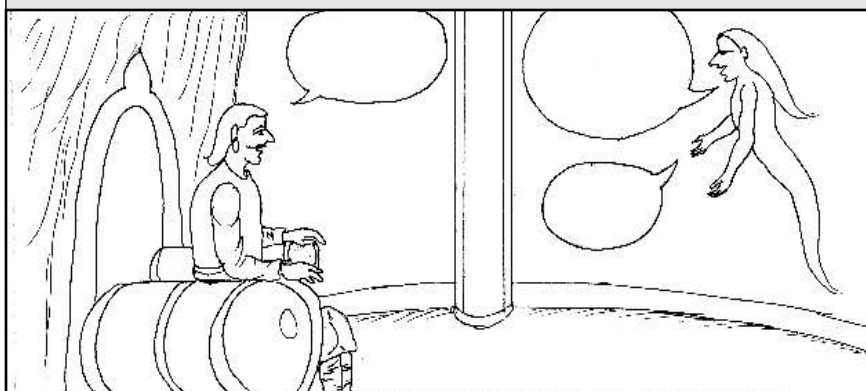
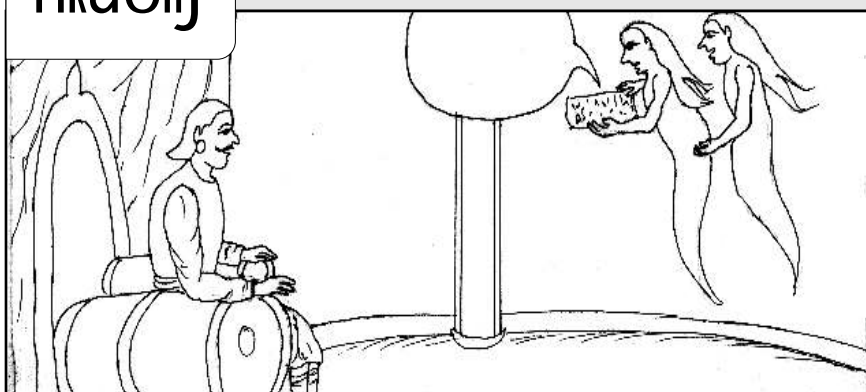


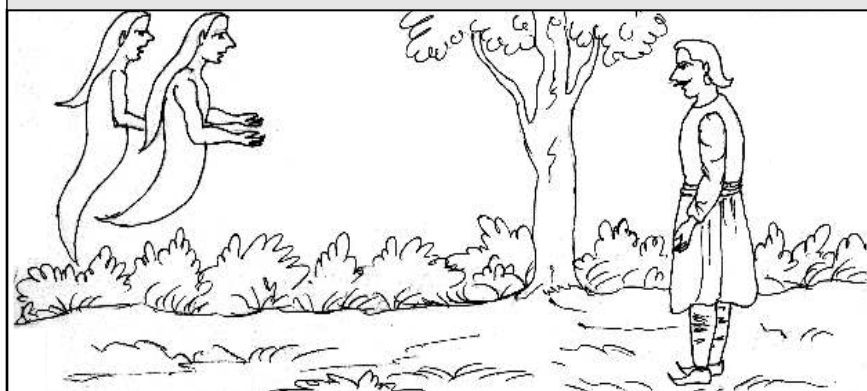
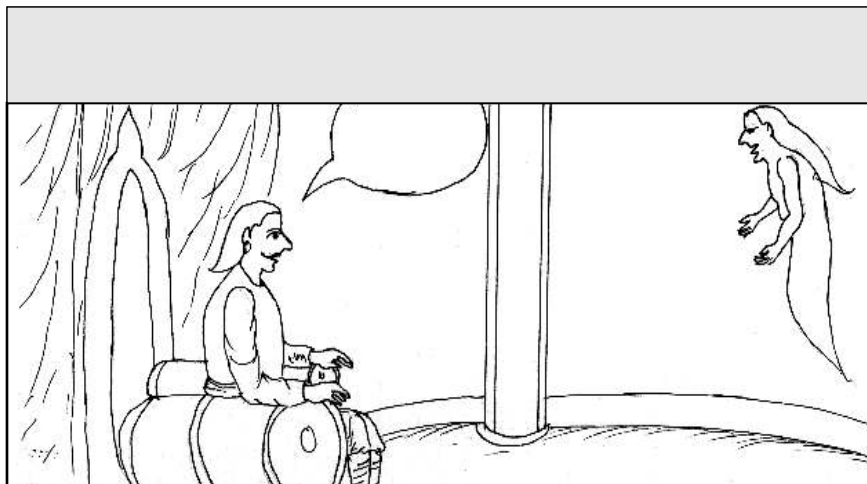


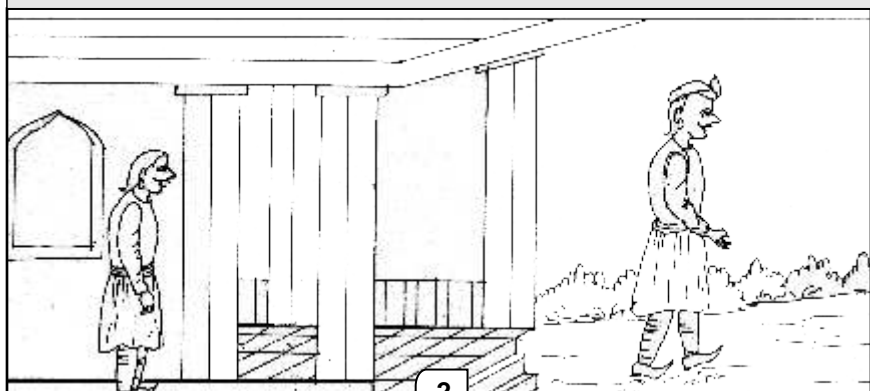
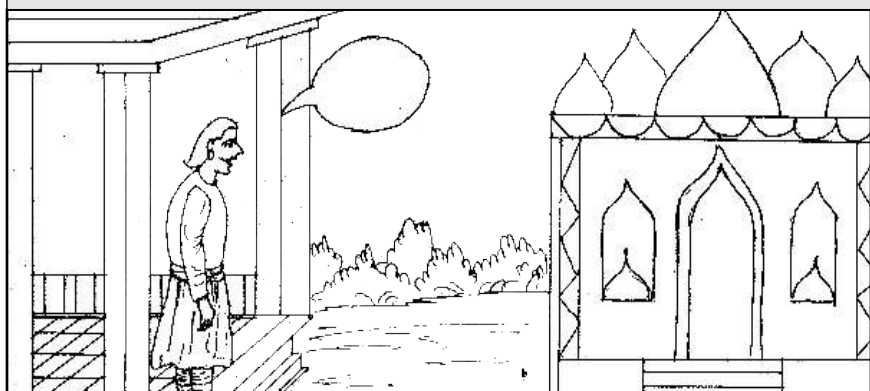


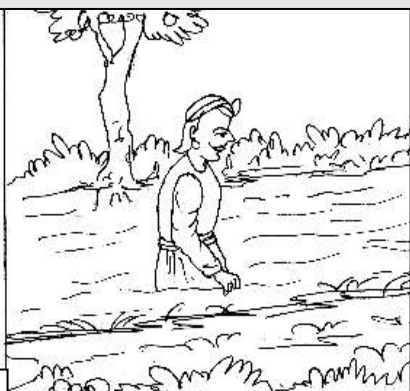
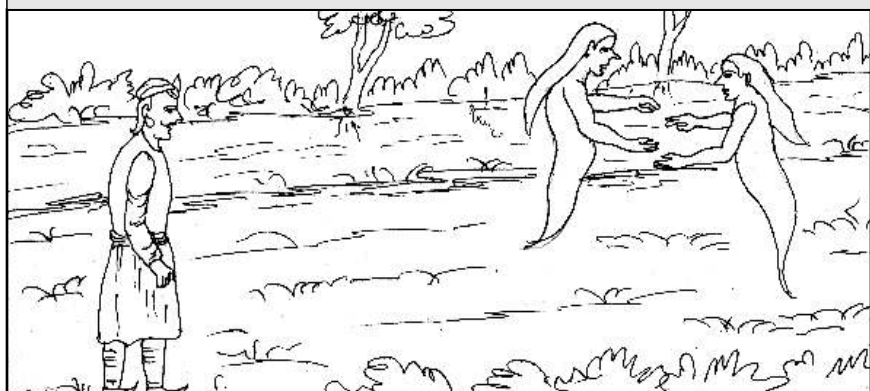
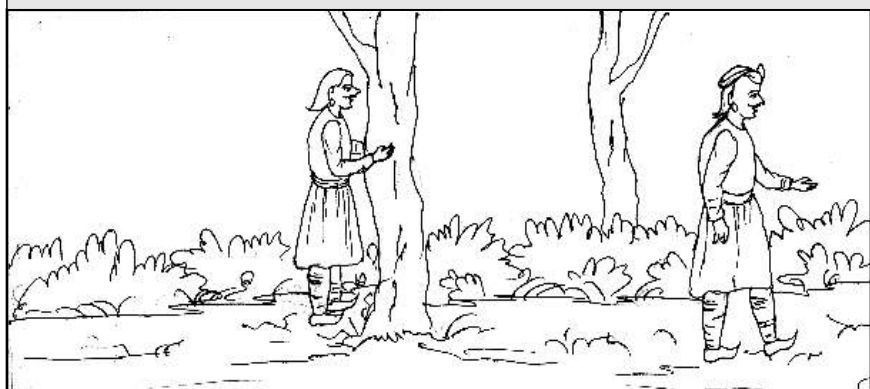
वीरदाहरण कथा

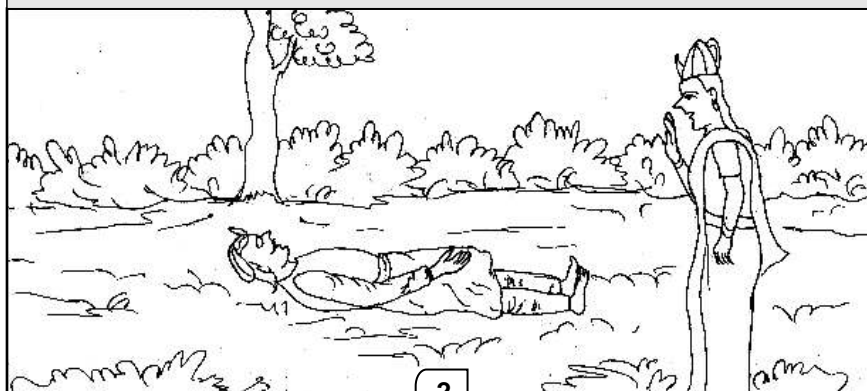
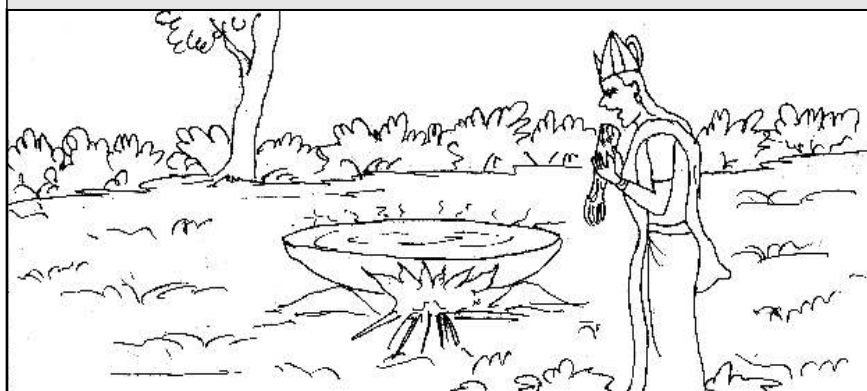
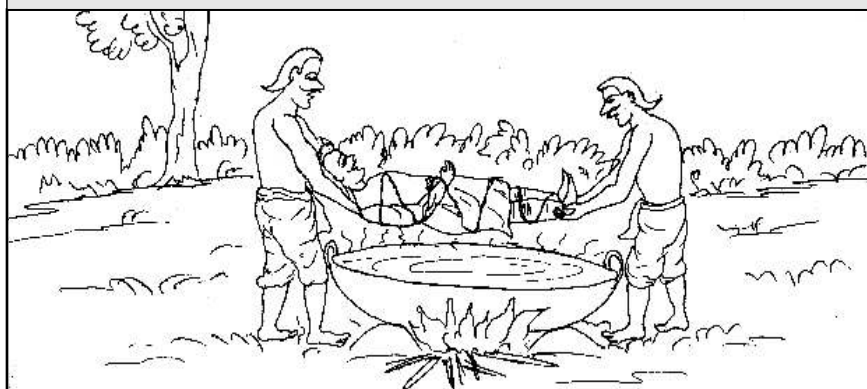
nkuohj

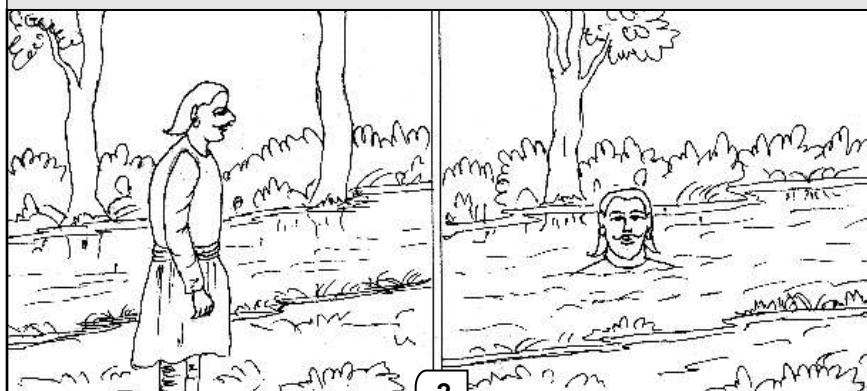


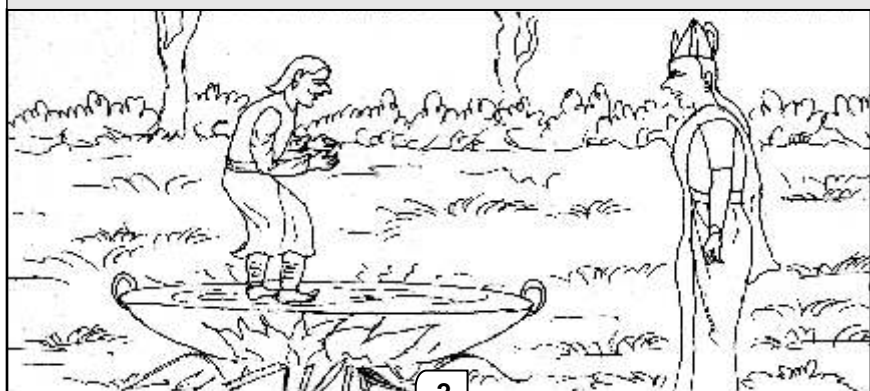
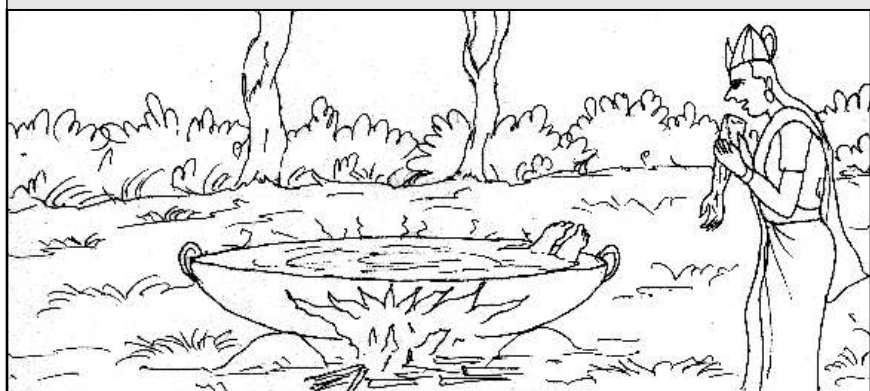


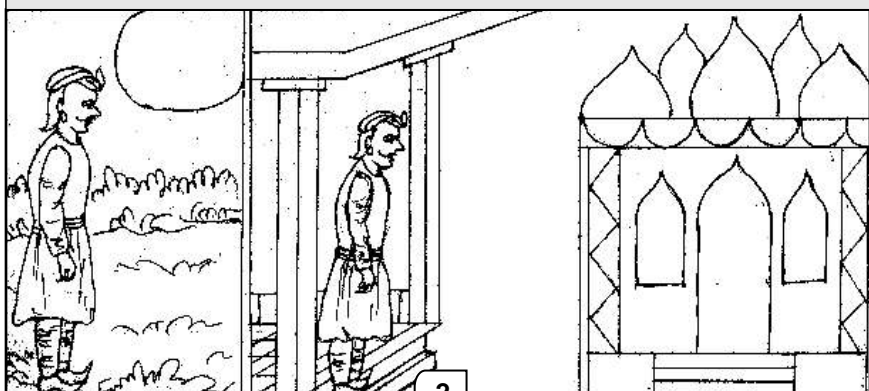
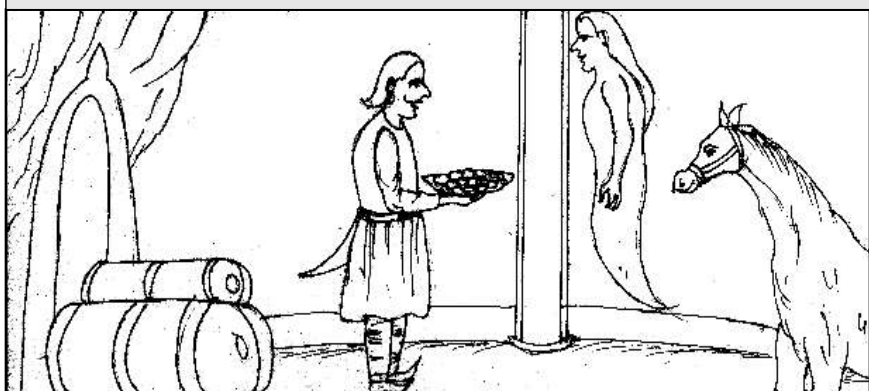




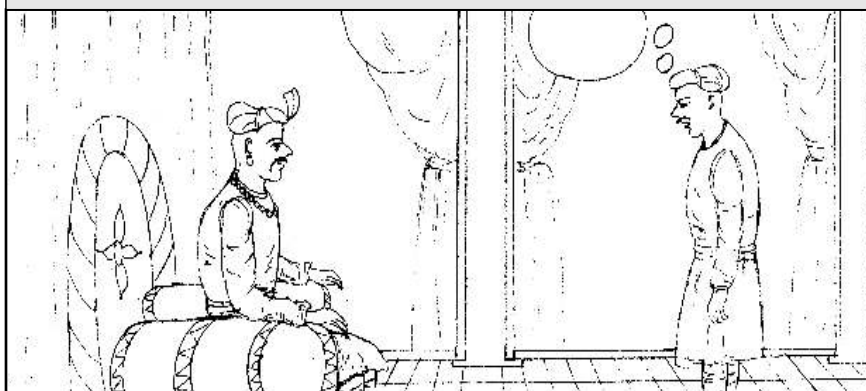
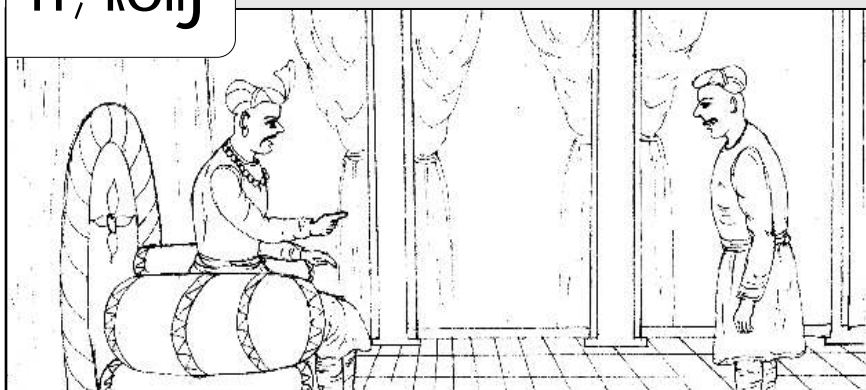


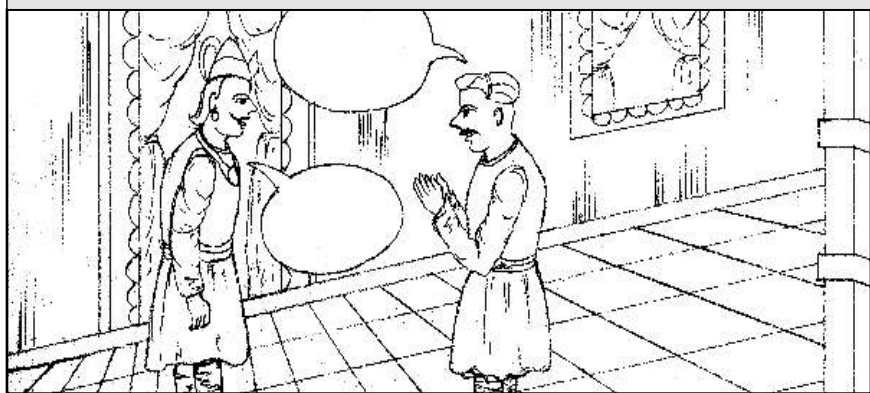
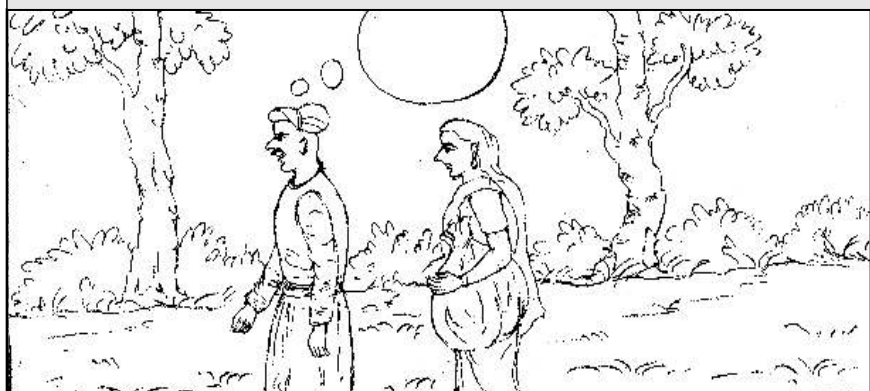


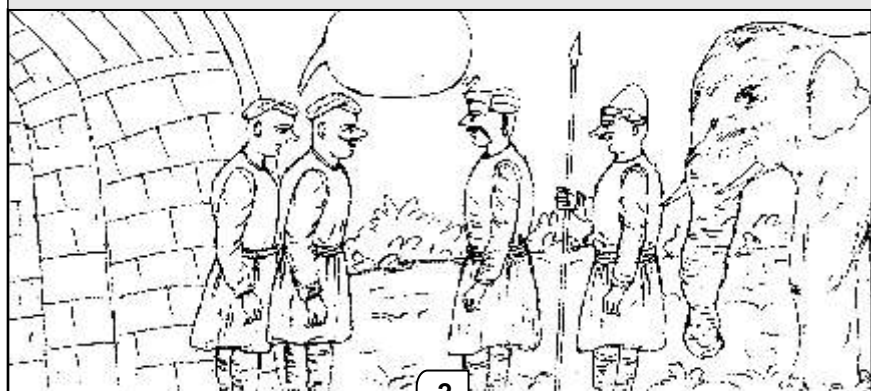
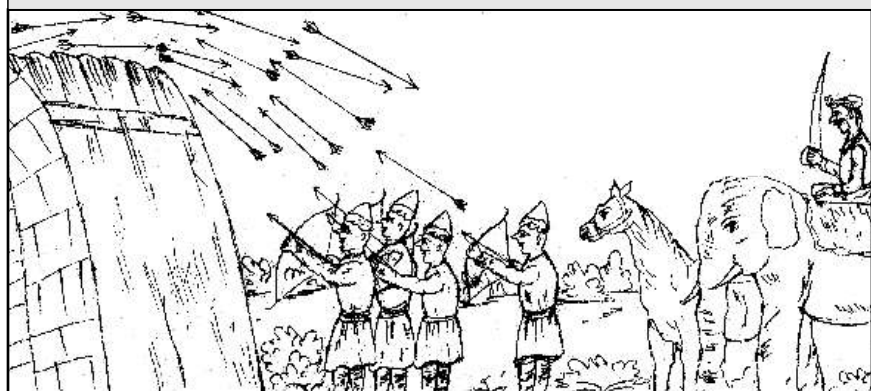




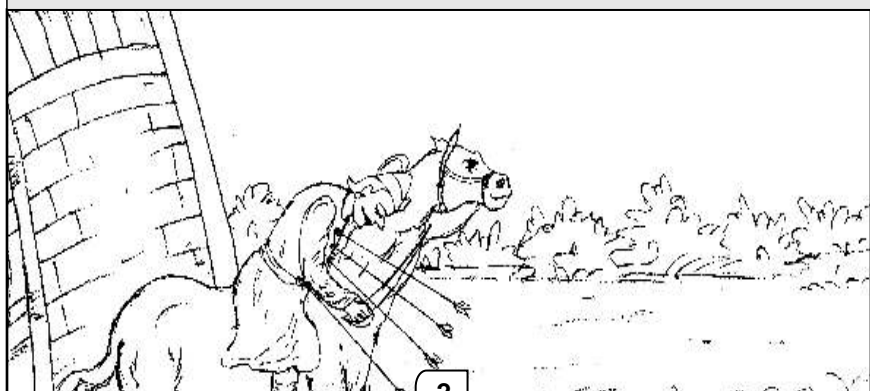
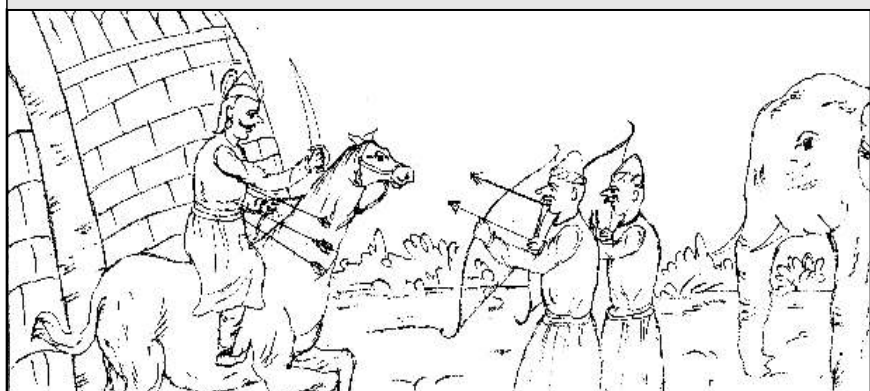
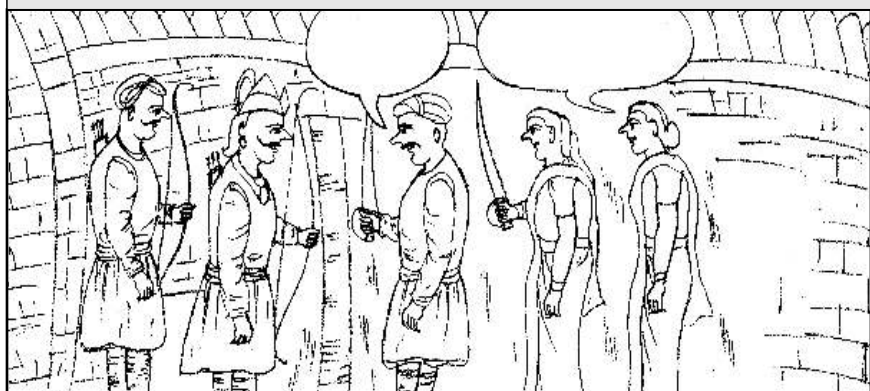
n; kohj



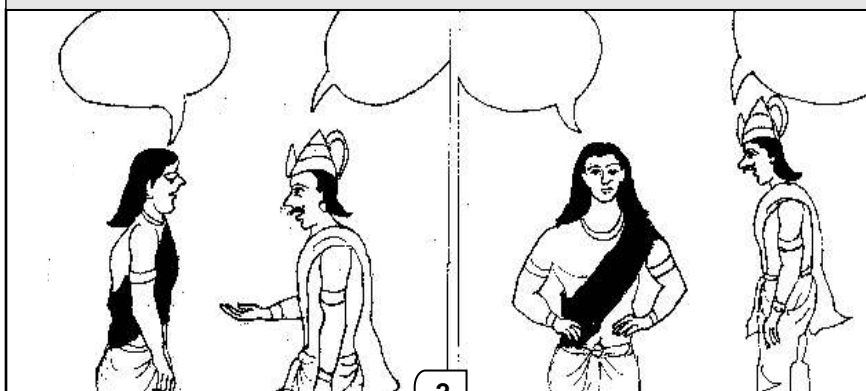
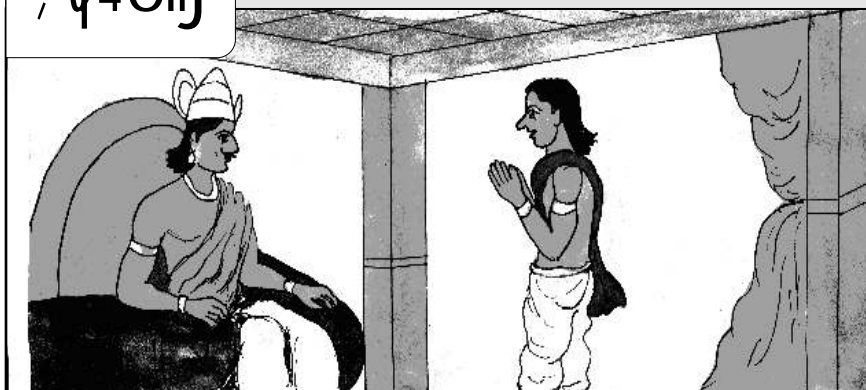


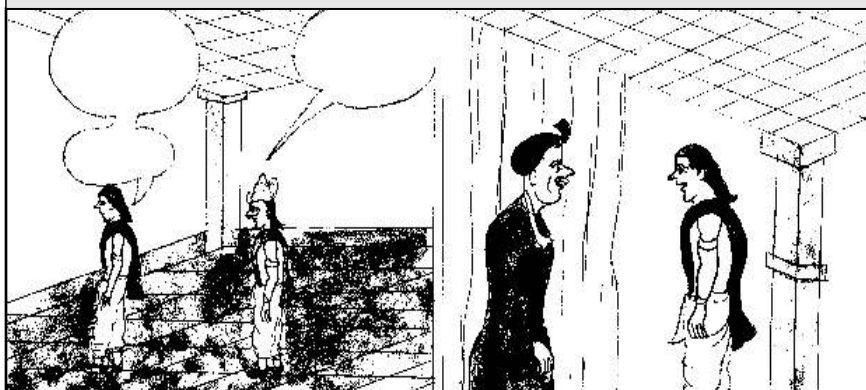


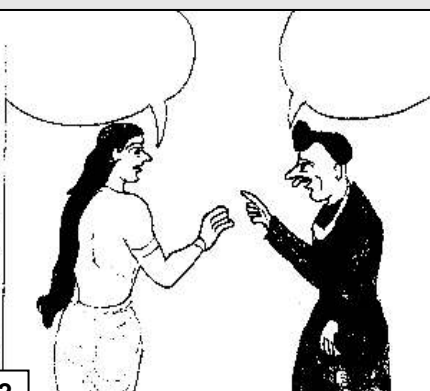
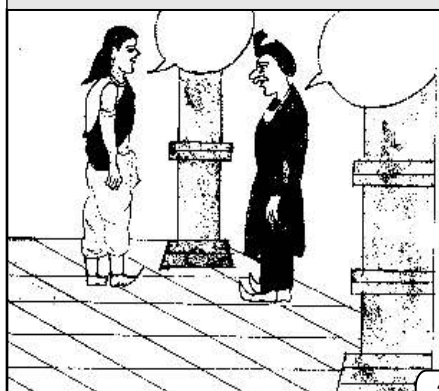
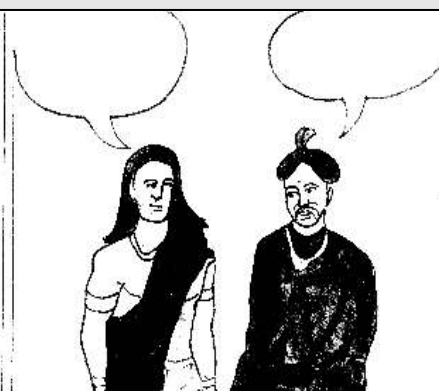
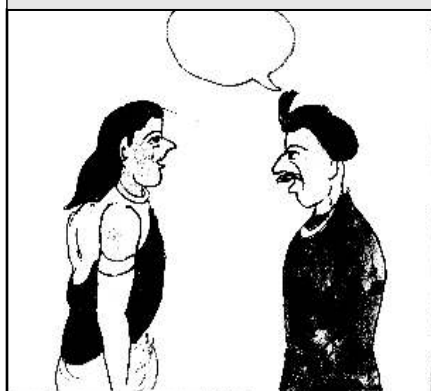


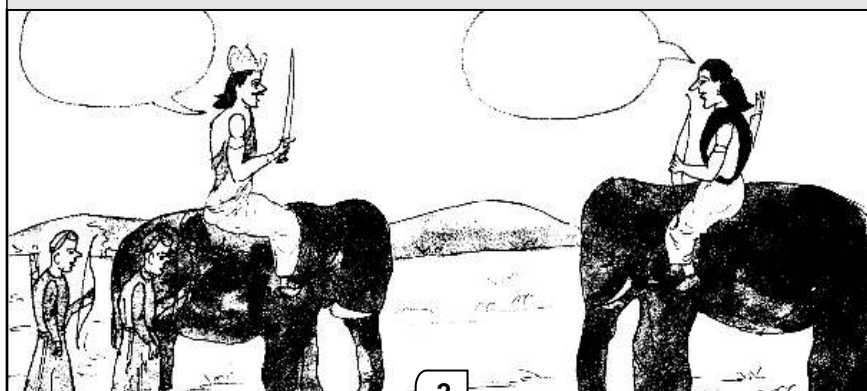
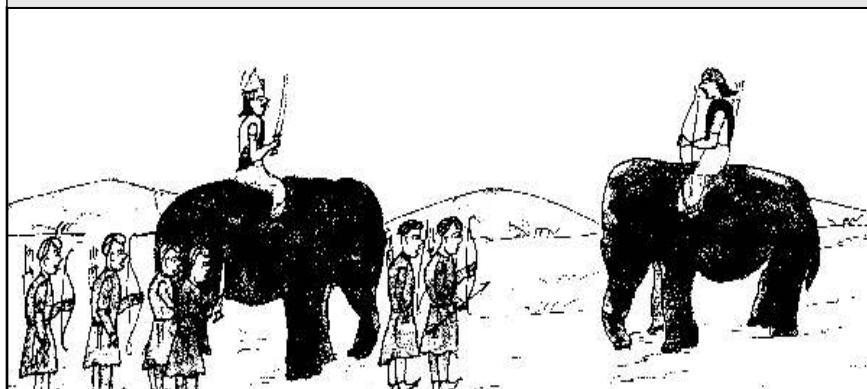


; 4ohj

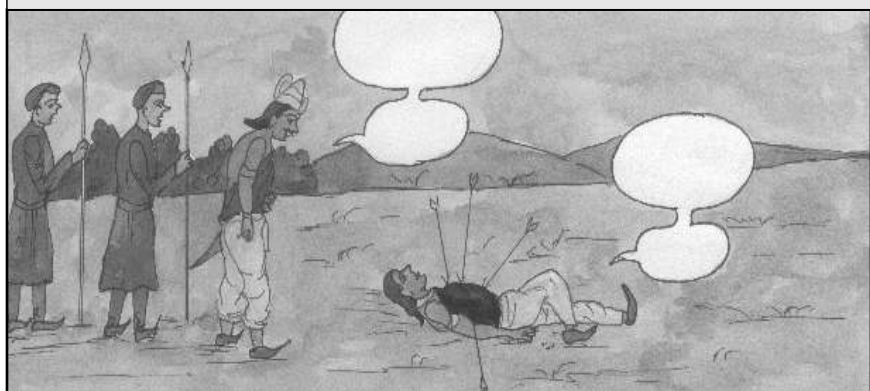
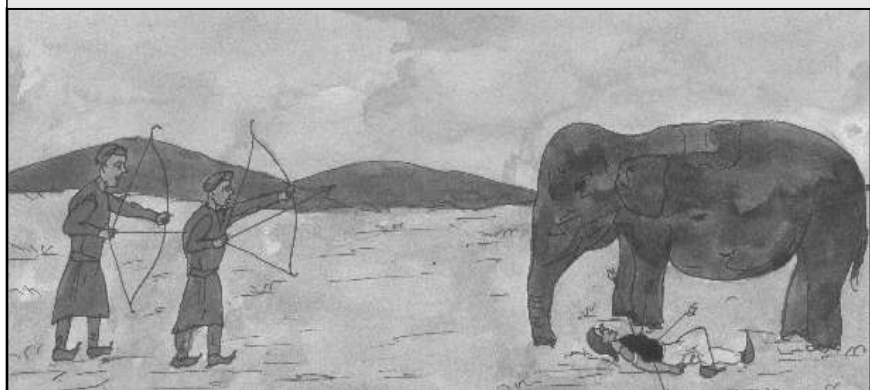


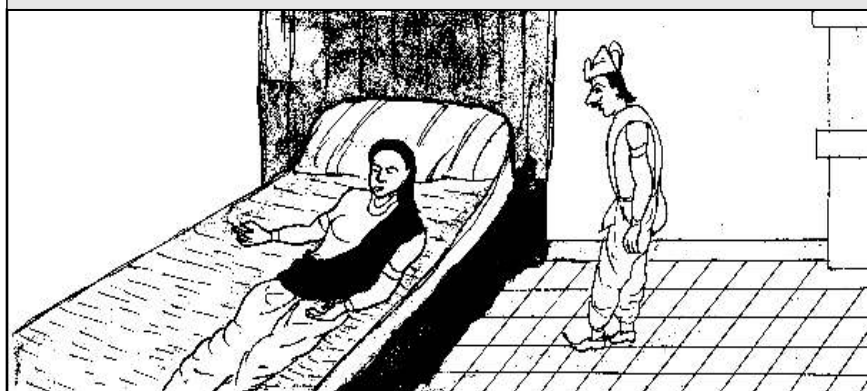




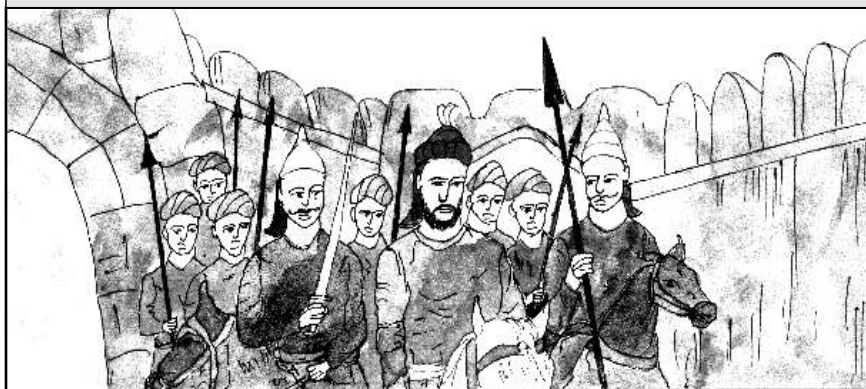




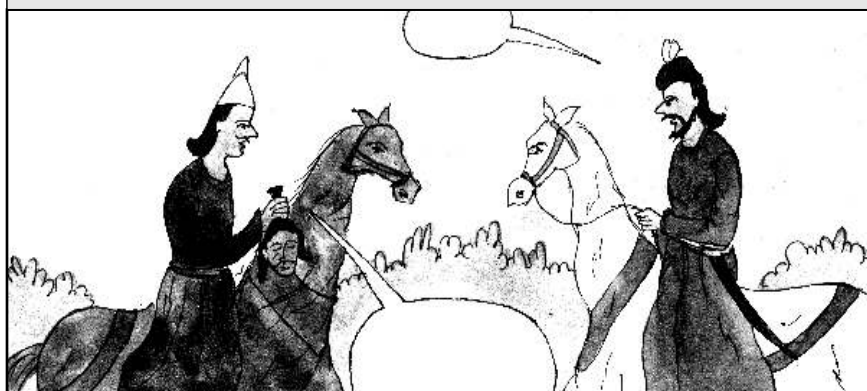


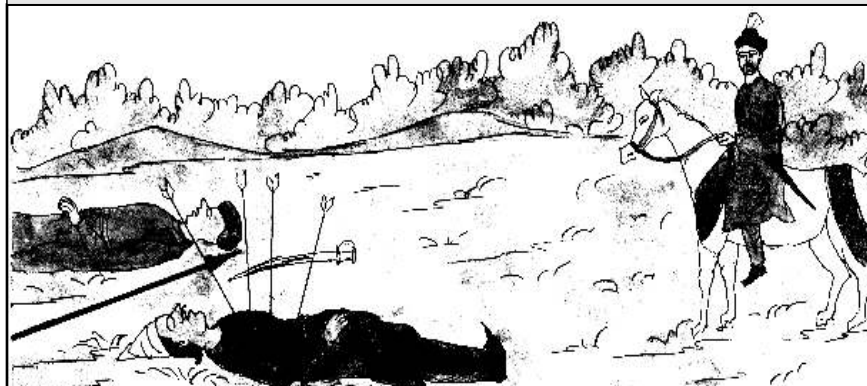


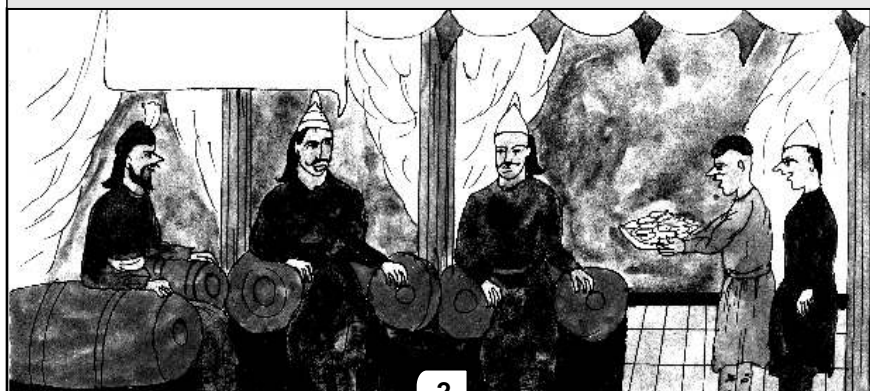
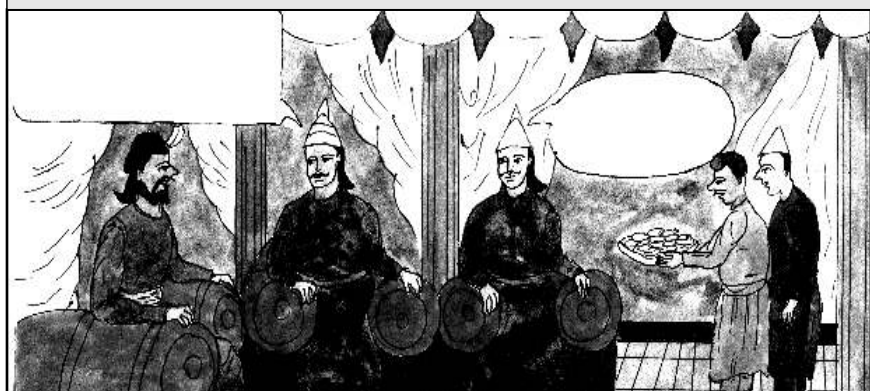
I R; ohj



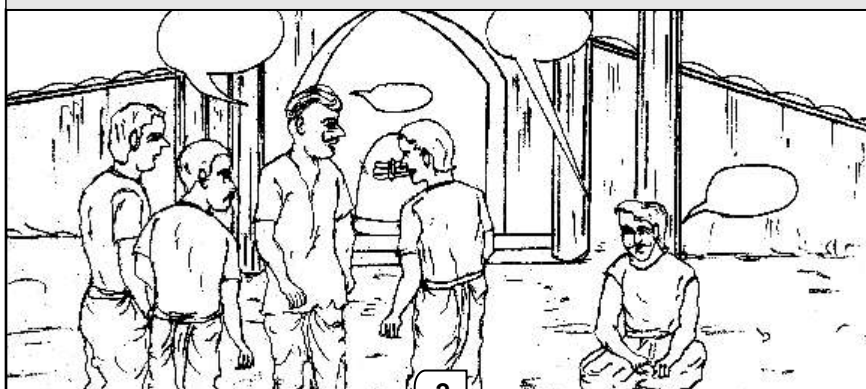
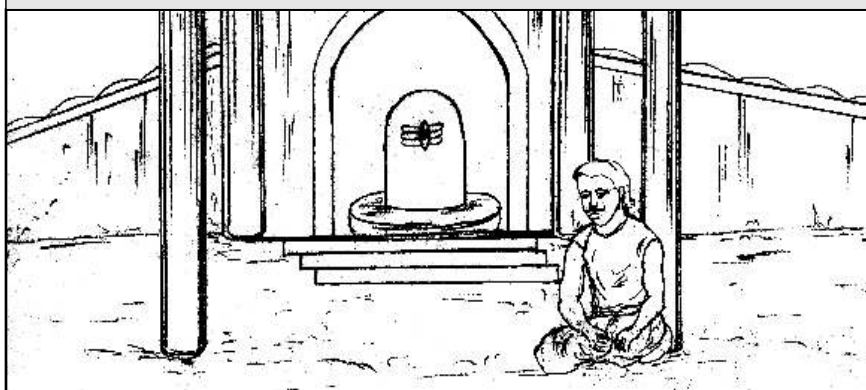


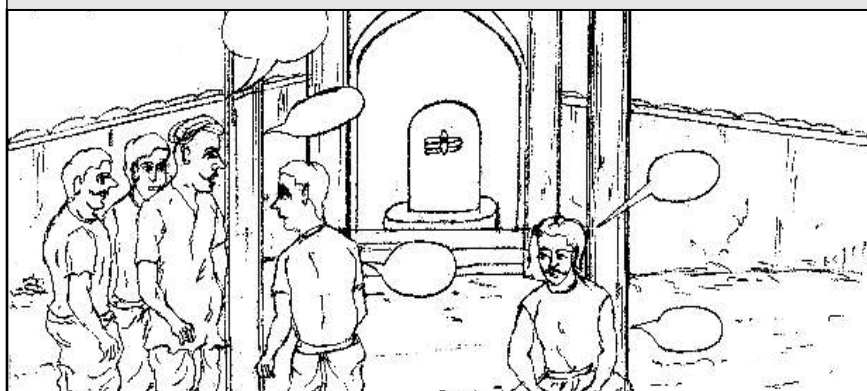


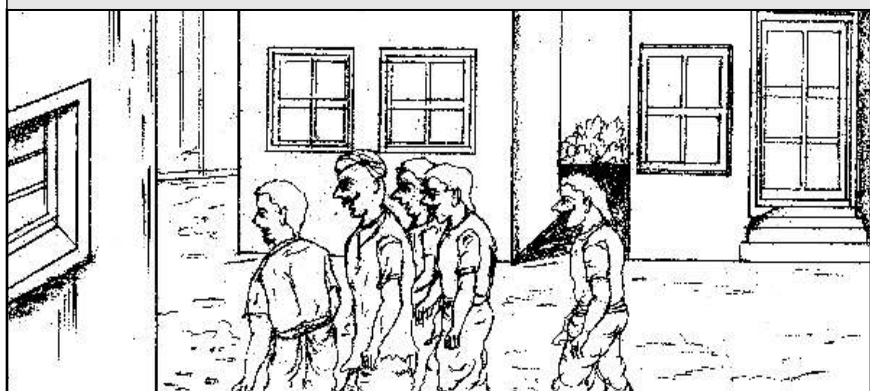


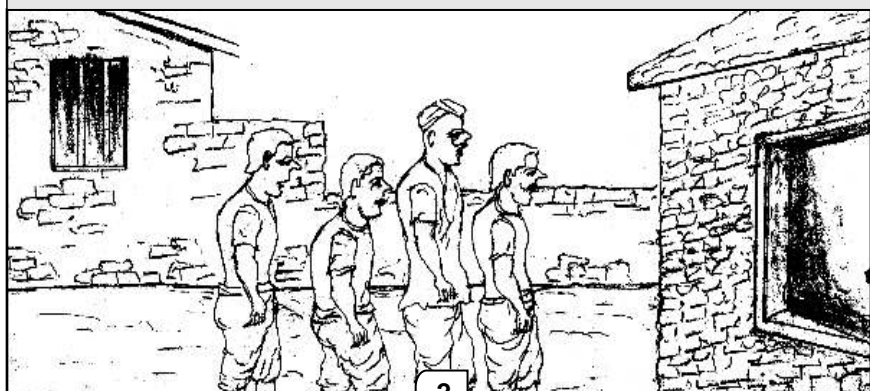
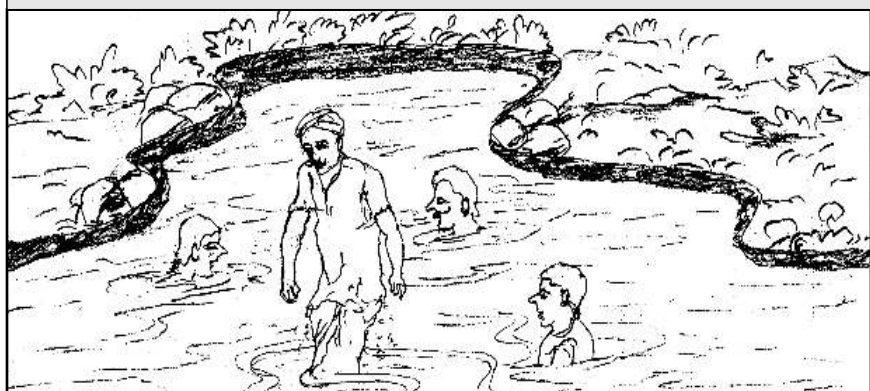


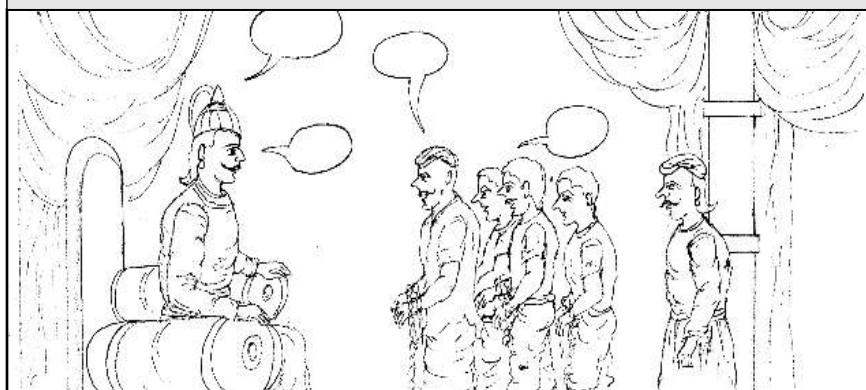




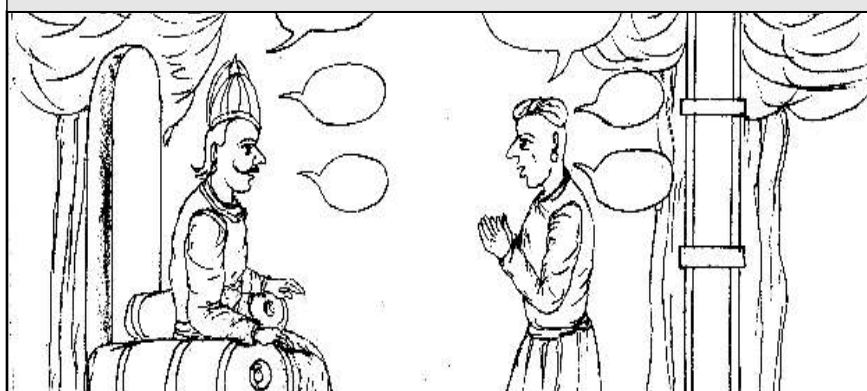




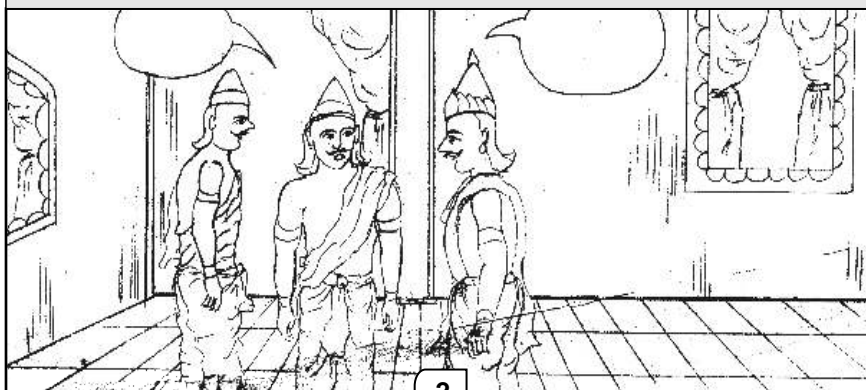


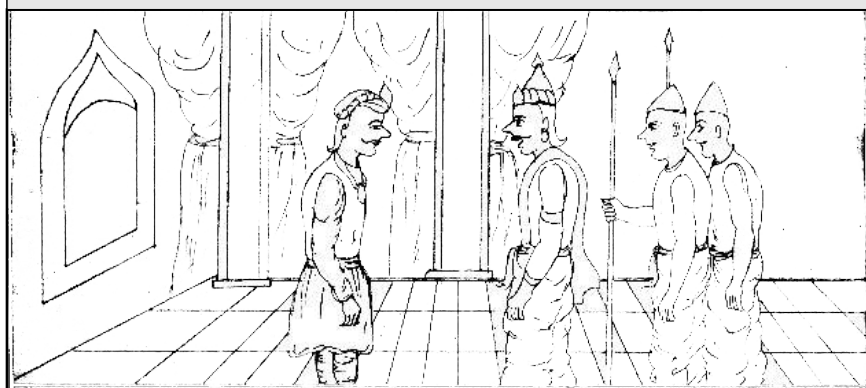
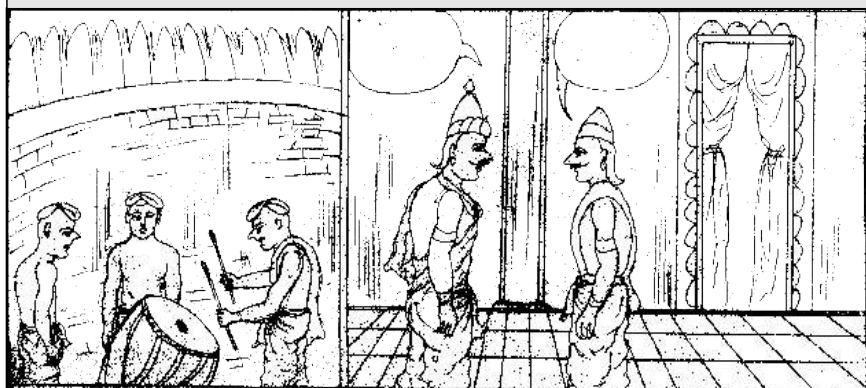




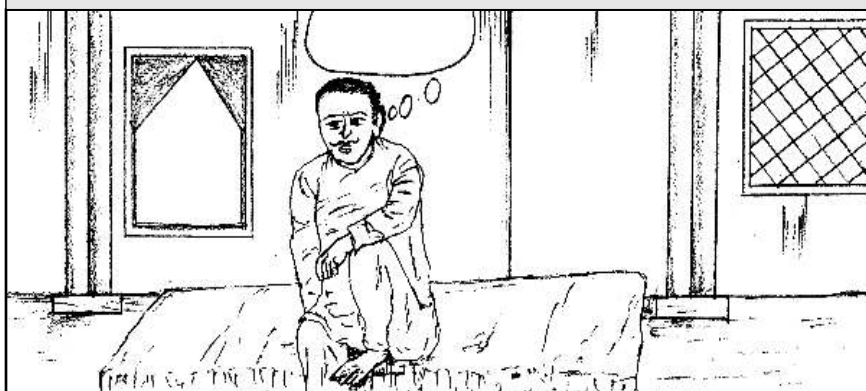


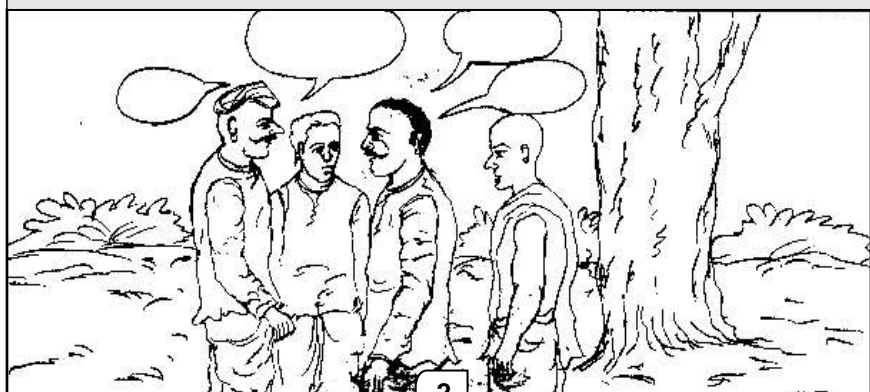
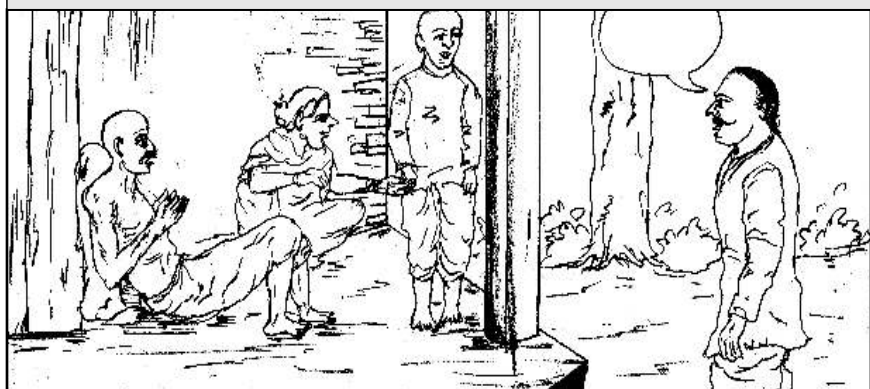
Hkh: d
dFkk

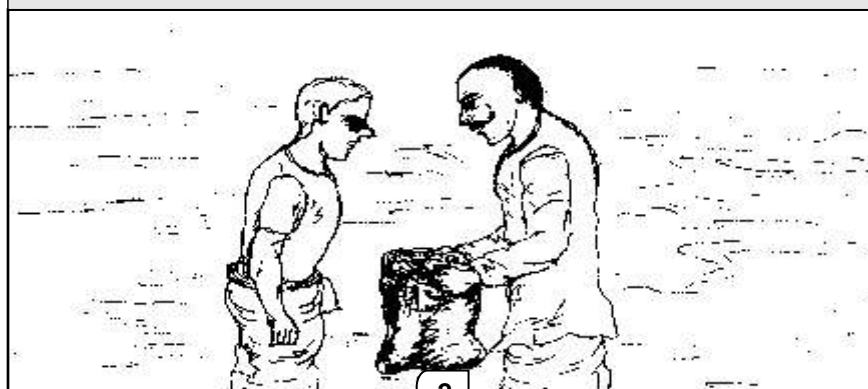
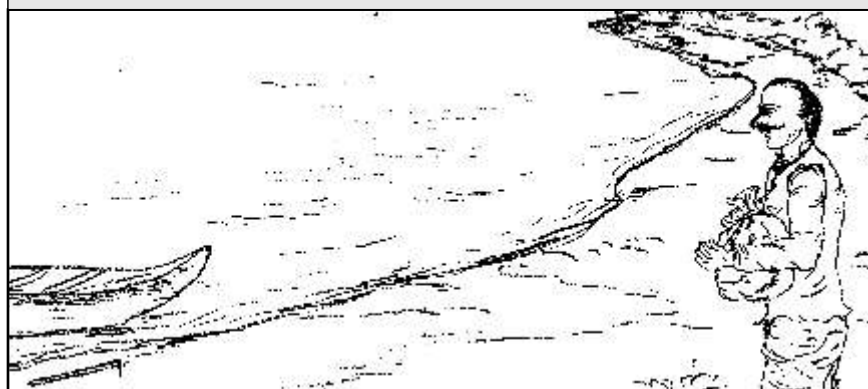




dì.kd
dFkk

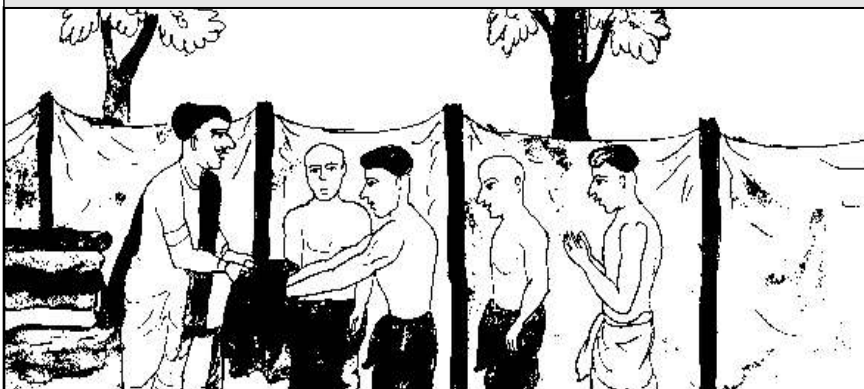
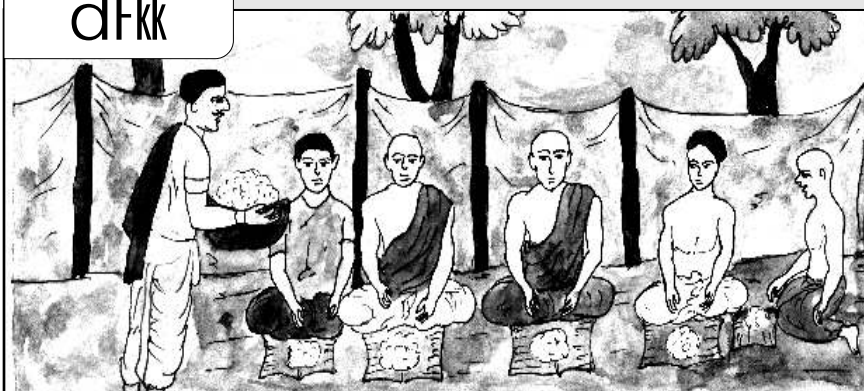


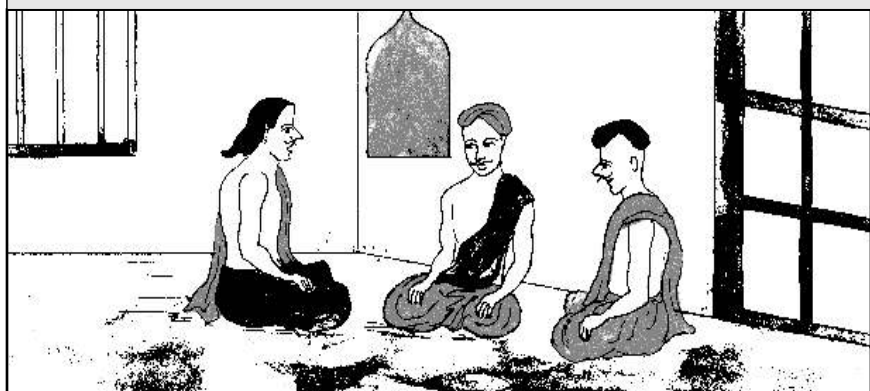


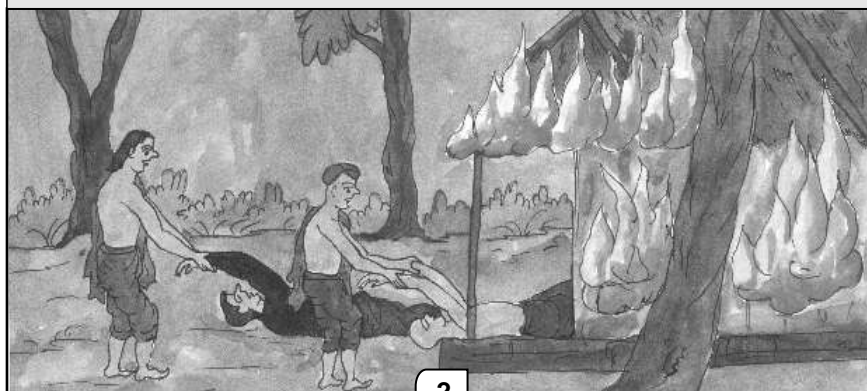




vkyI hd
dFkk

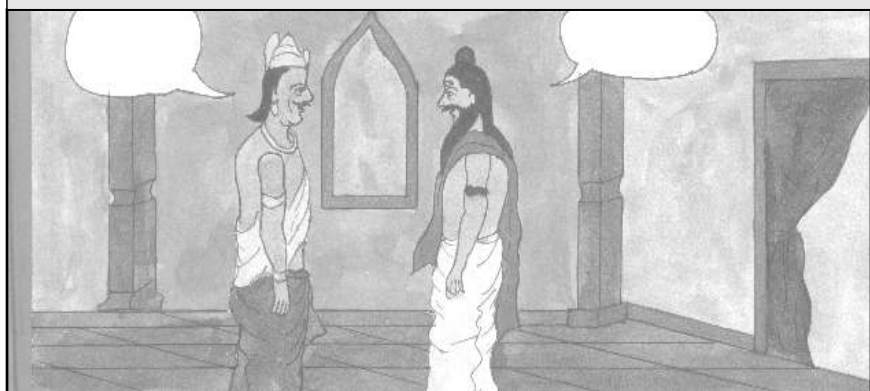




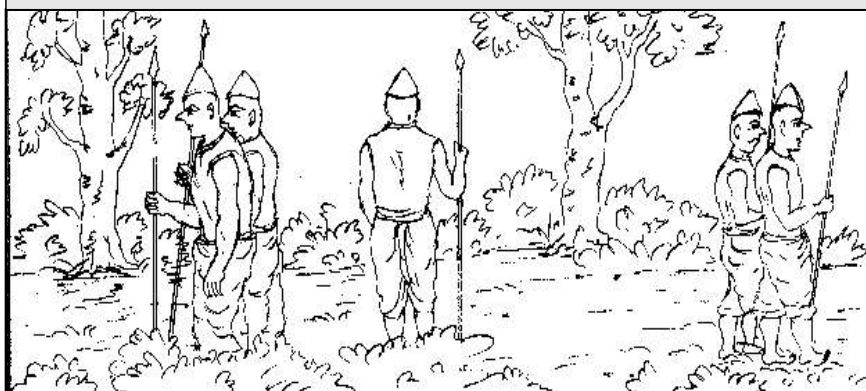


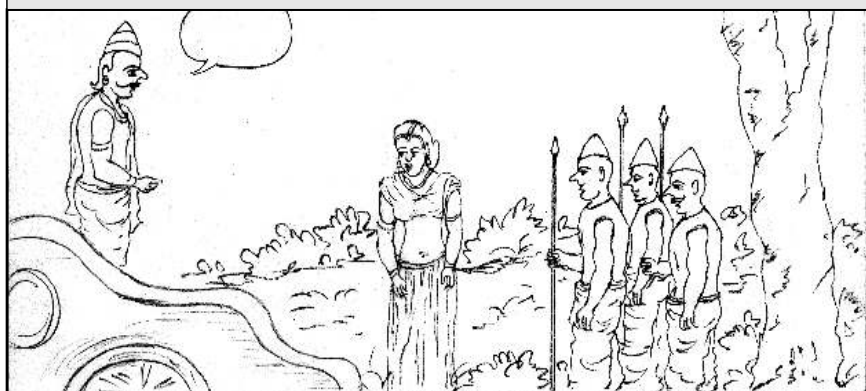


सुधी कथा



I i frHk
dFkk



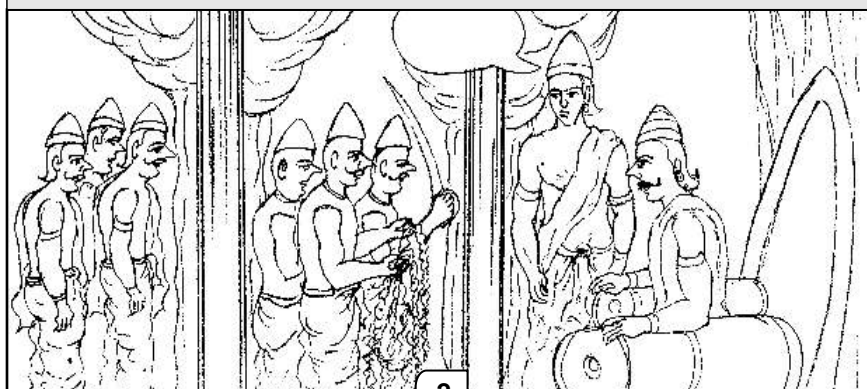
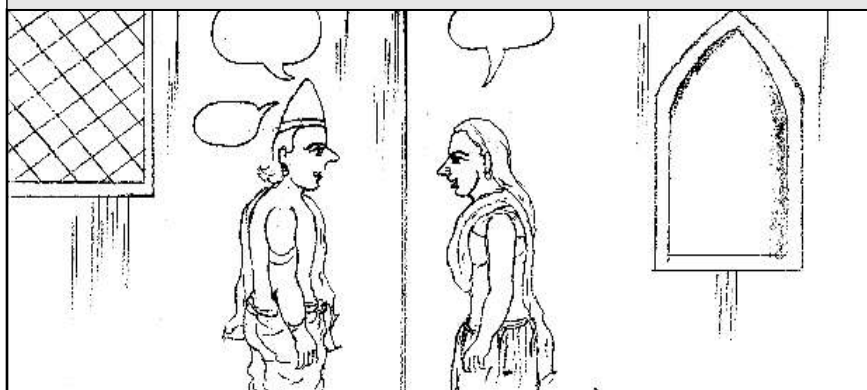


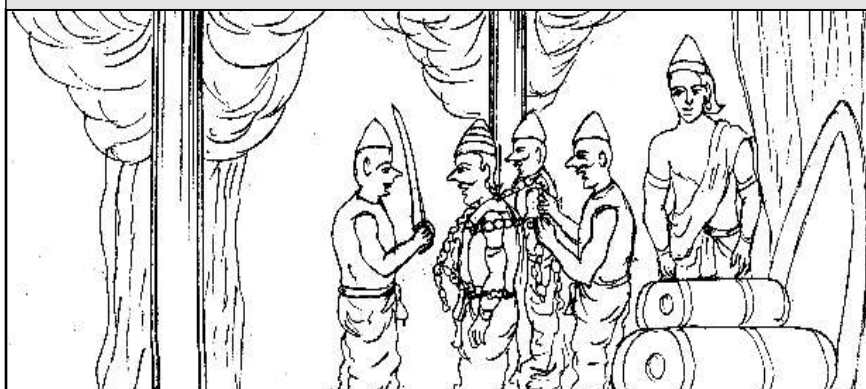




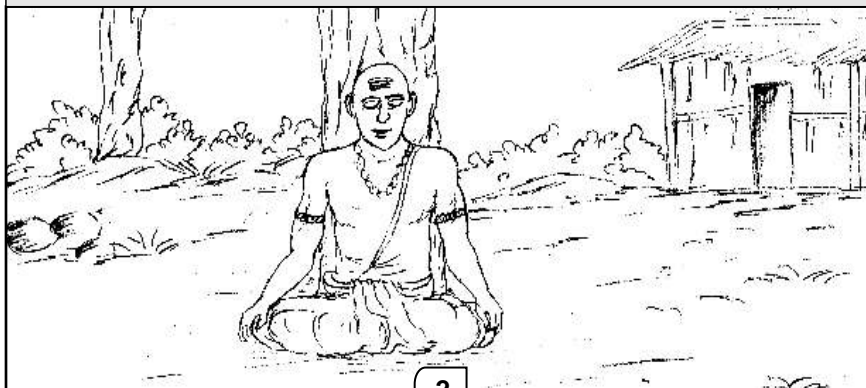
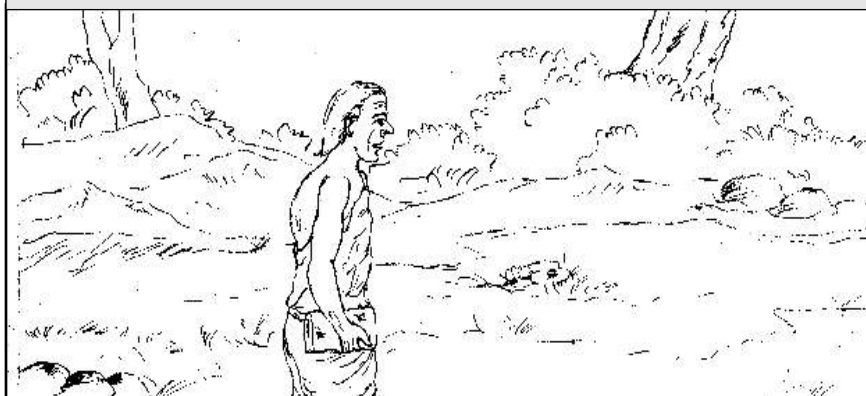


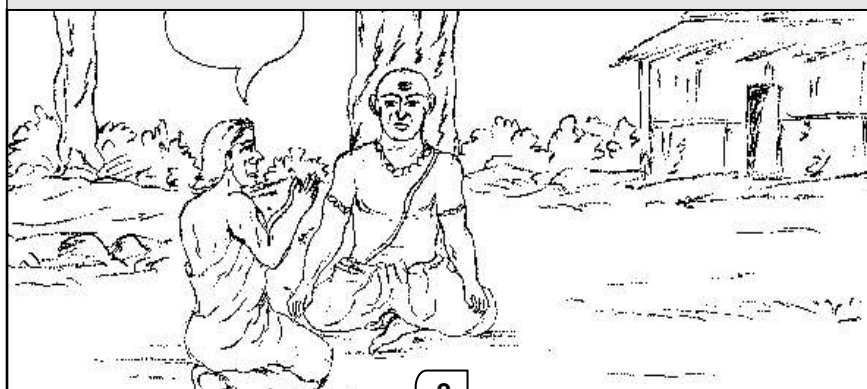
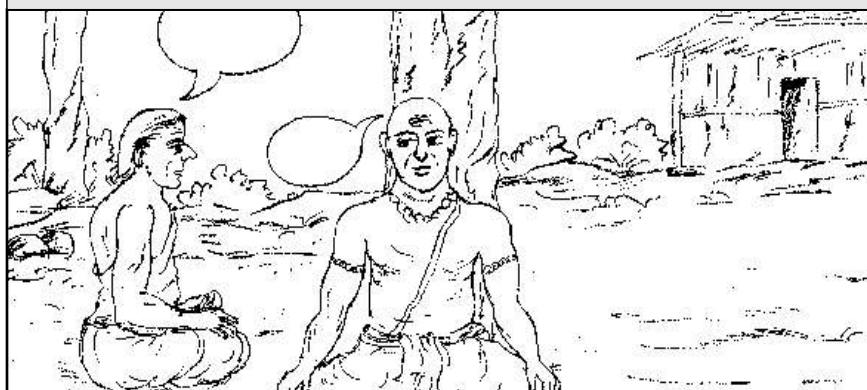
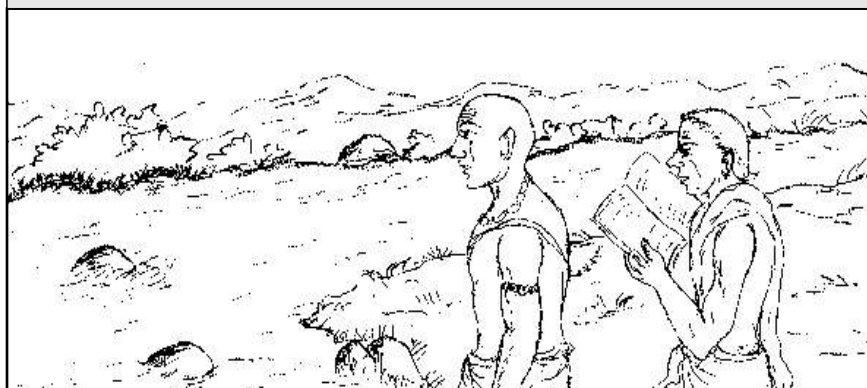




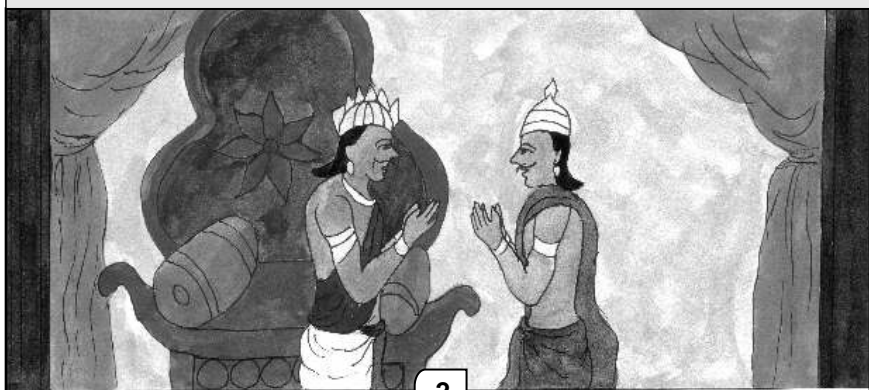
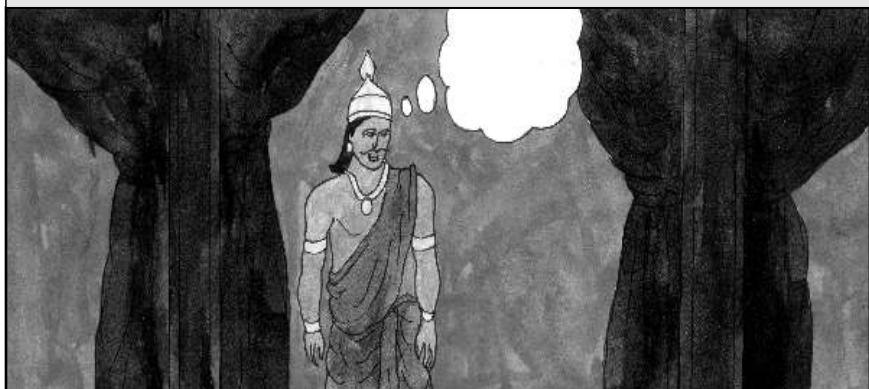


es/kohd
dFkk

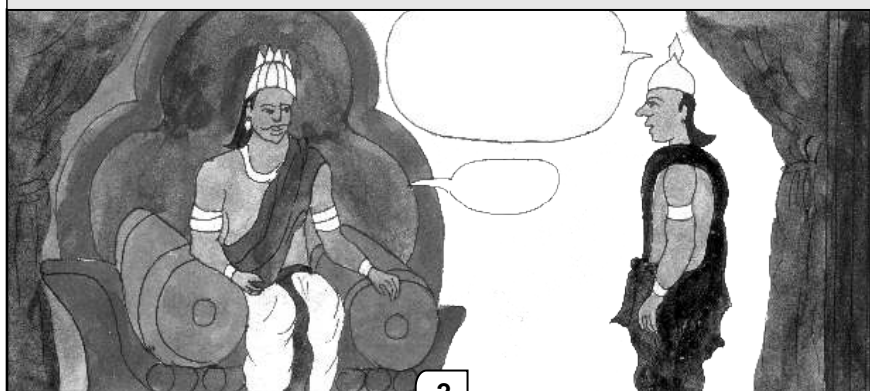


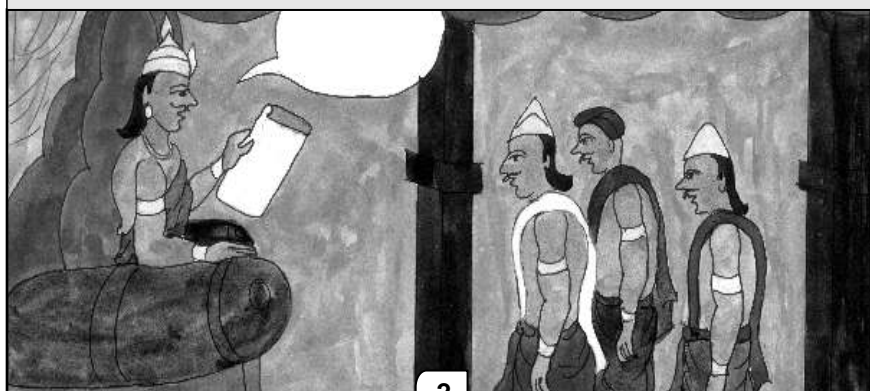
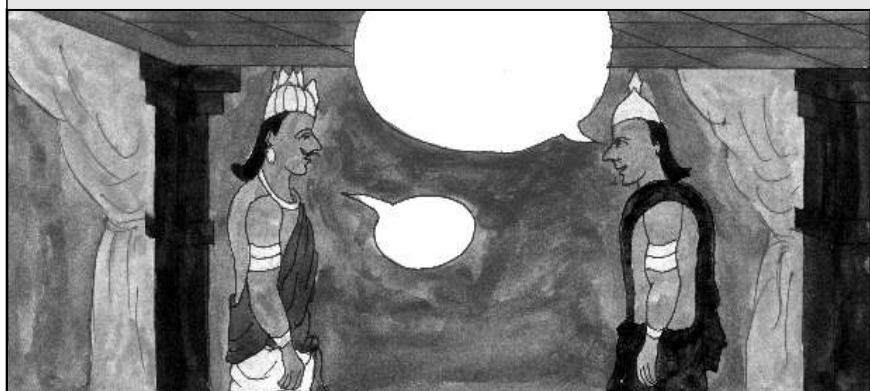


I cf^{1/4}d
d'Fkk





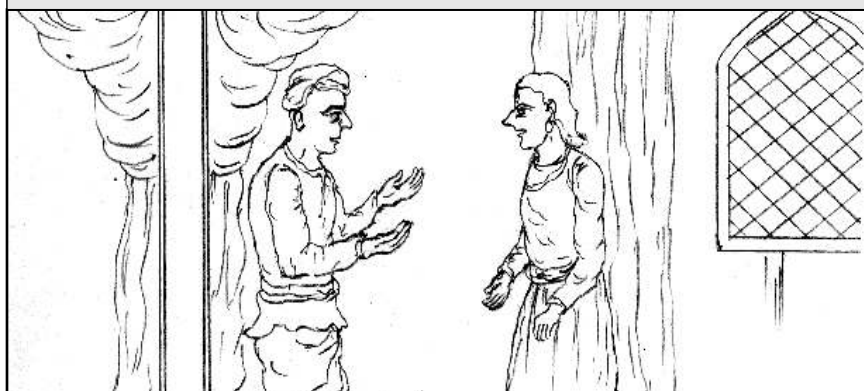




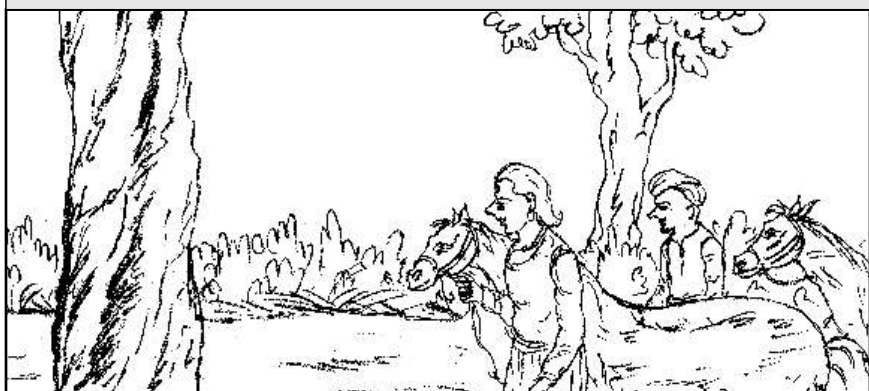


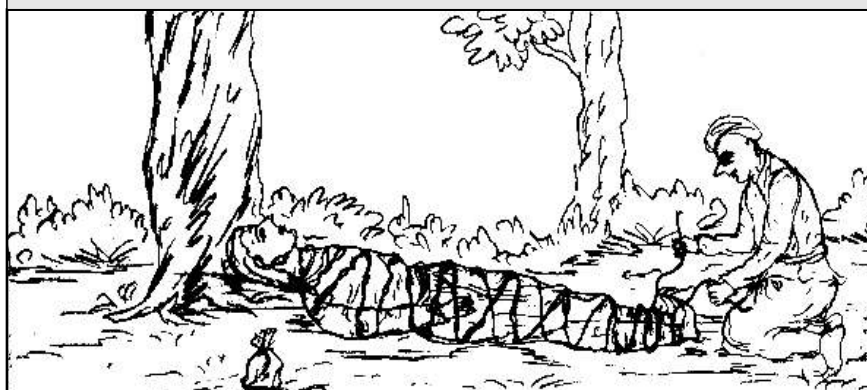
opdd
dFkk

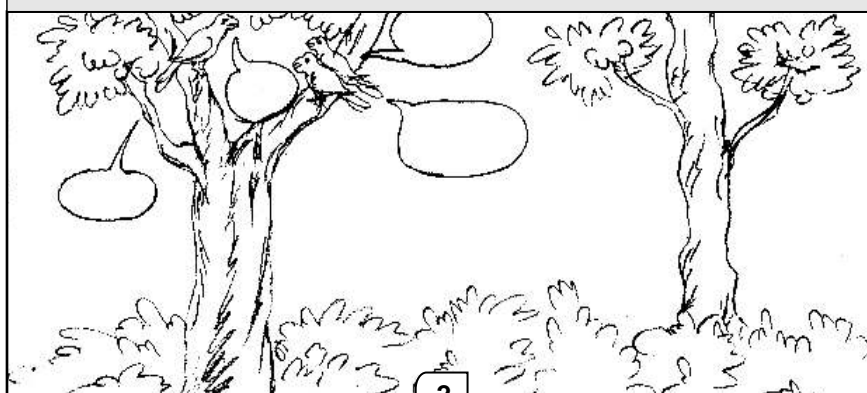




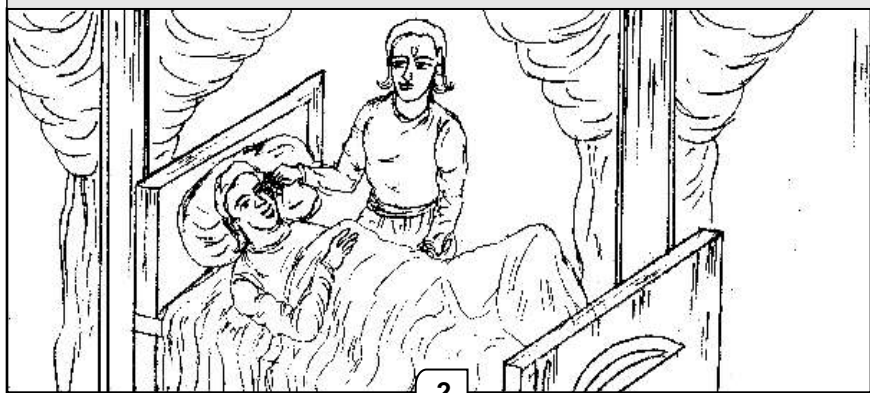


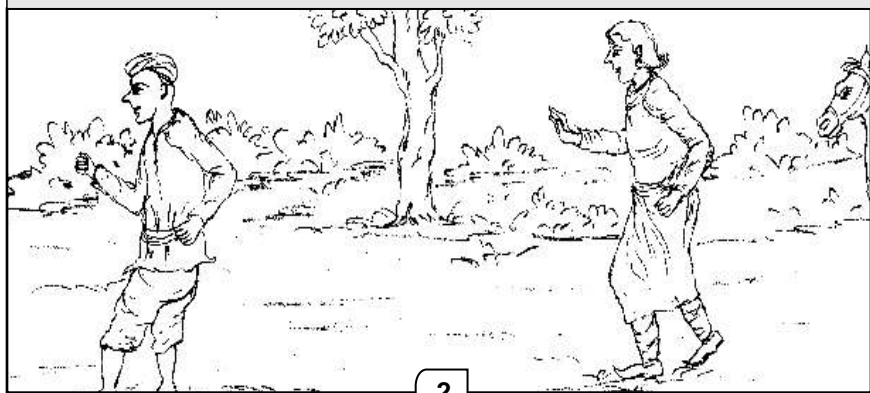


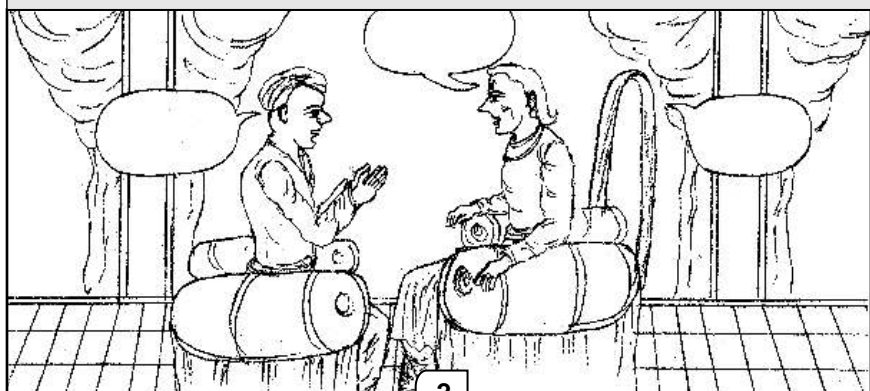
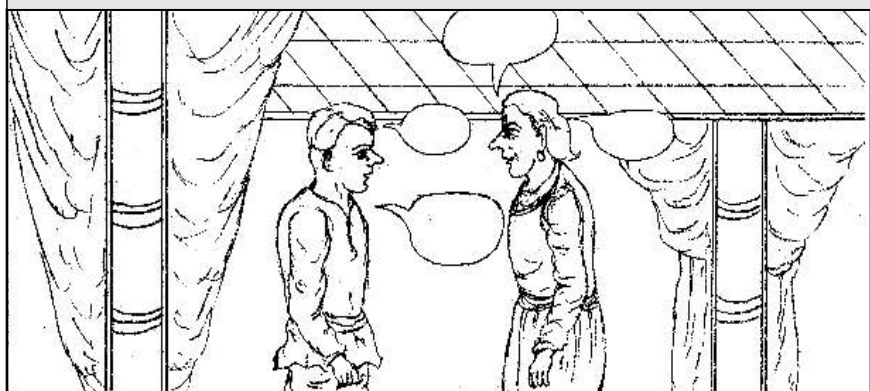


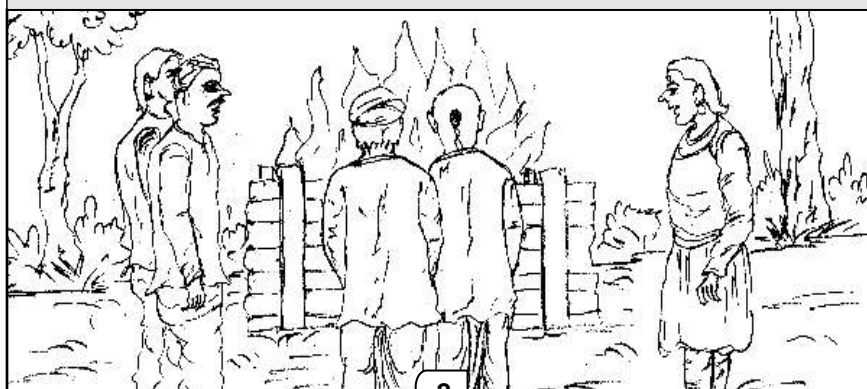
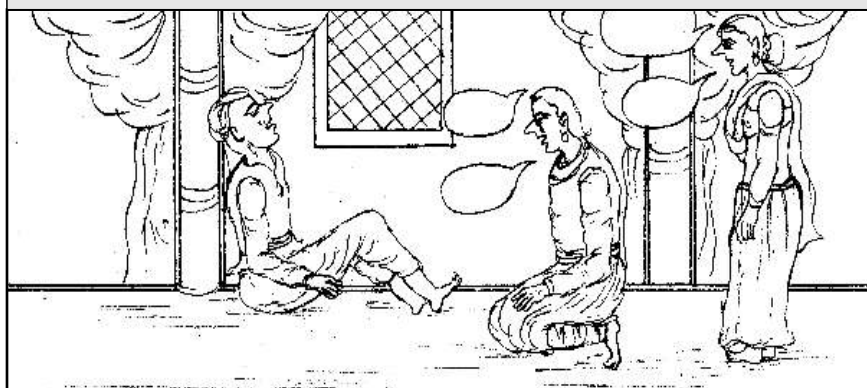




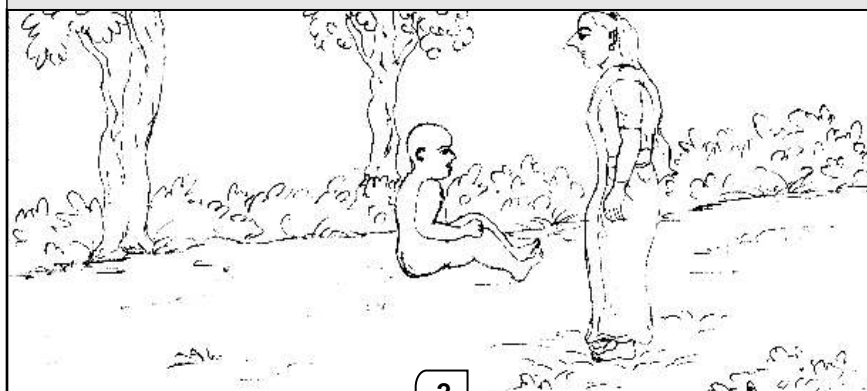
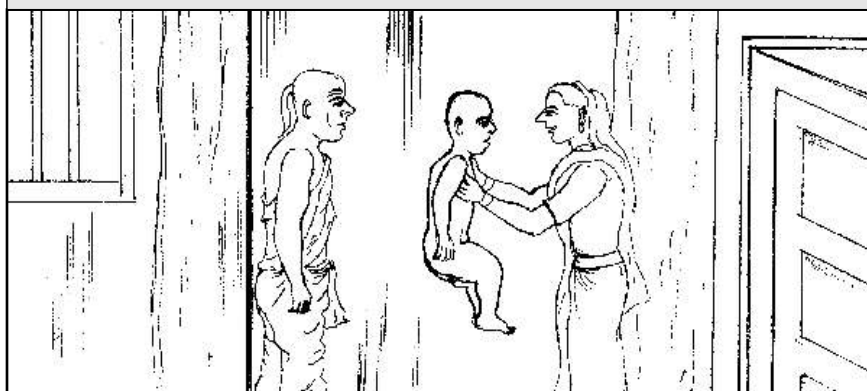




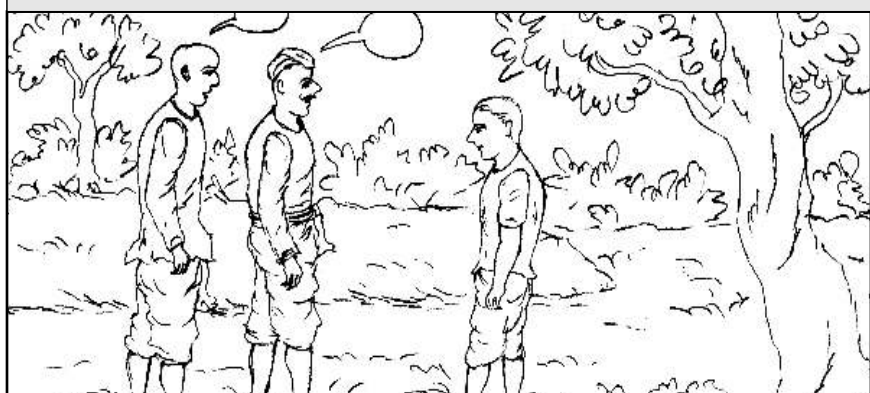


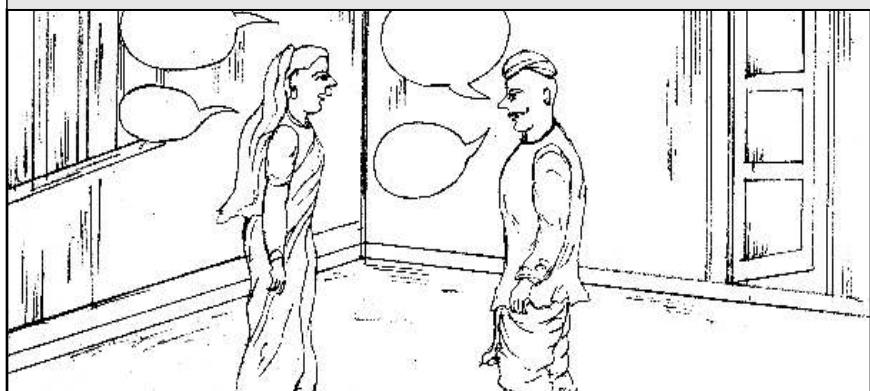
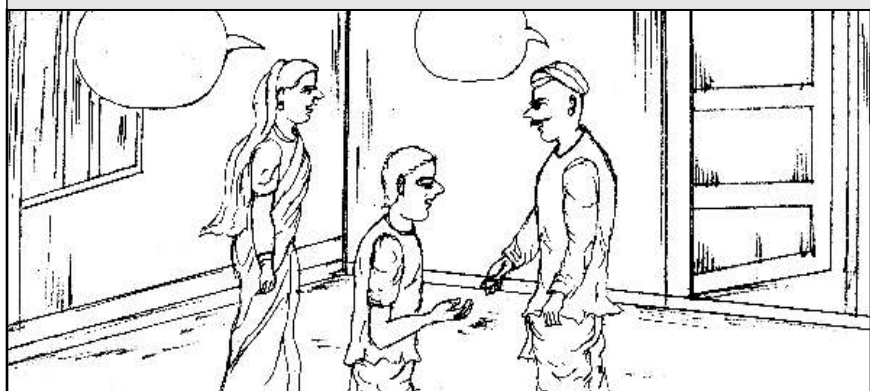


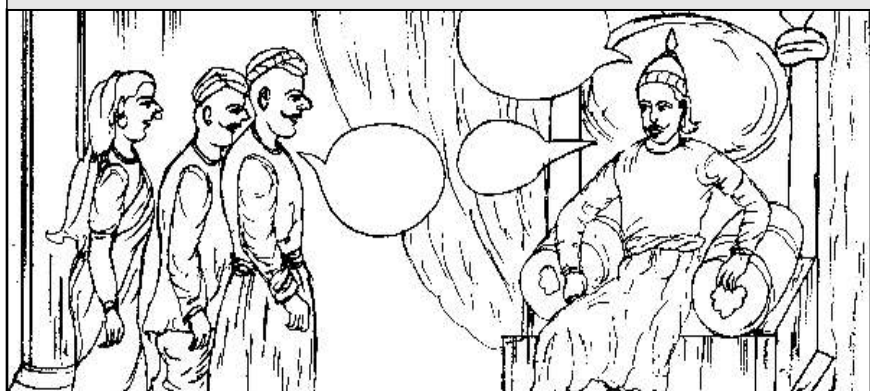
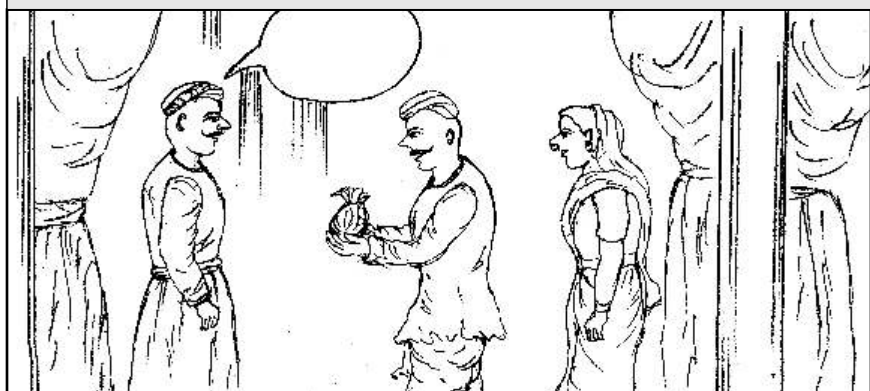
fi 'kud
dFkk







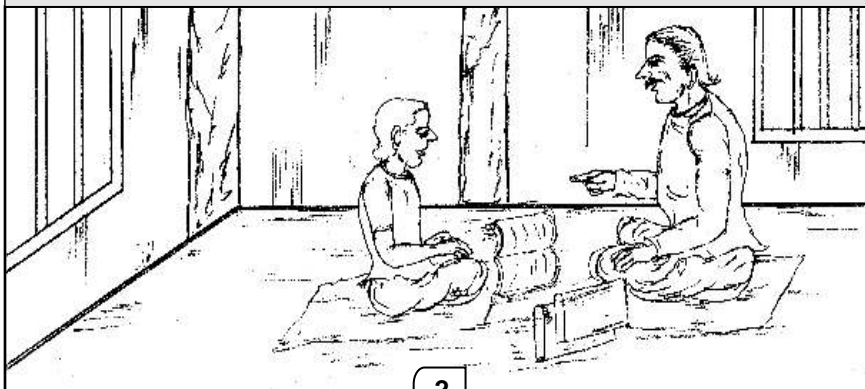
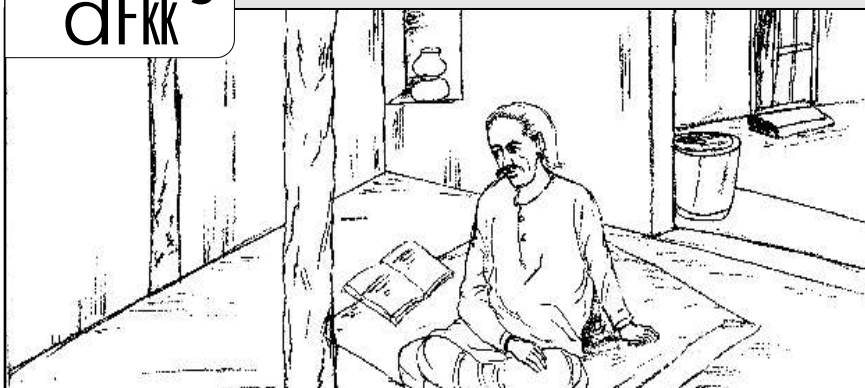


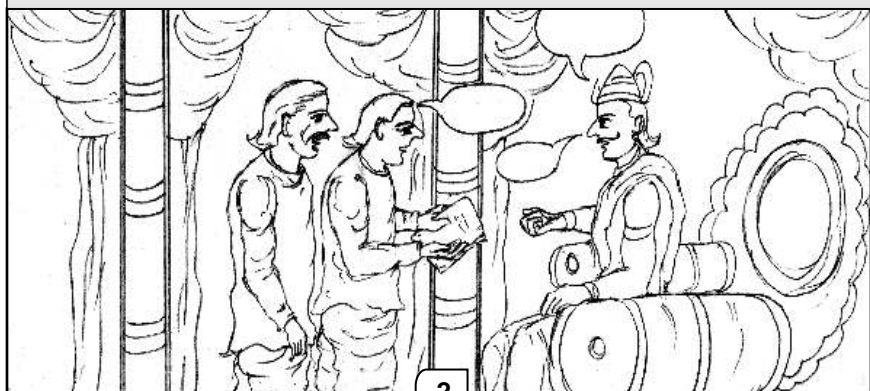
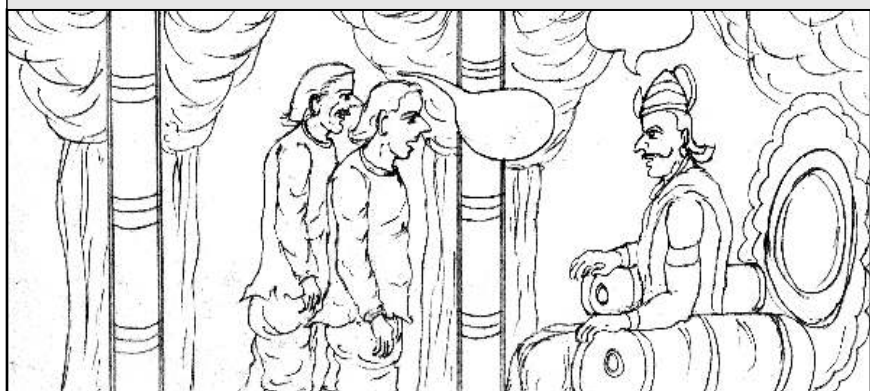


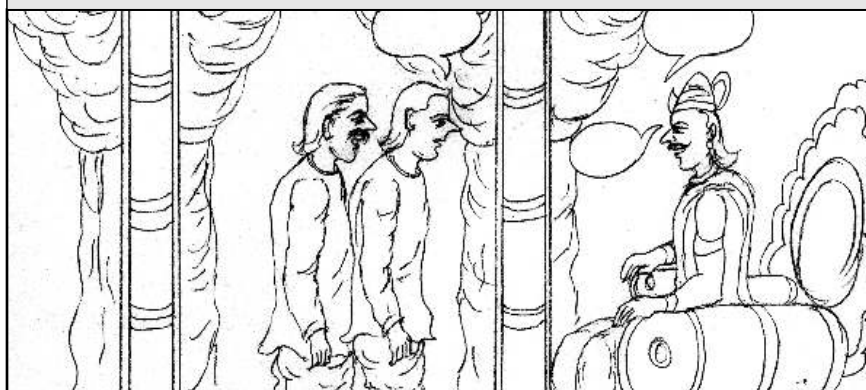


अबुद्धि कथा

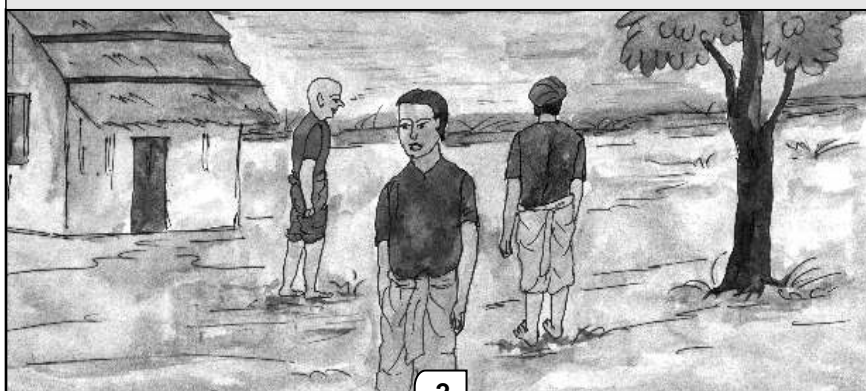
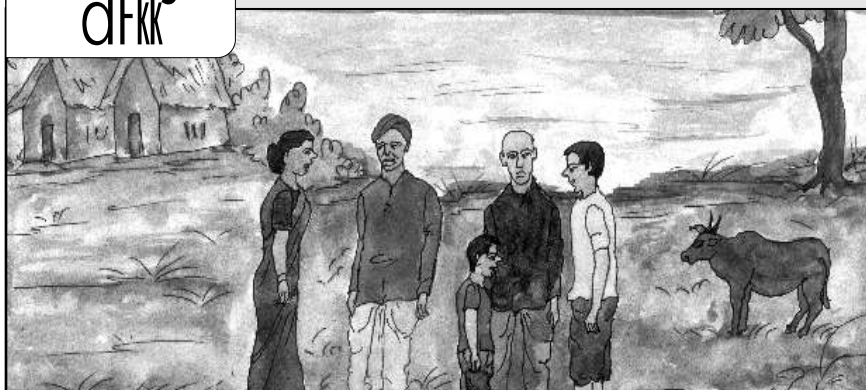


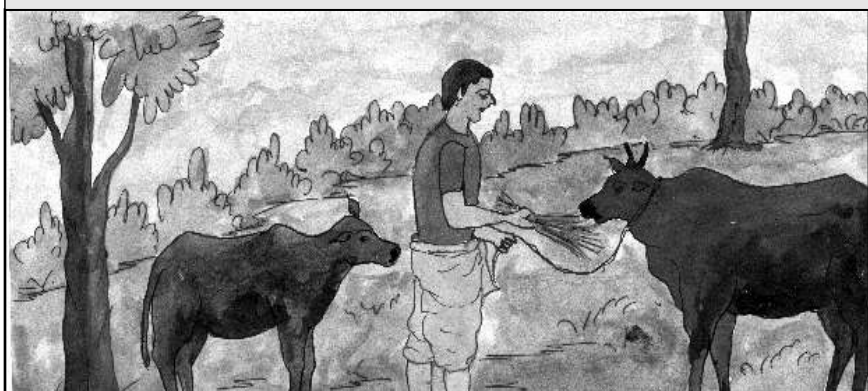


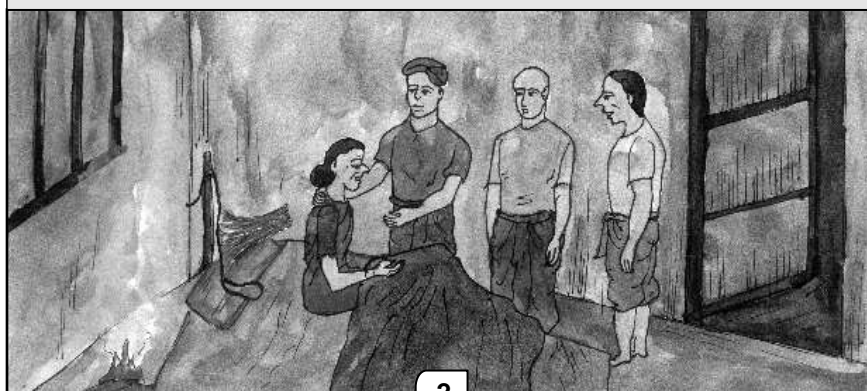




l d xccjd
dfkk



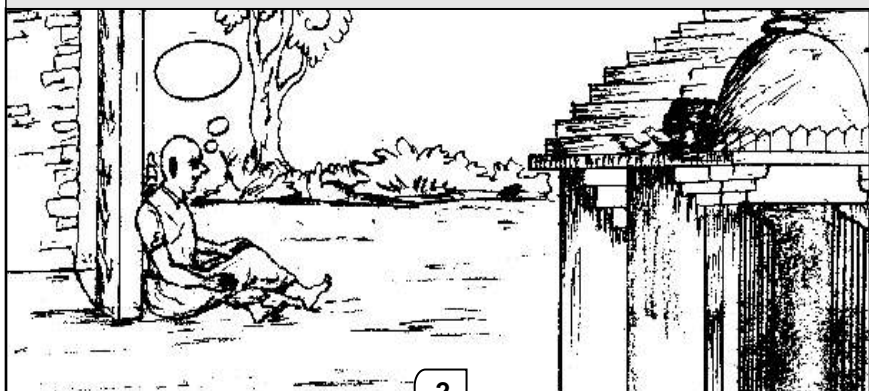
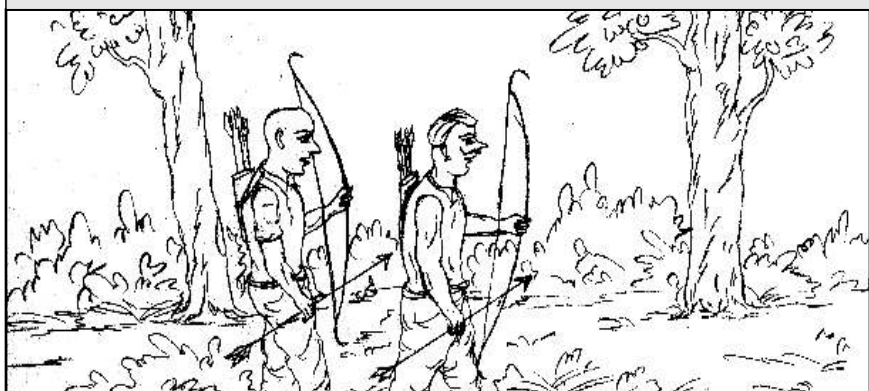


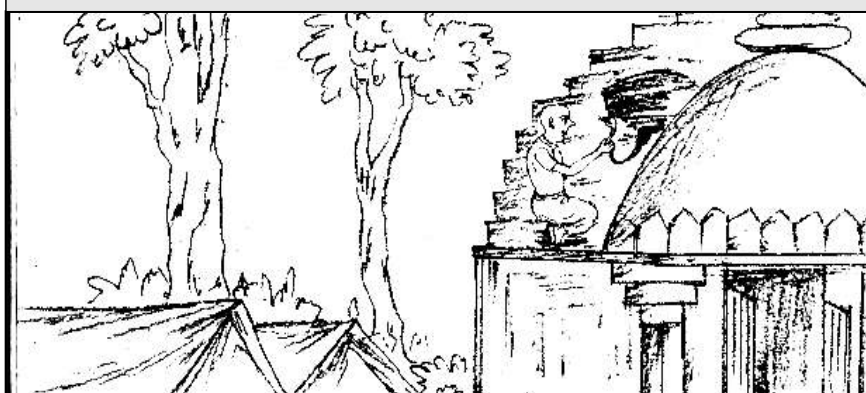
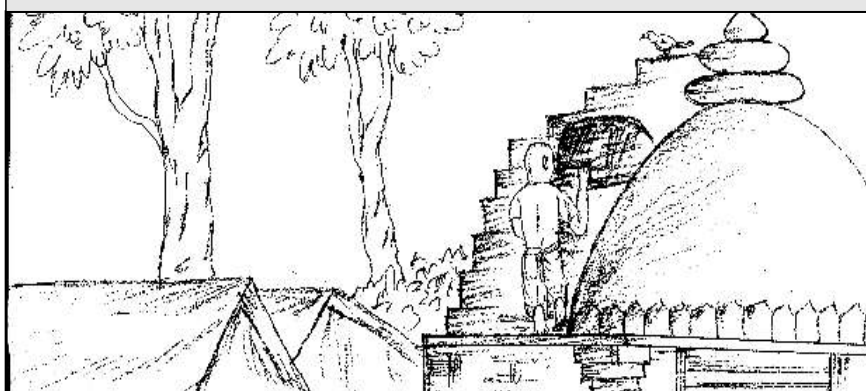


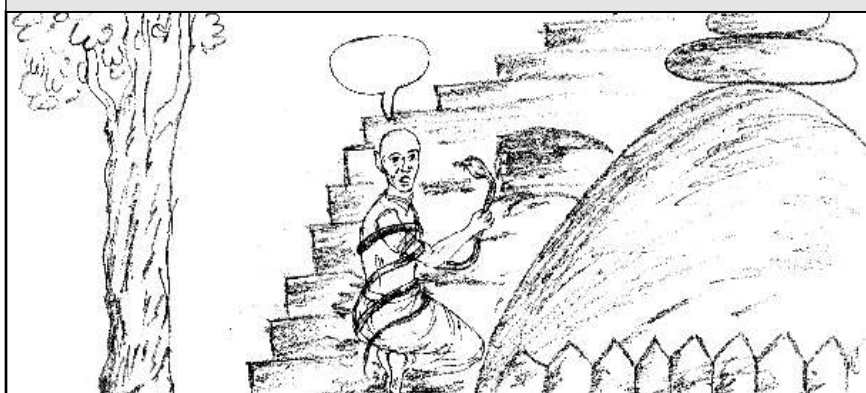
सविन्द कथा

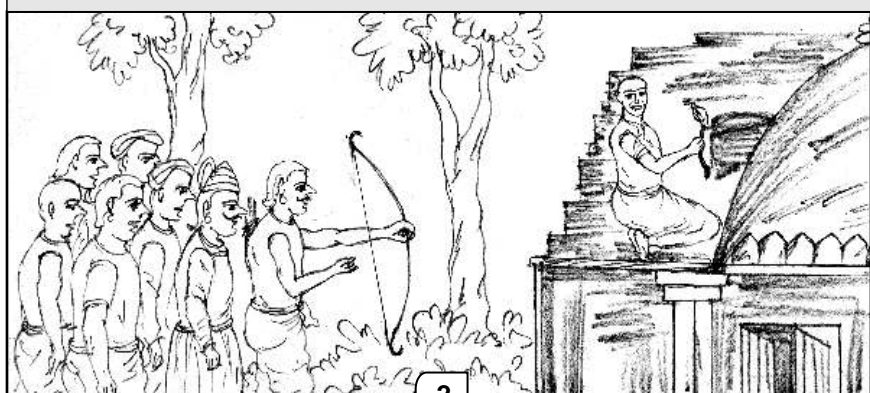
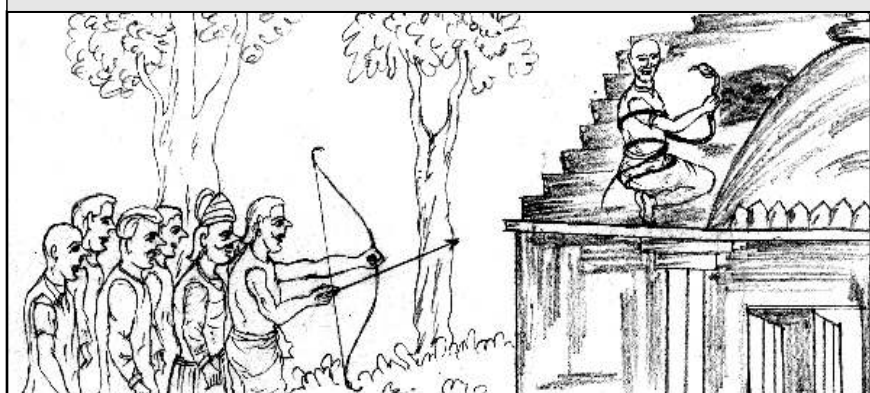
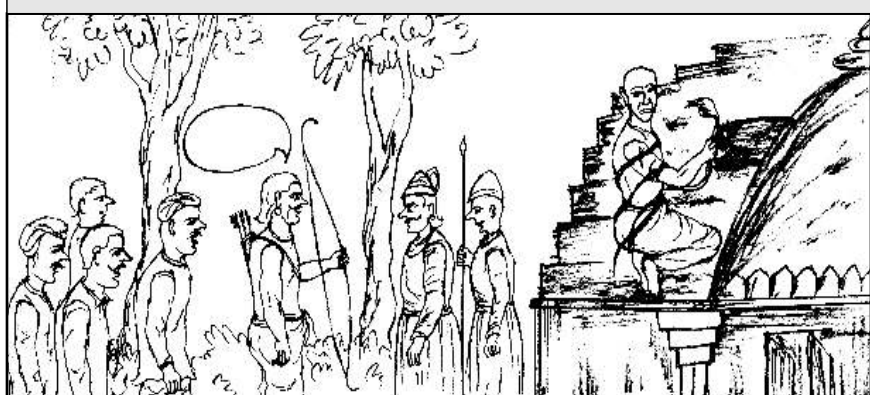


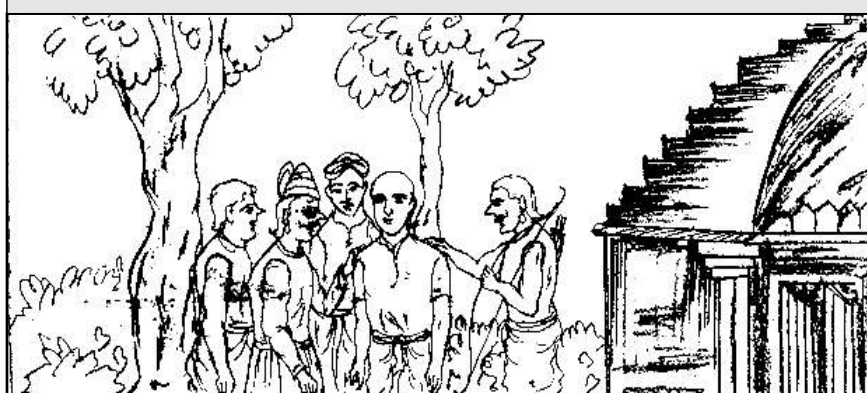
'kl=kfo | kj d
dFkk





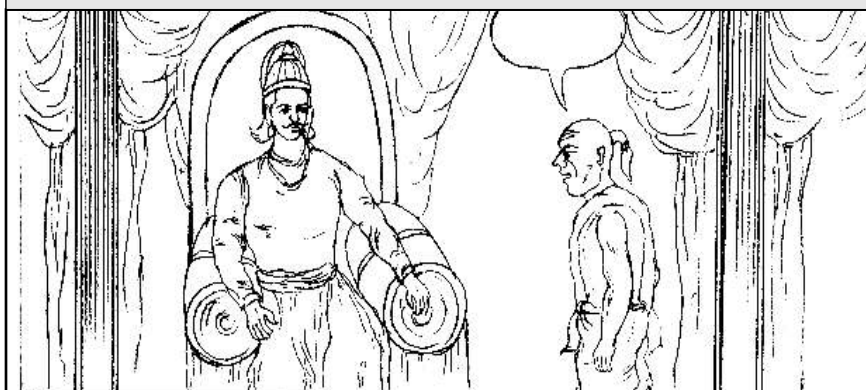


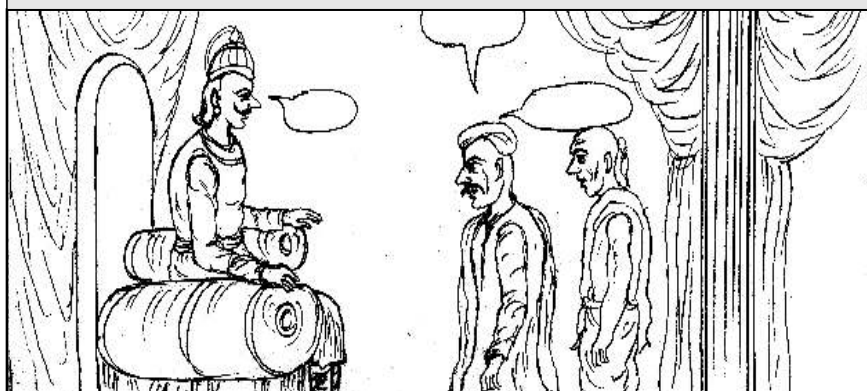


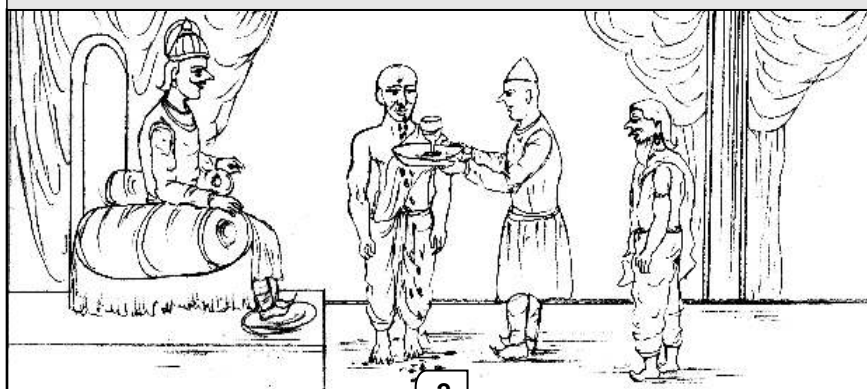
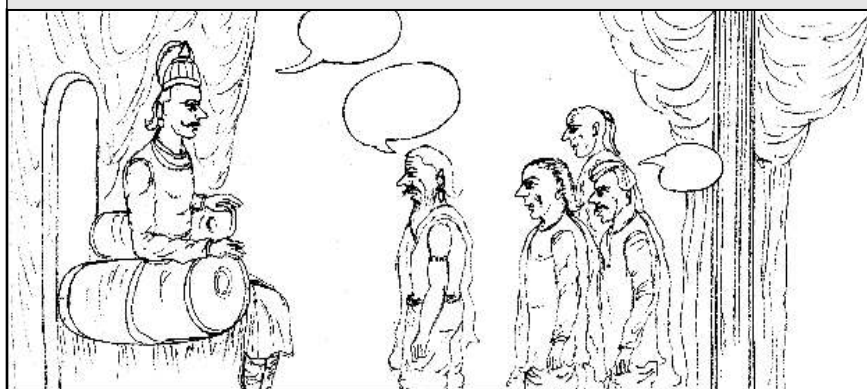


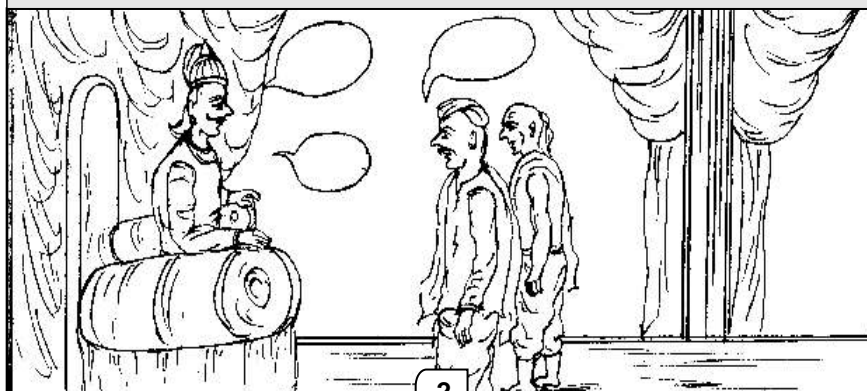
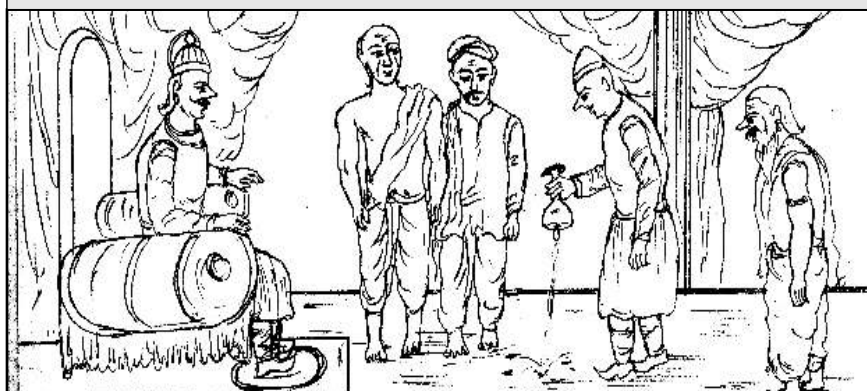
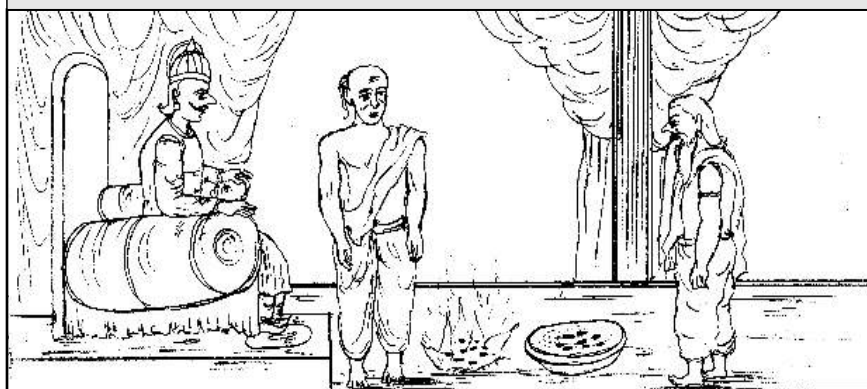
'kl=kfo | kj d
d fkk

ब्रह्मकीट का उपाय

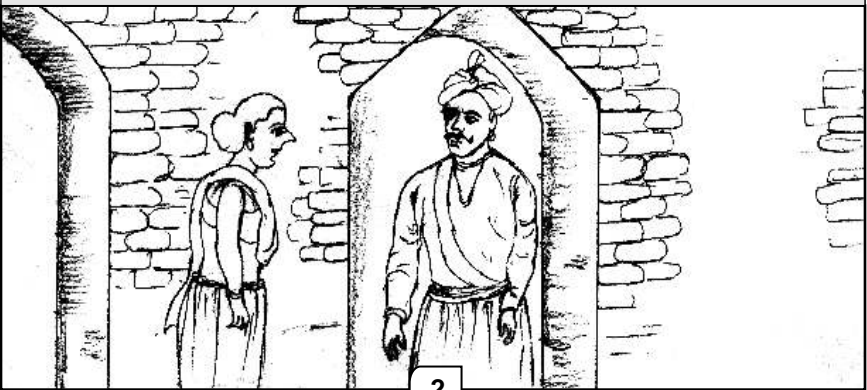
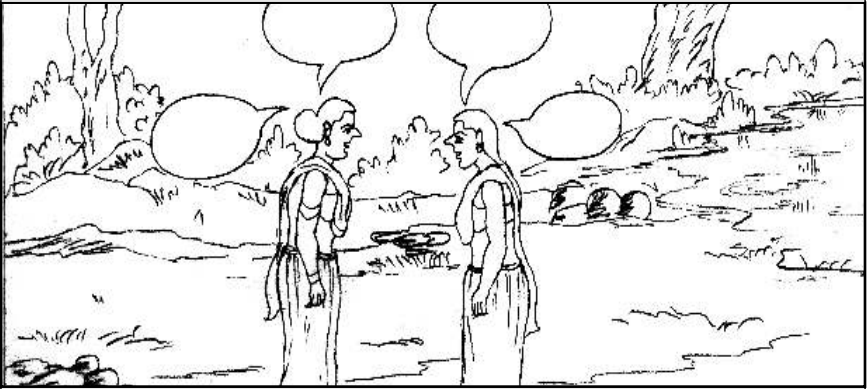


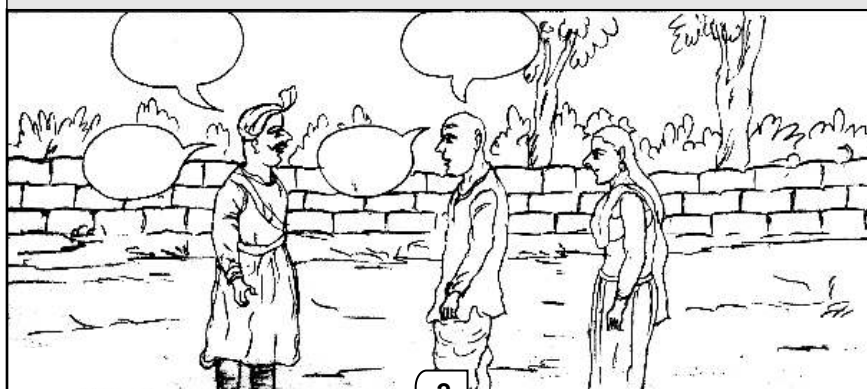


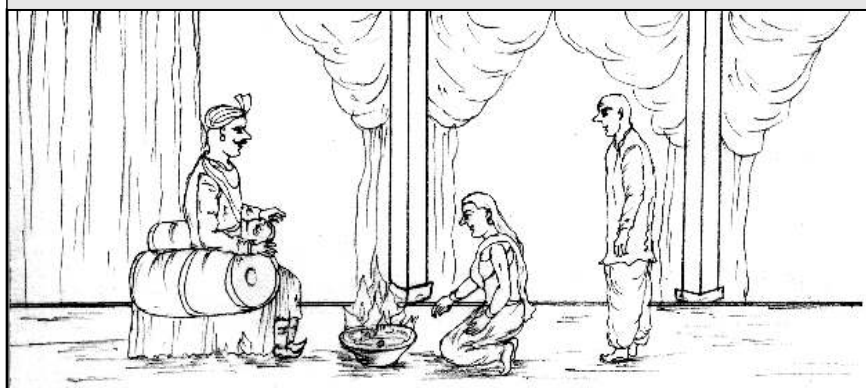
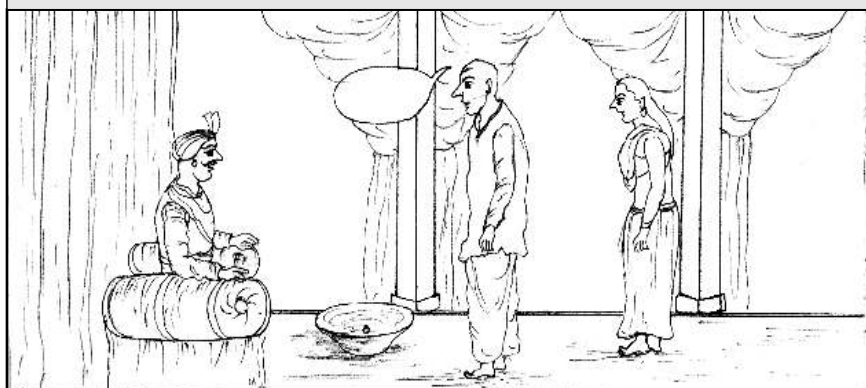




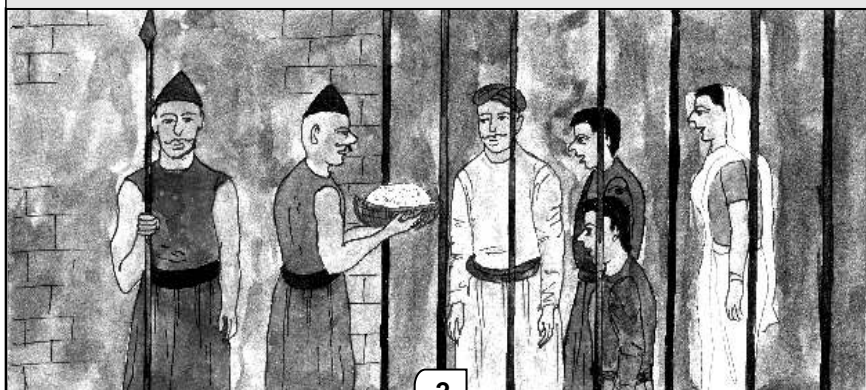
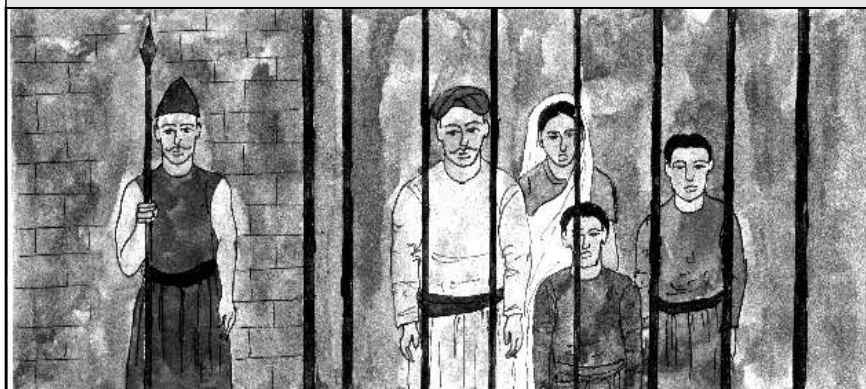
onfo | kd
dFkk

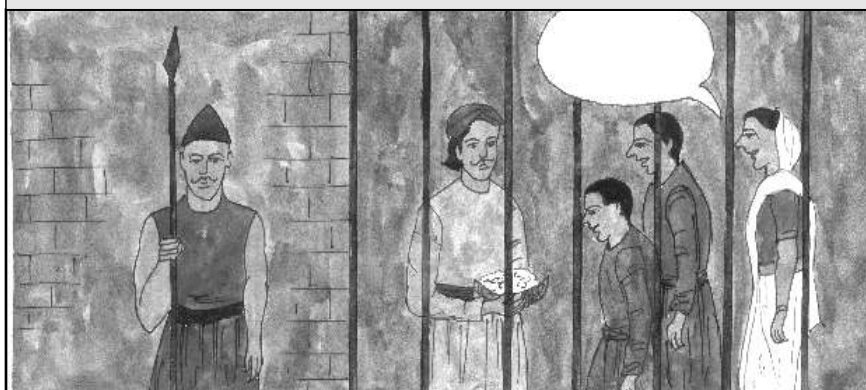






लोकविद्याक कथा

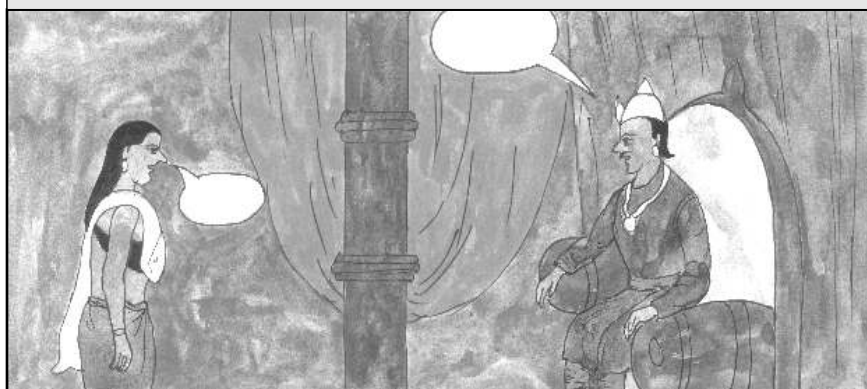


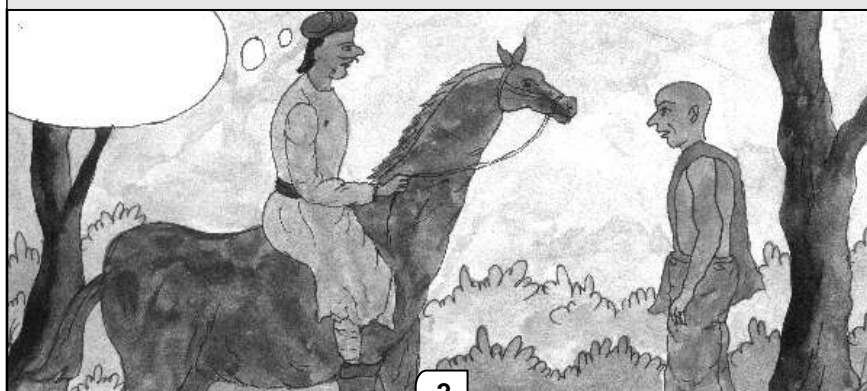
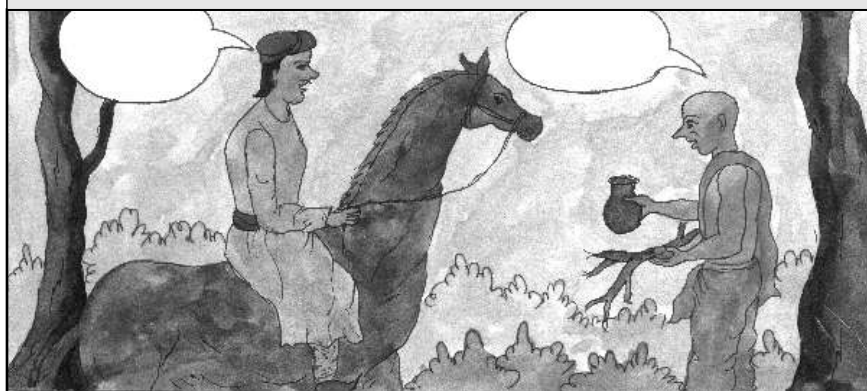
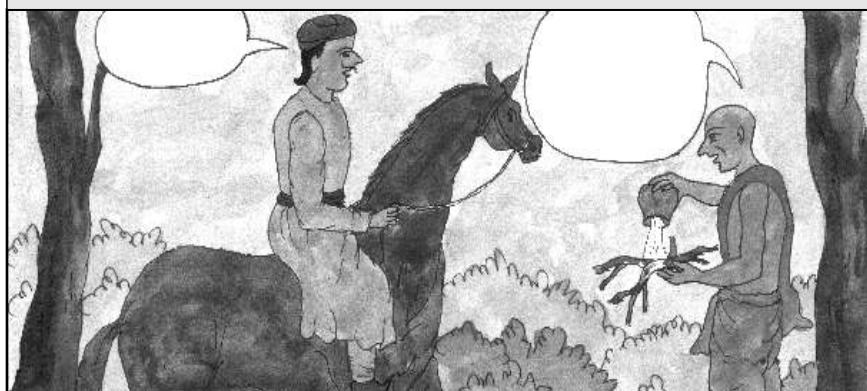


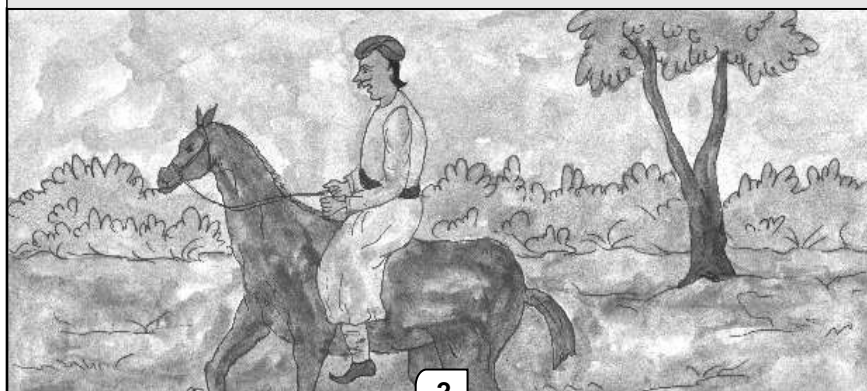
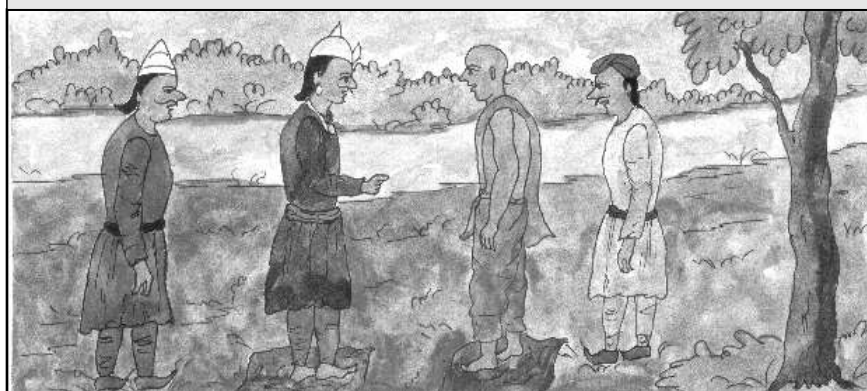
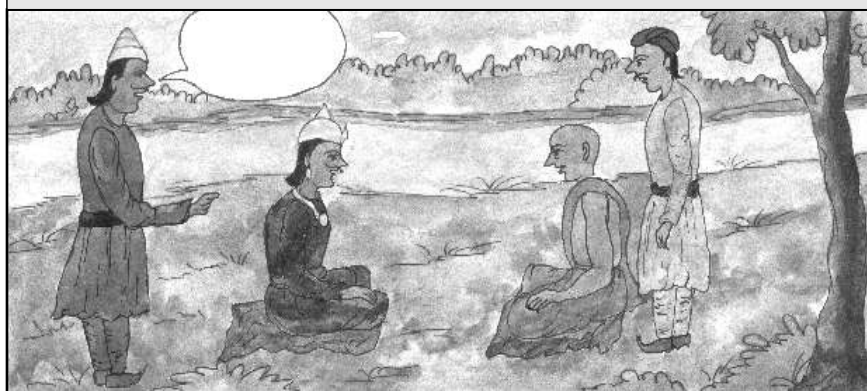




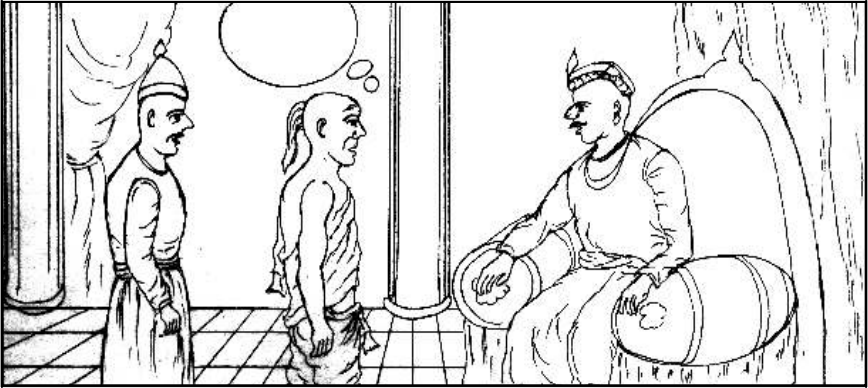


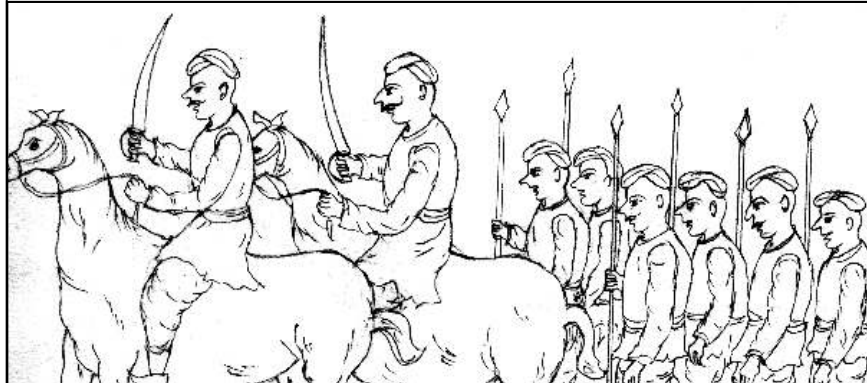
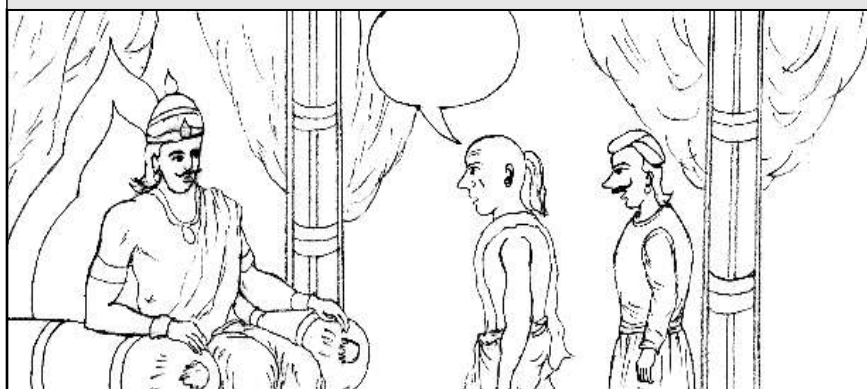


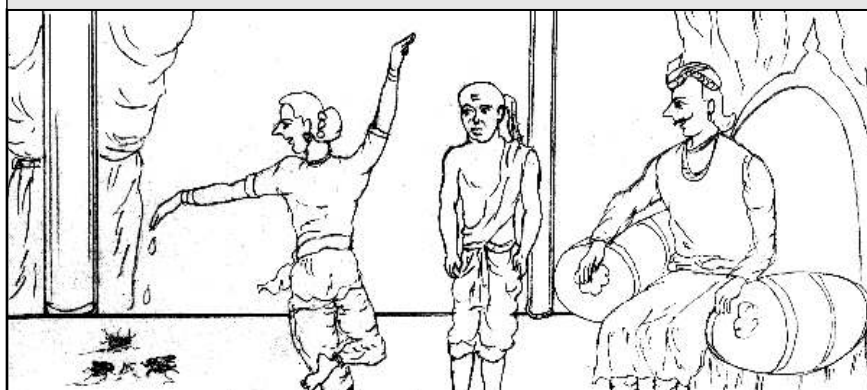
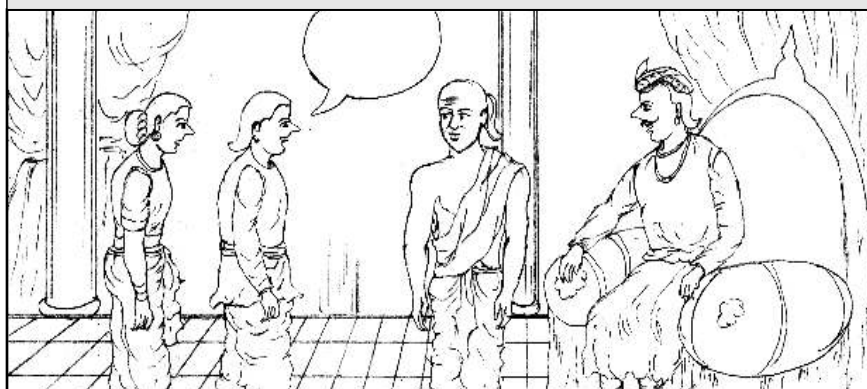


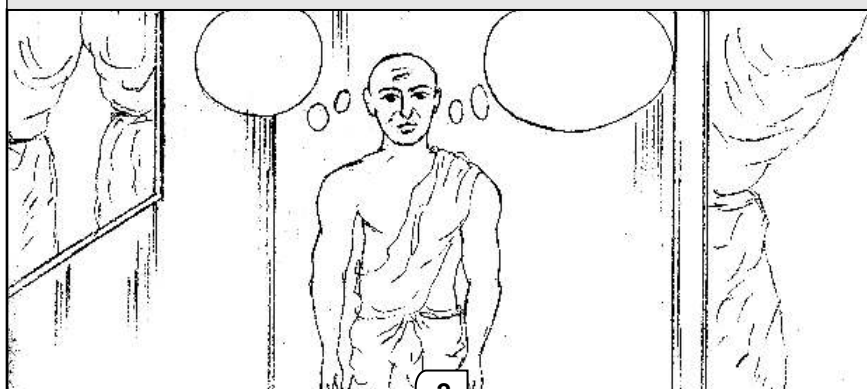
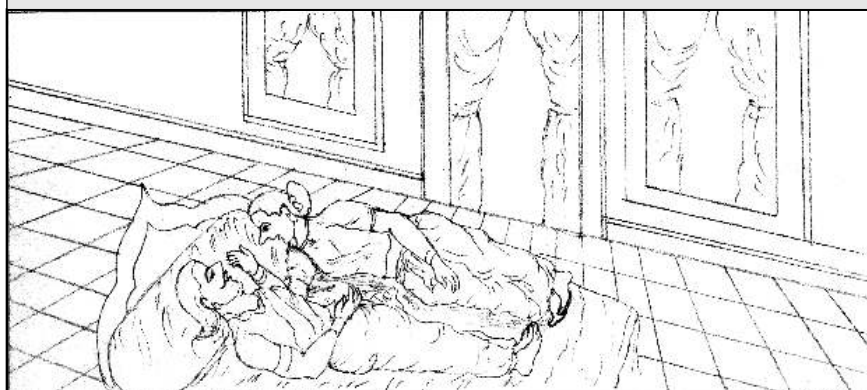
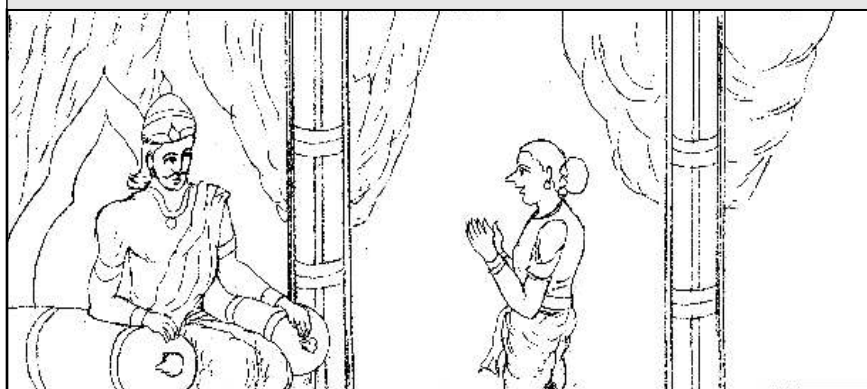


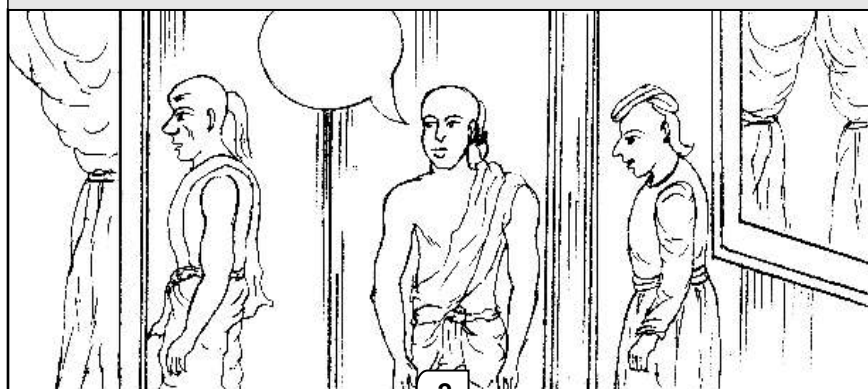
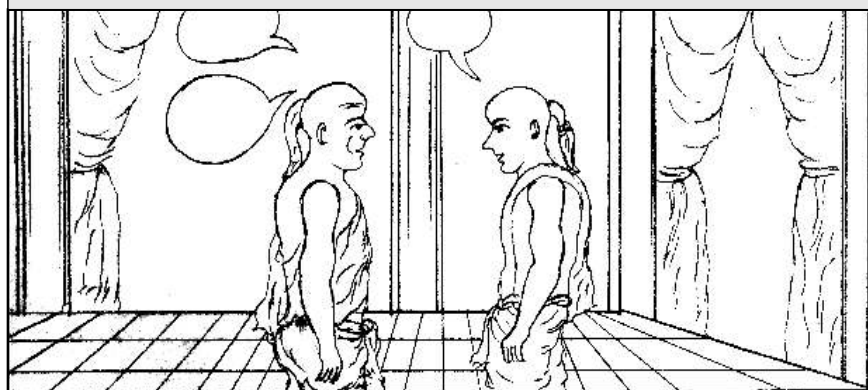
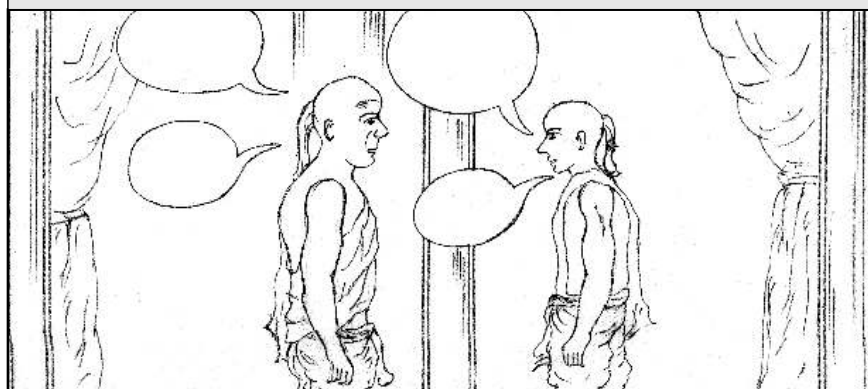
अभयविद्याक कथा

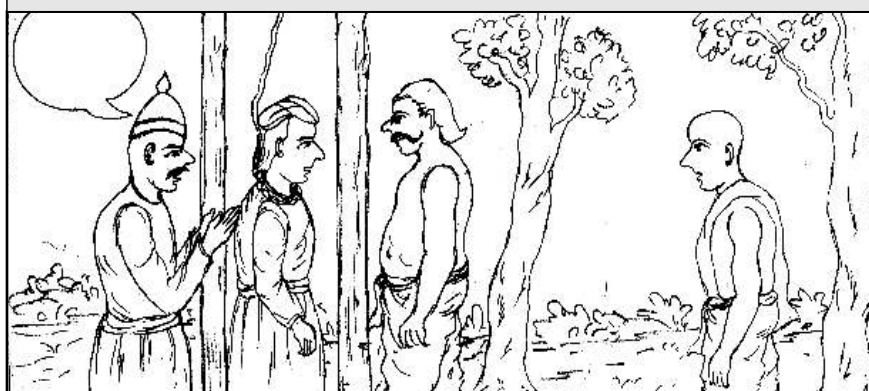




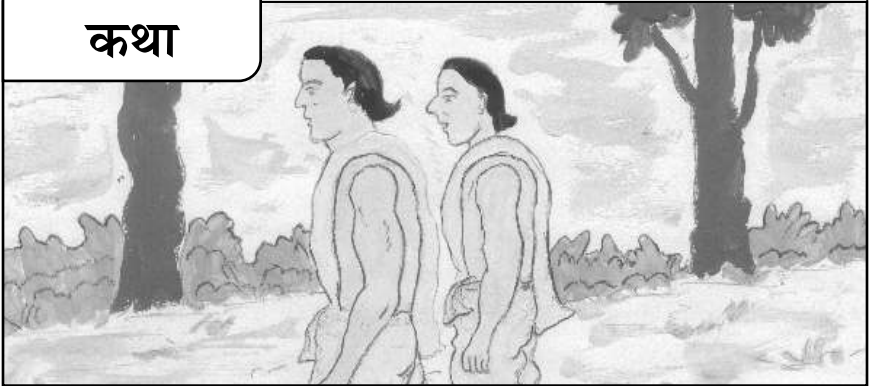








चित्रविद्याक कथा



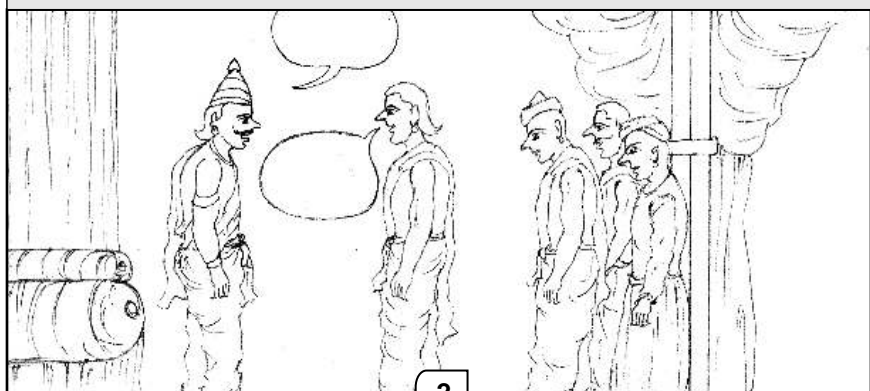
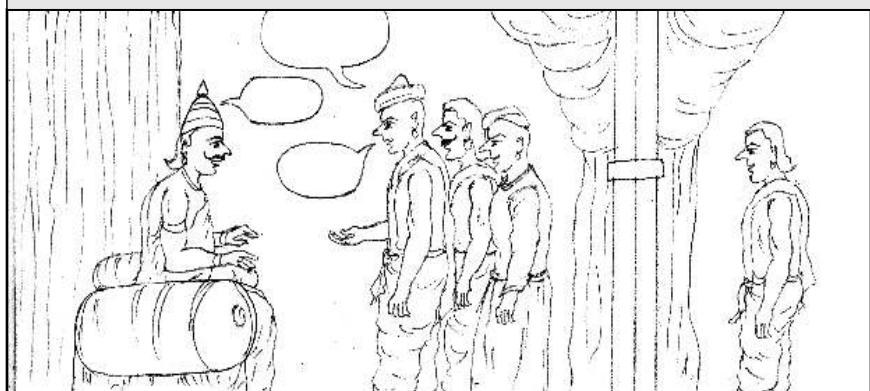


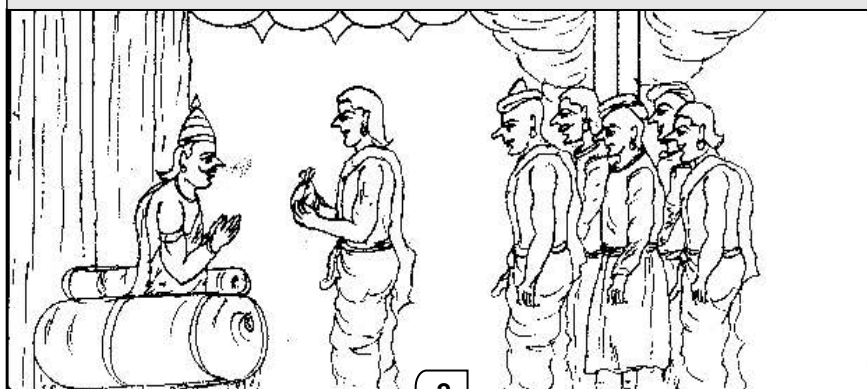
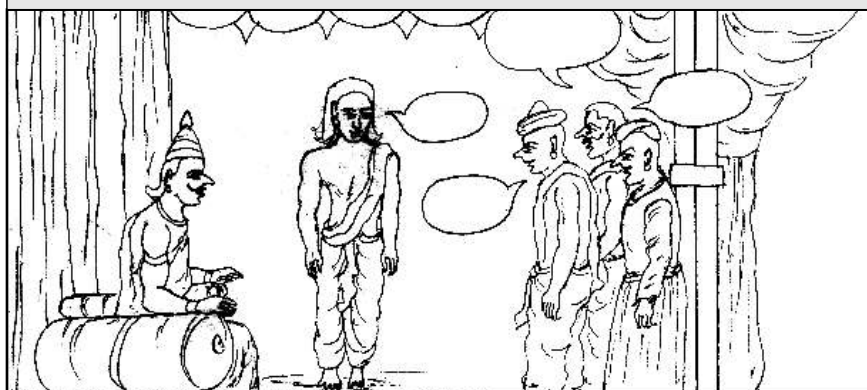
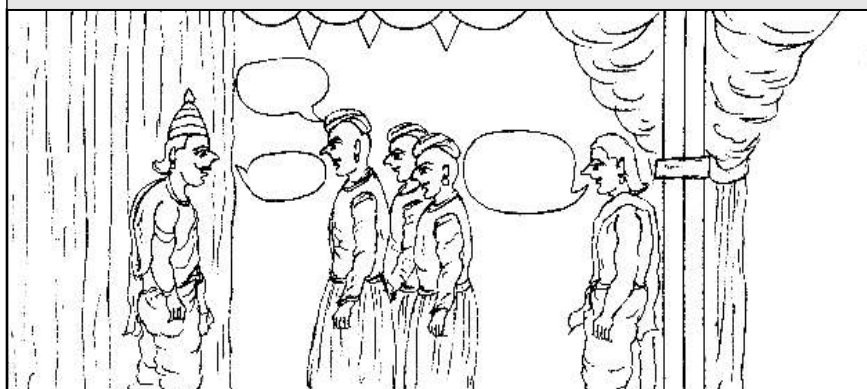




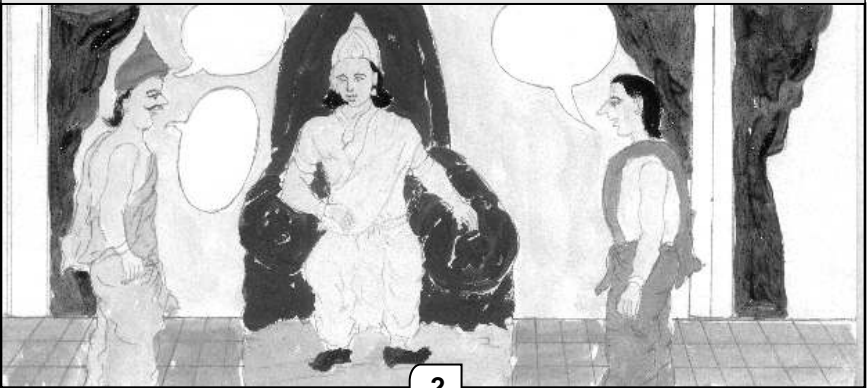
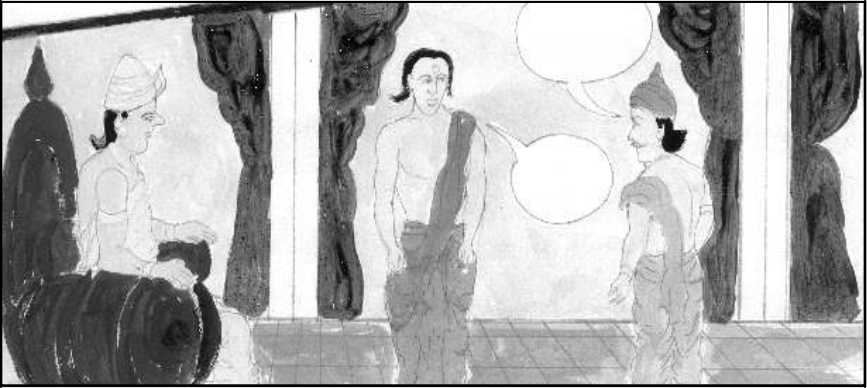
गीतविद्याक कथा

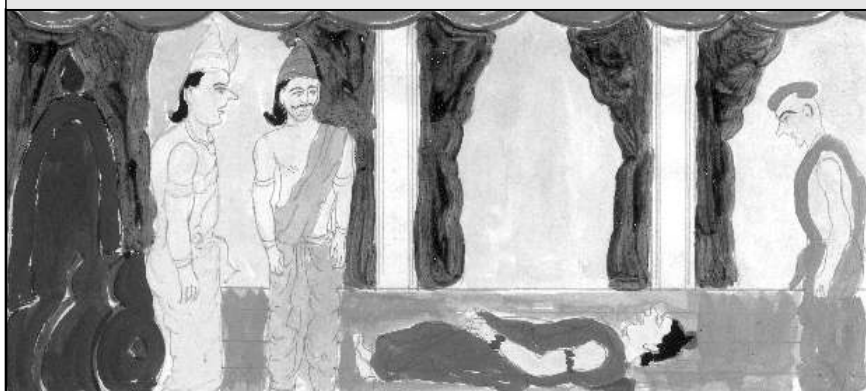
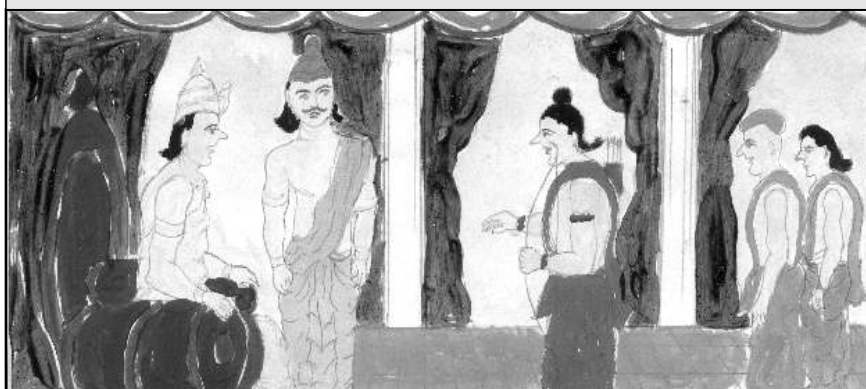




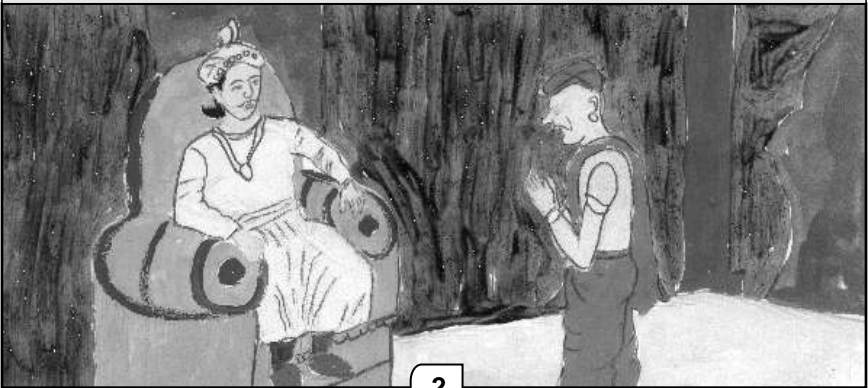


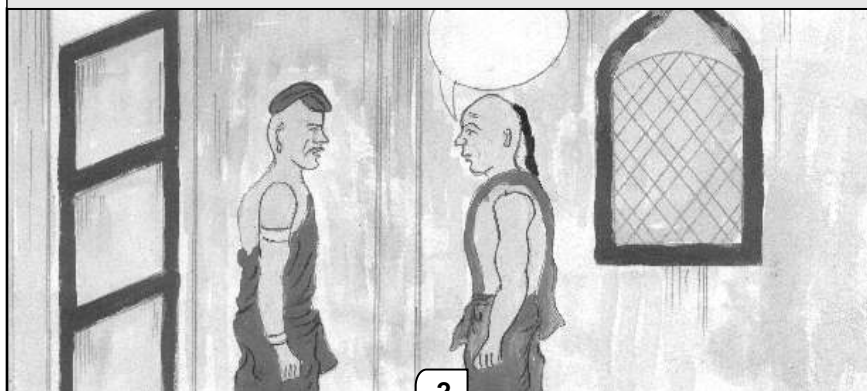
नृत्यविद्याक कथा

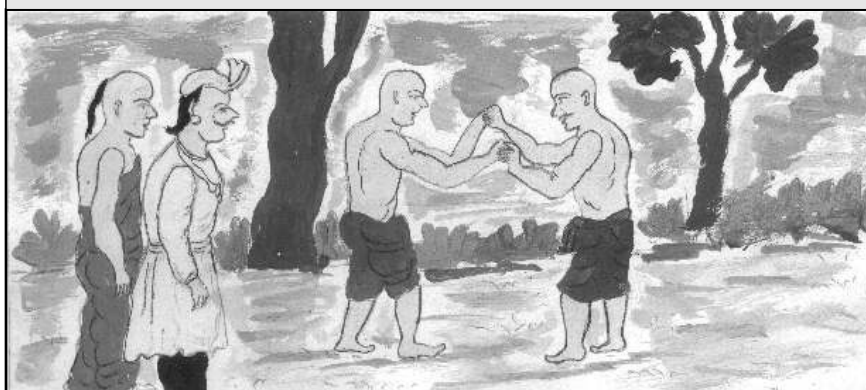
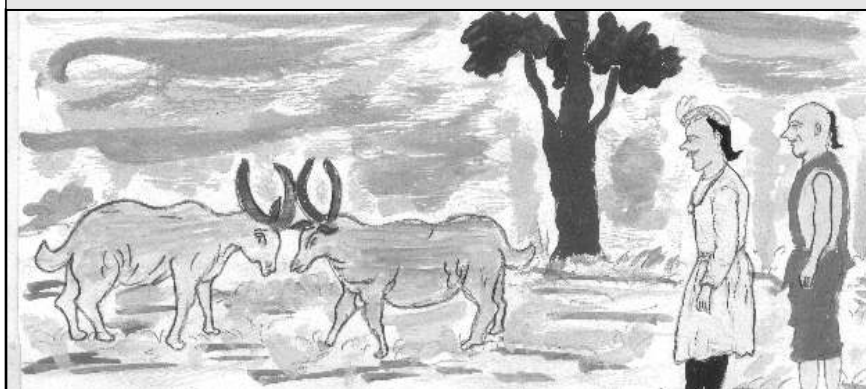


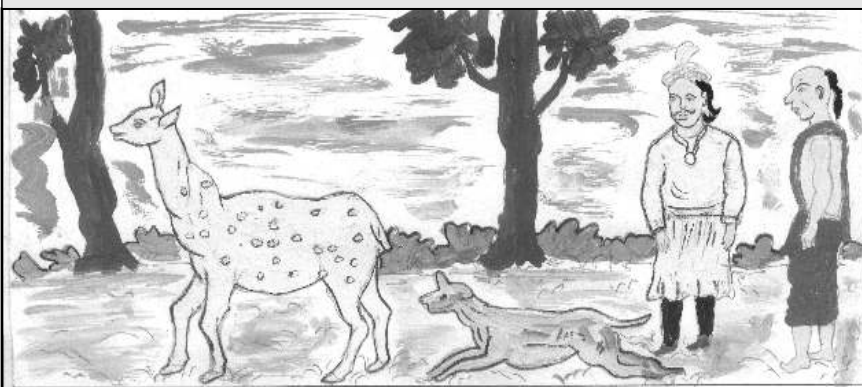


इंद्रजालविद्याक
कथा

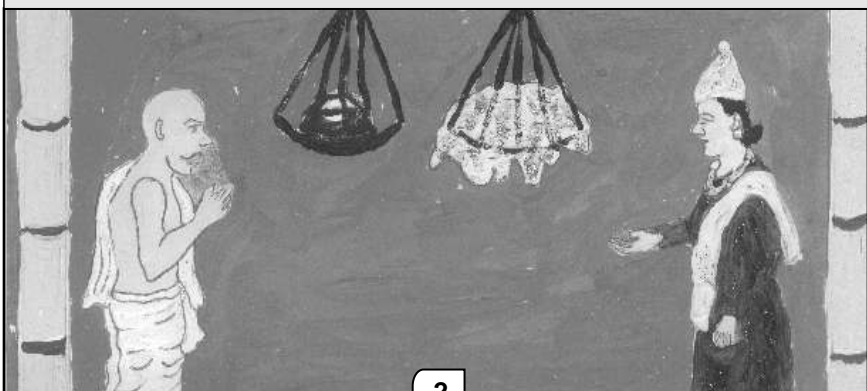






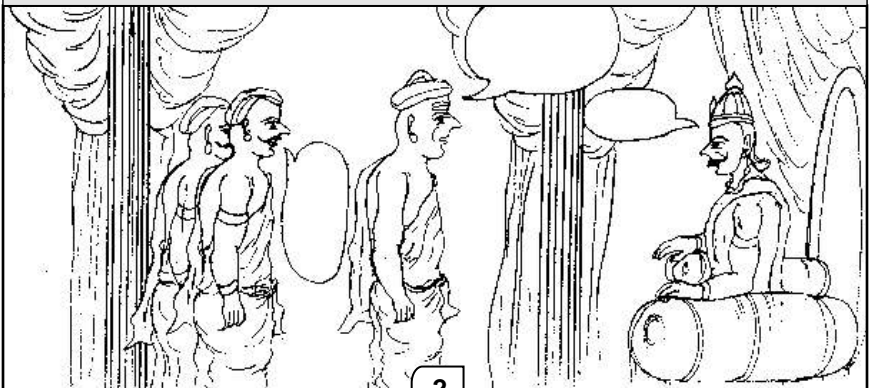
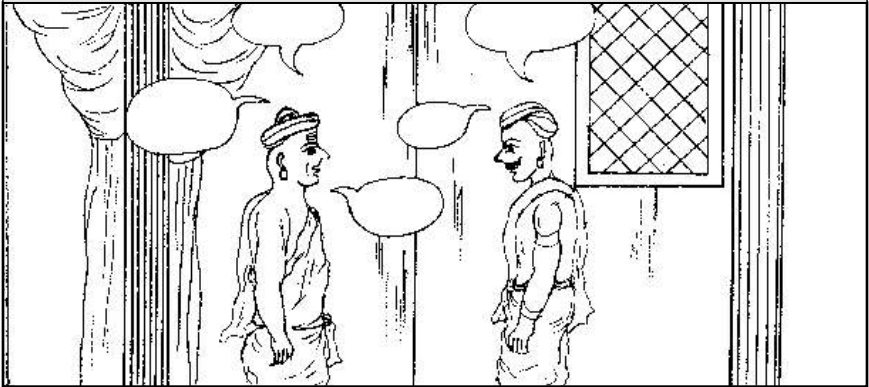


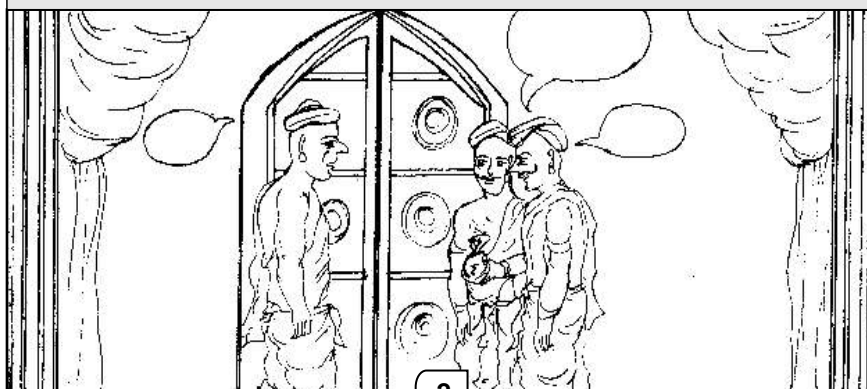
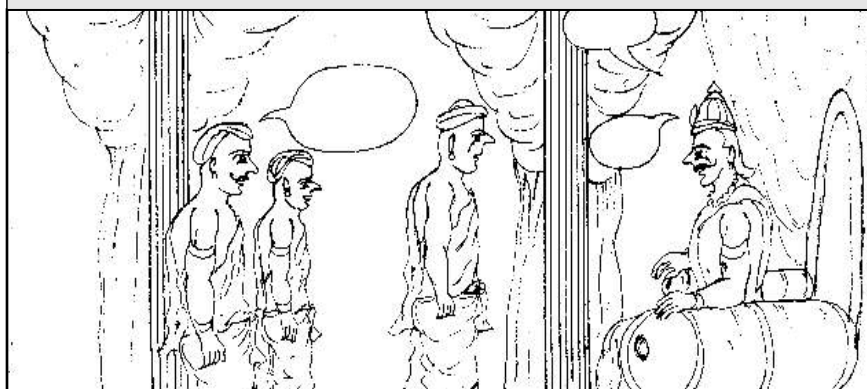
पुजितविद्याक कथा



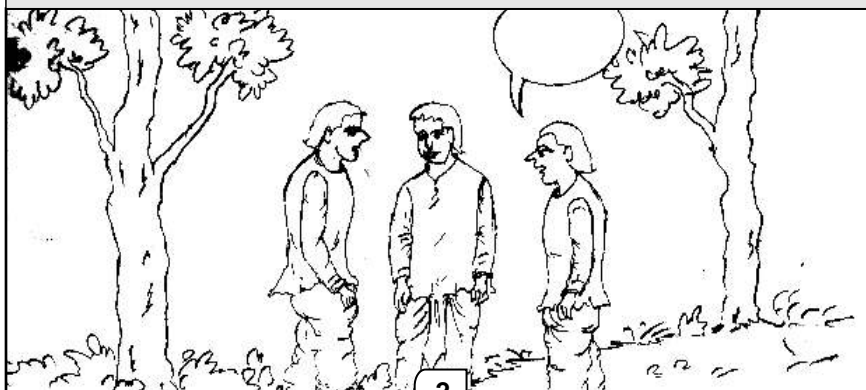
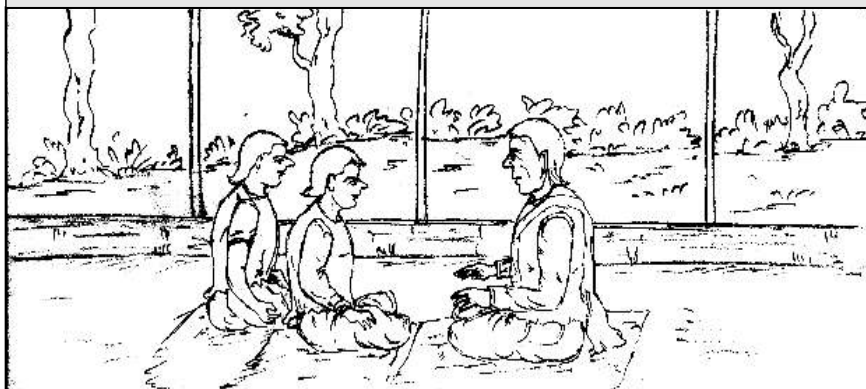
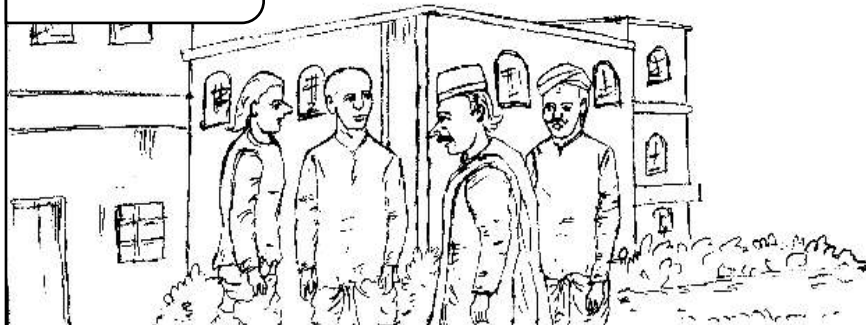


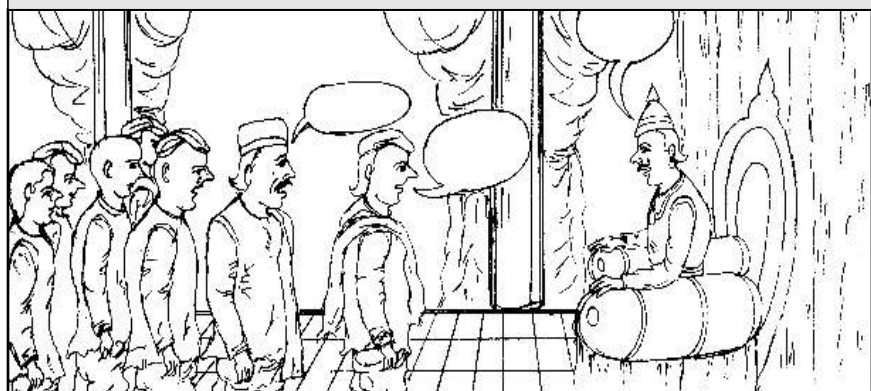
अवसनविद्याक
कथा





अविद्याक कथा





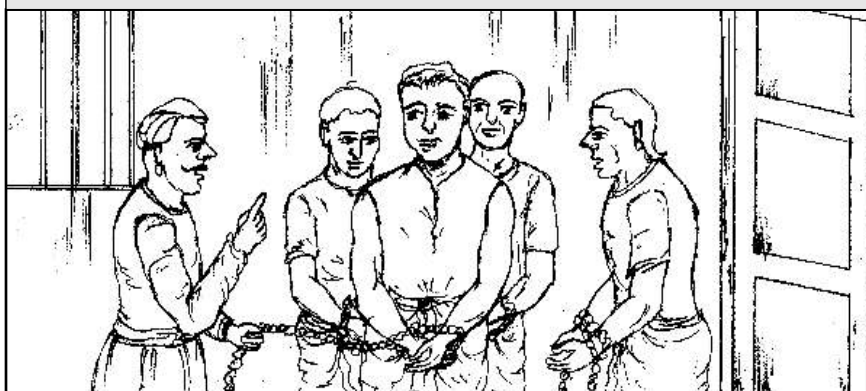
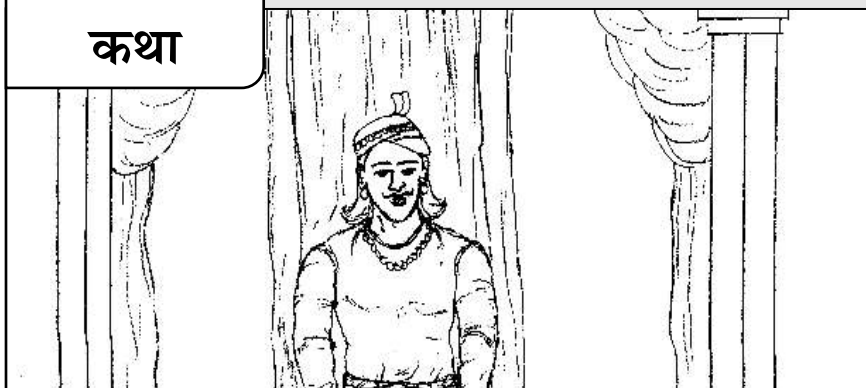
खण्डितविद्याक
कथा

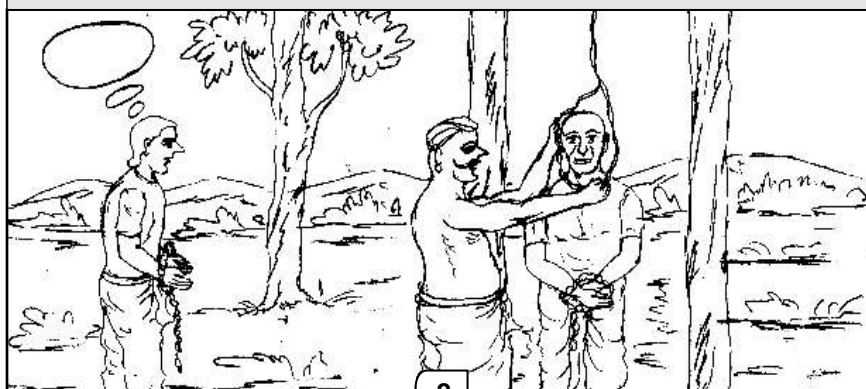
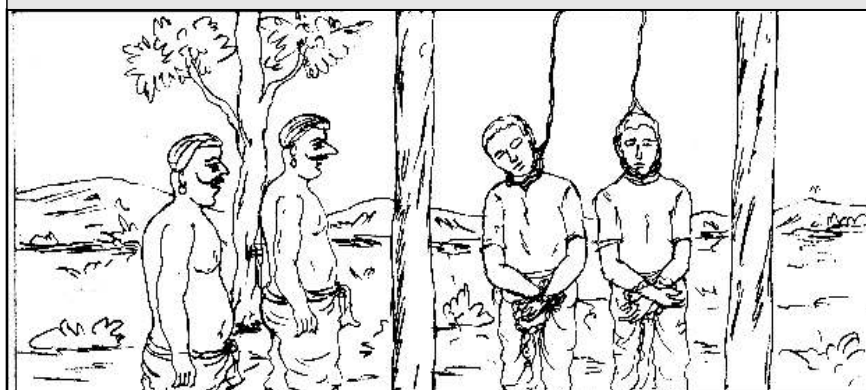


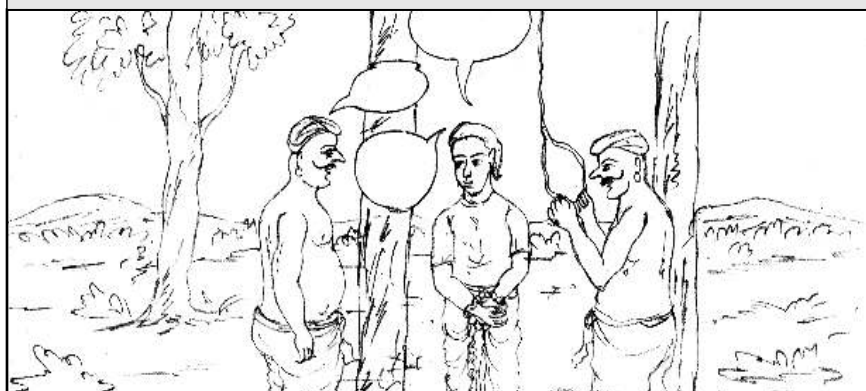


हास्यविद्याक कथा

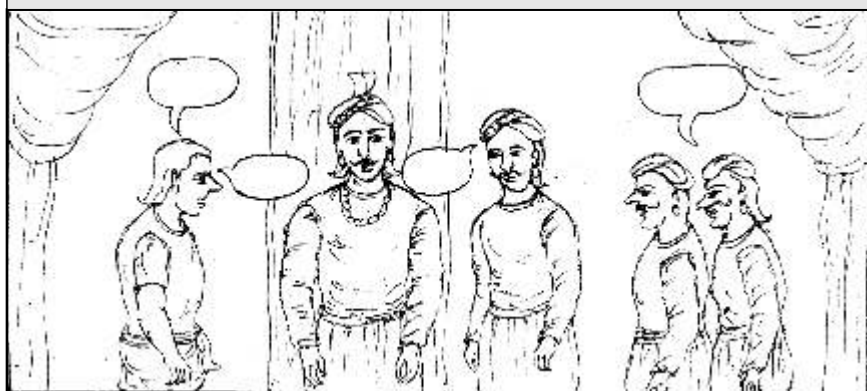
चोर और सोने की खेती





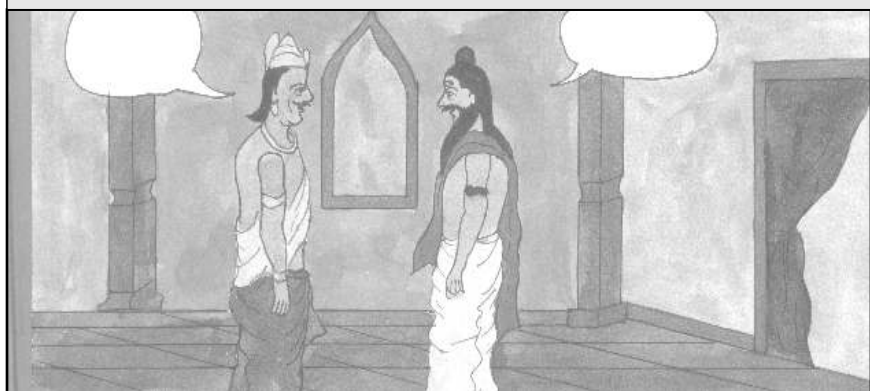






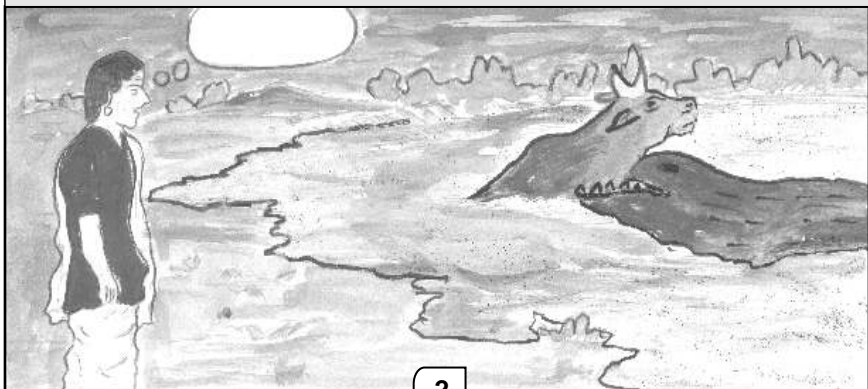


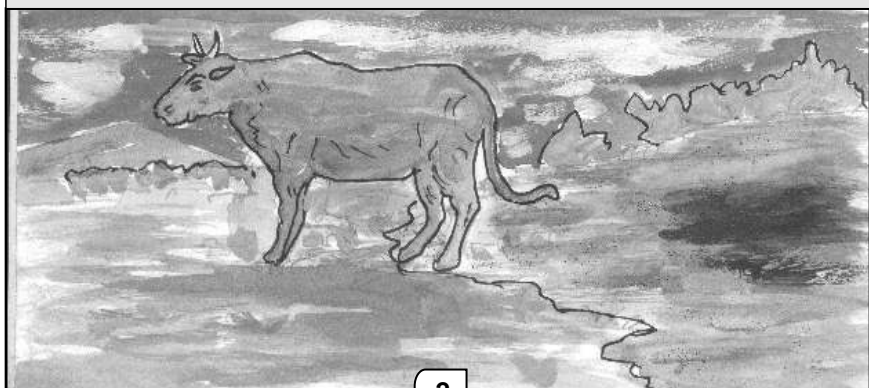
पुरुषार्थ कथा



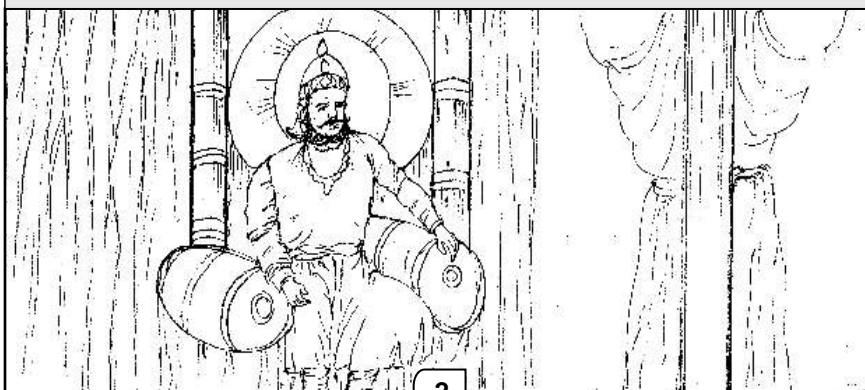
तात्त्विक कथा

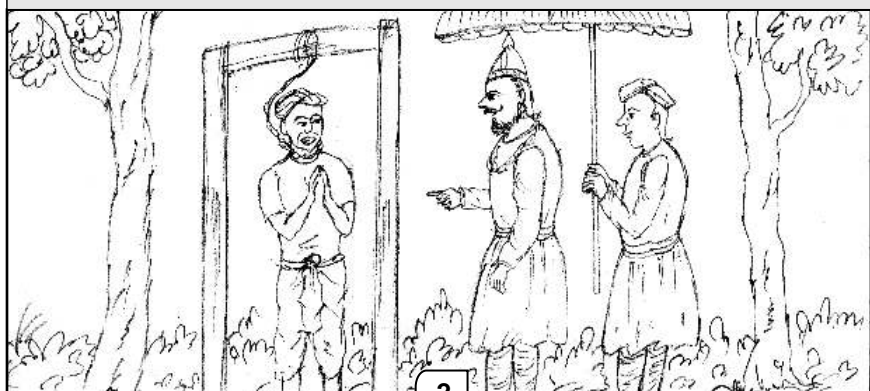
तामसक
कथा

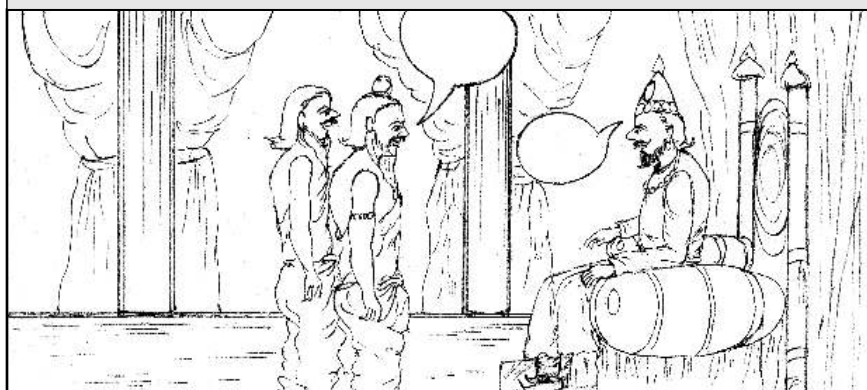


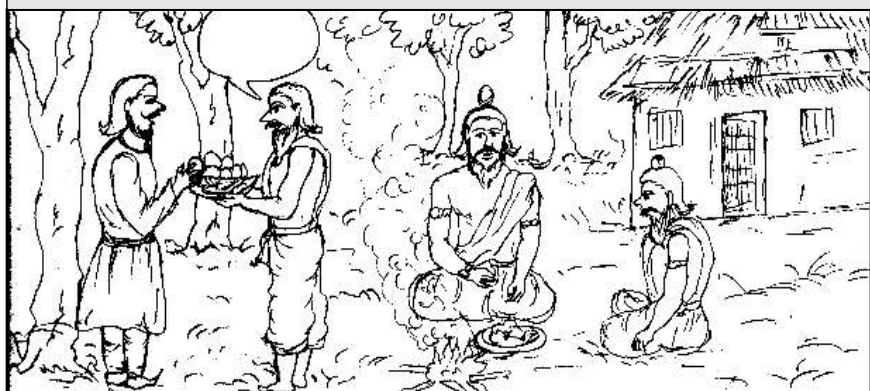


अनुशयीक कथा



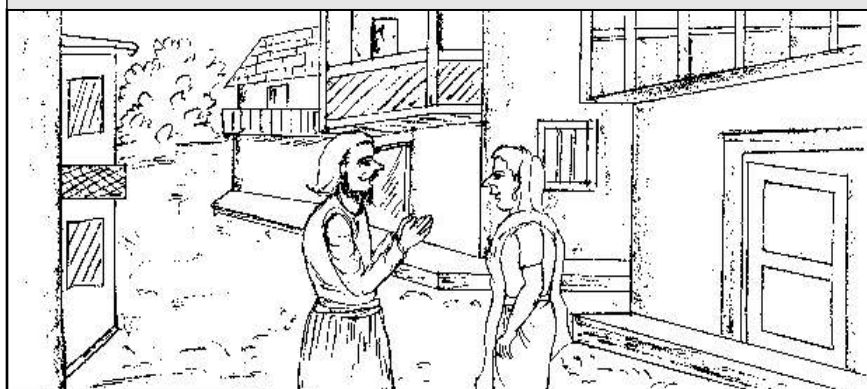








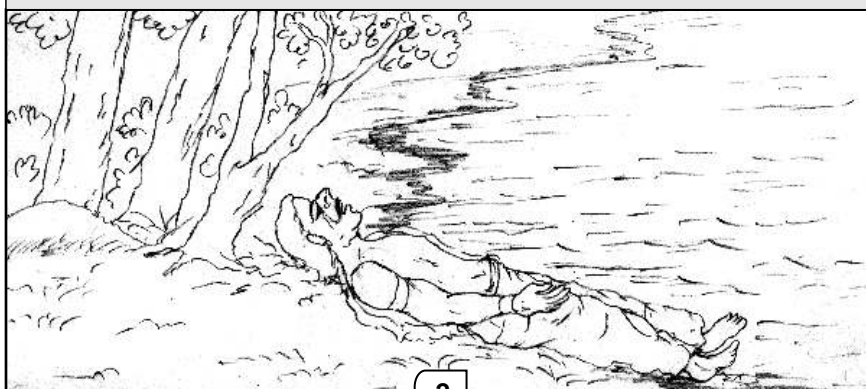
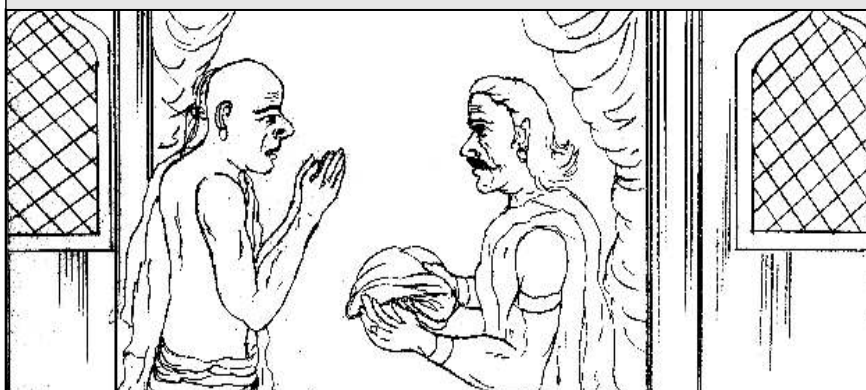




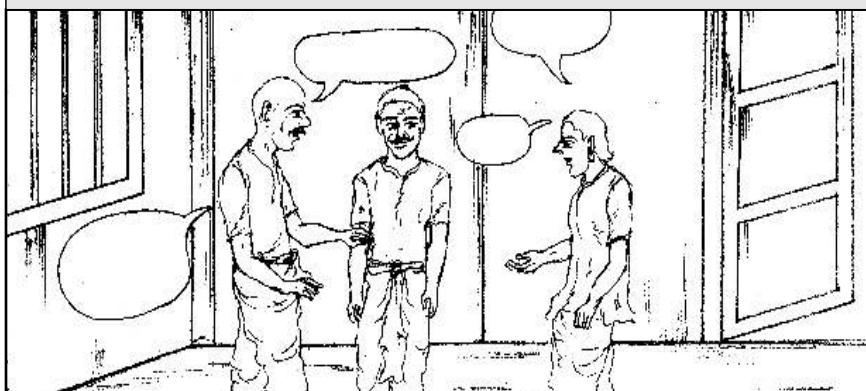


अर्थ कथा

महेच्छक कथा

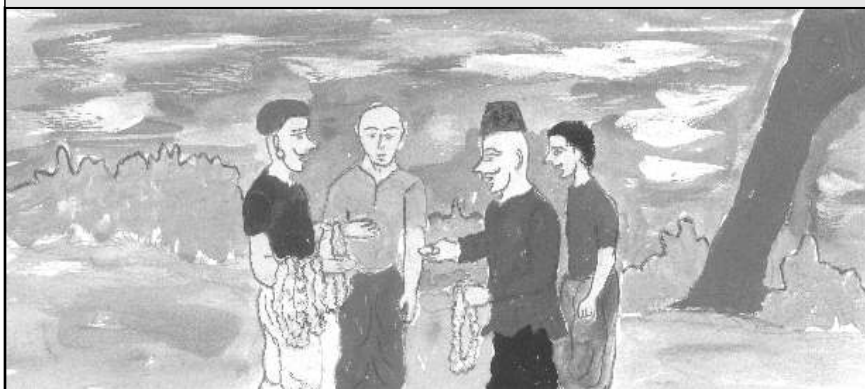


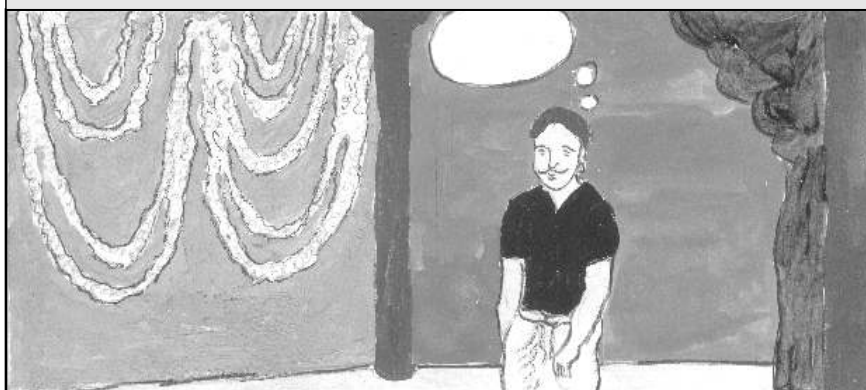
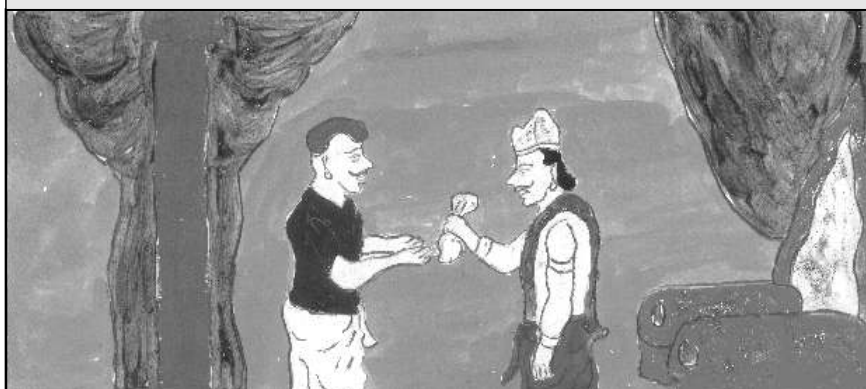
मूद
कथा

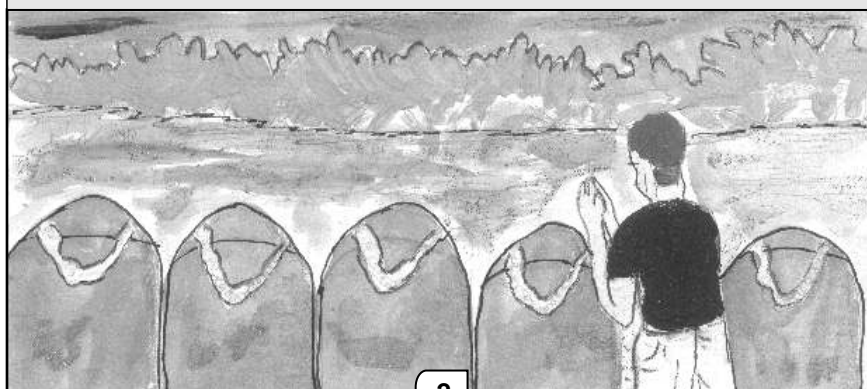


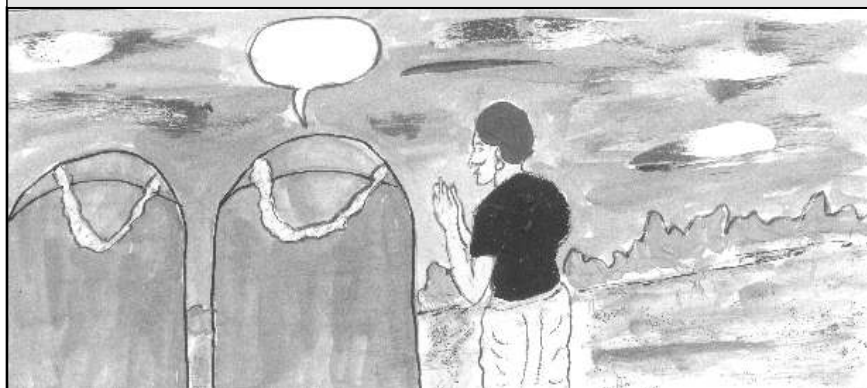
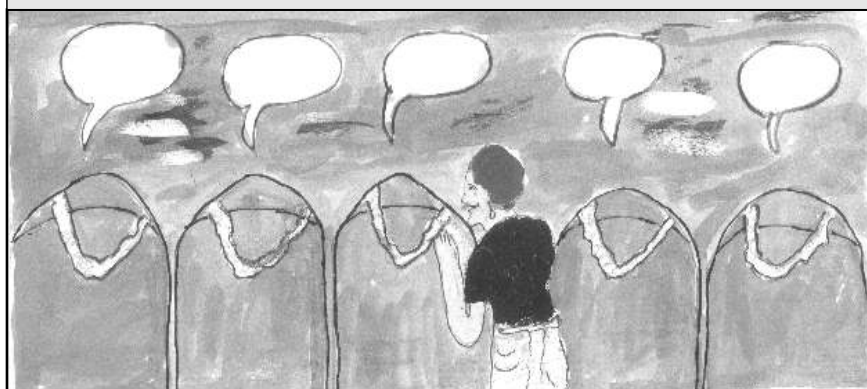


बह्वासक
कथा



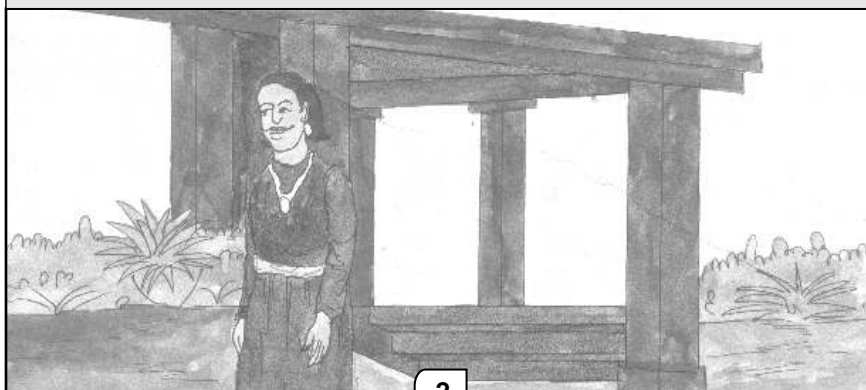
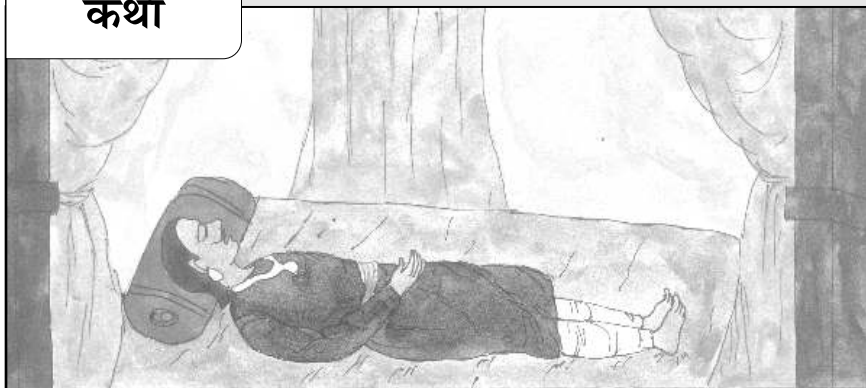




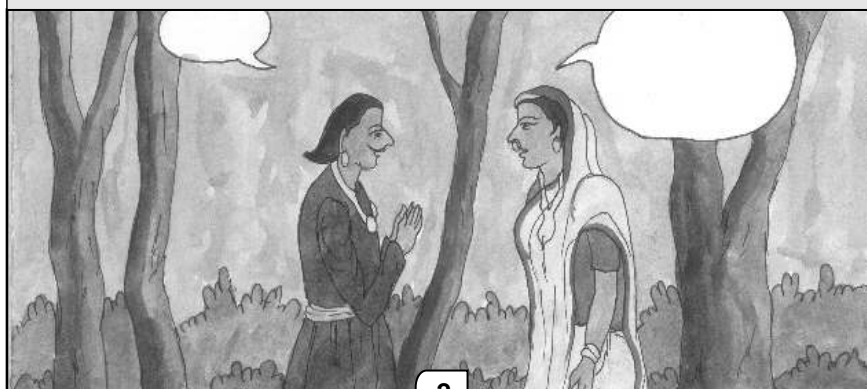




सावधनक
कथा



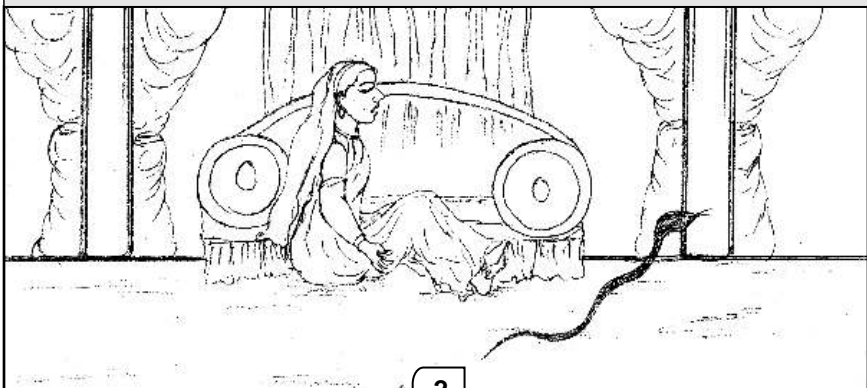
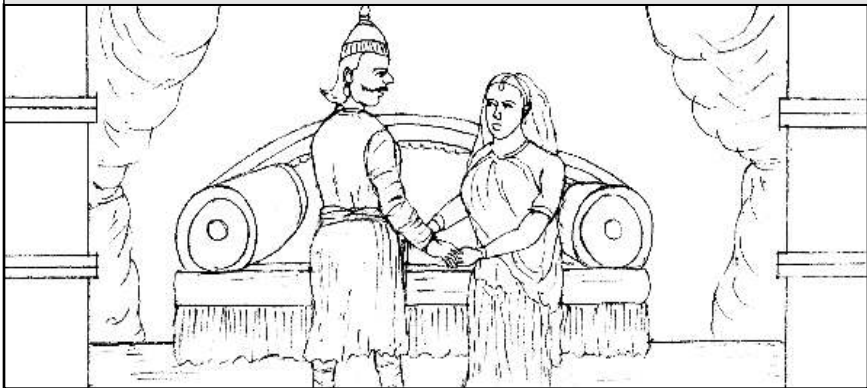


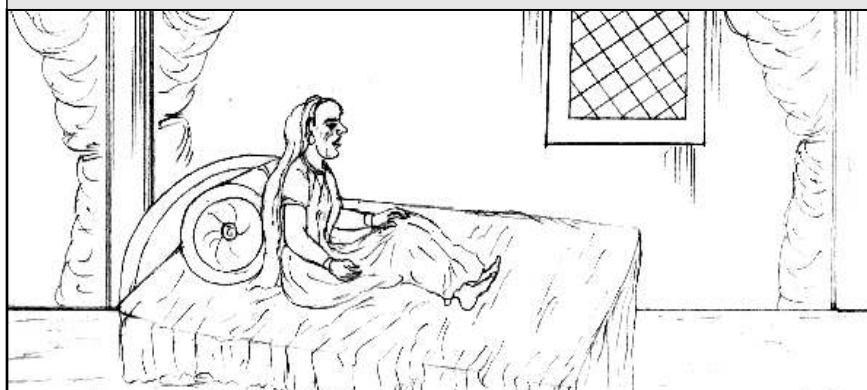


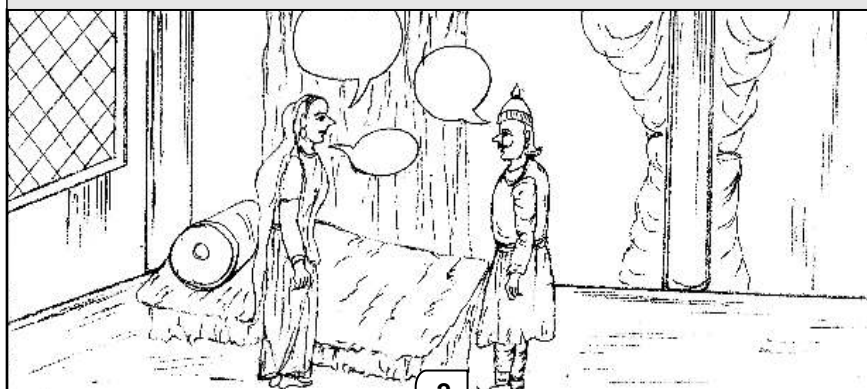


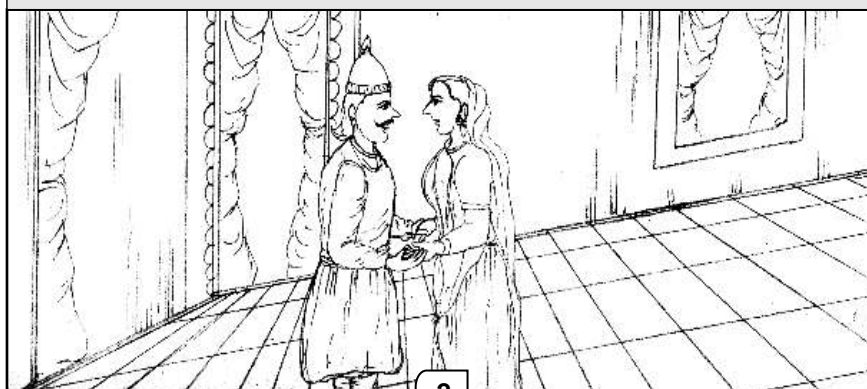
काम कथा

अनुकूलक
कथा

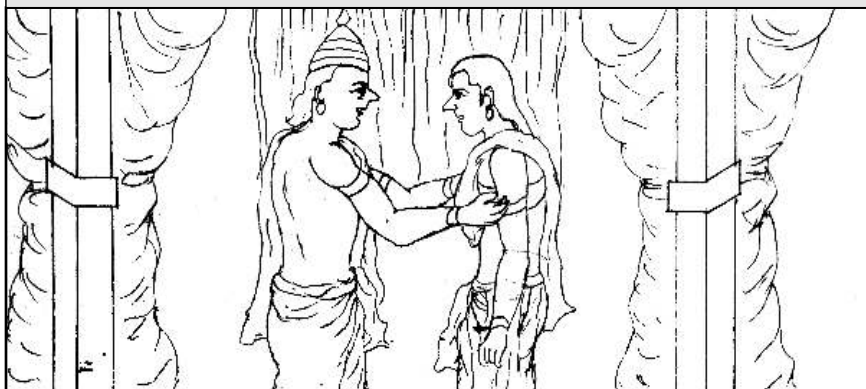


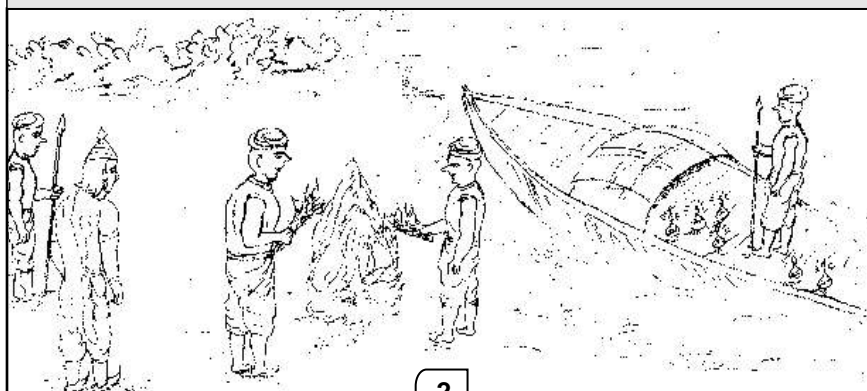
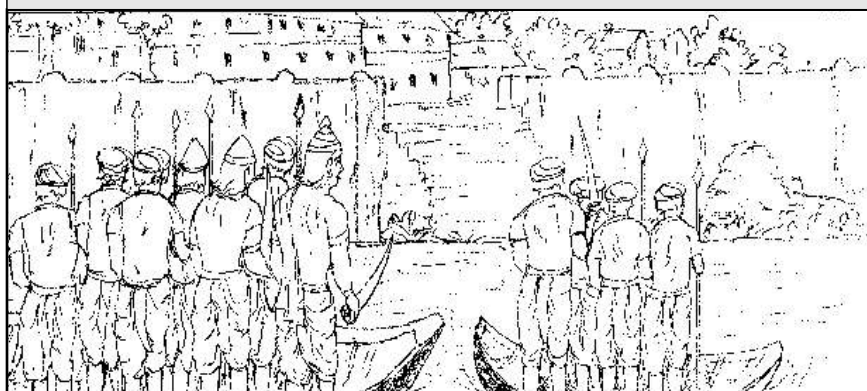
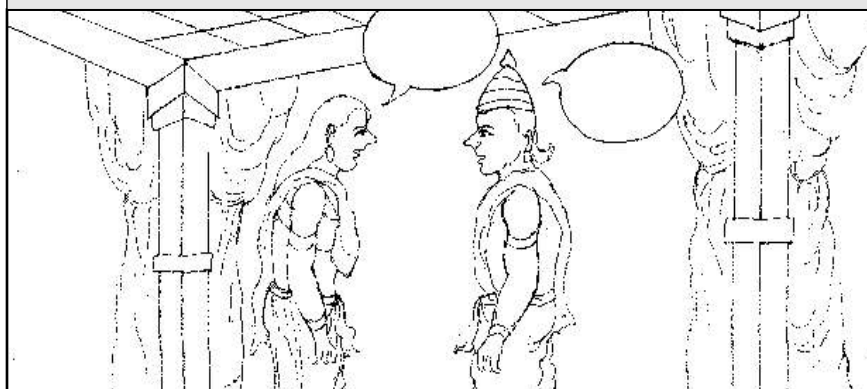


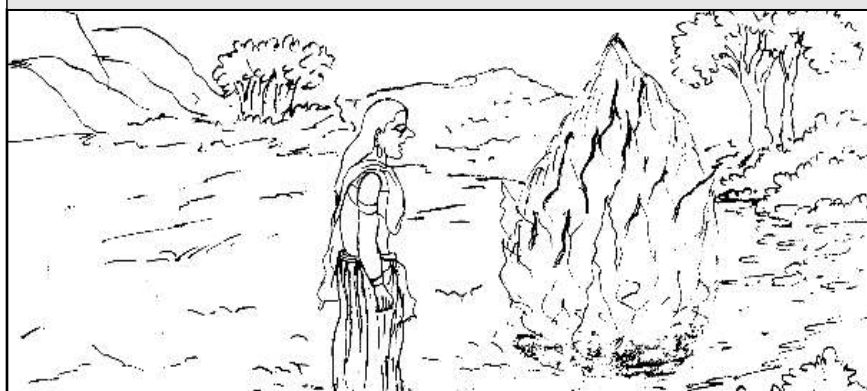
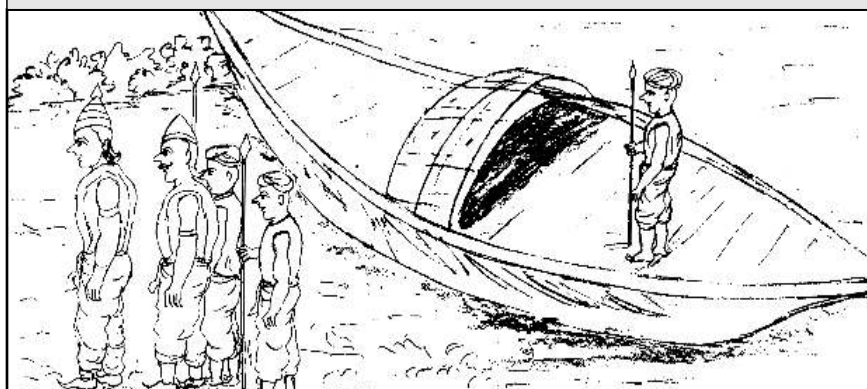




दक्षिणीक
कथा



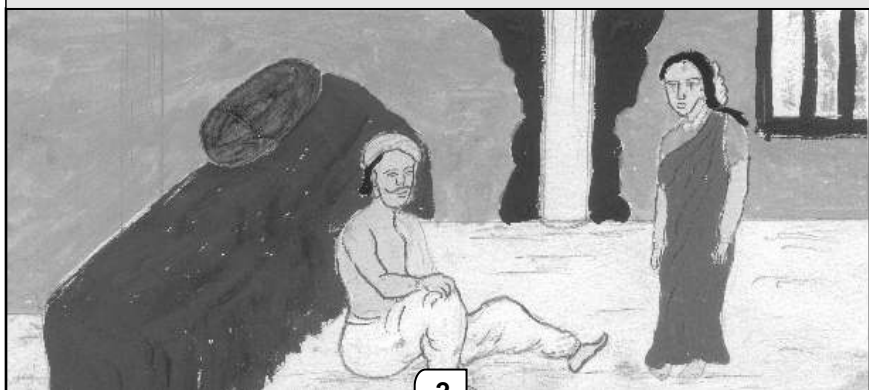


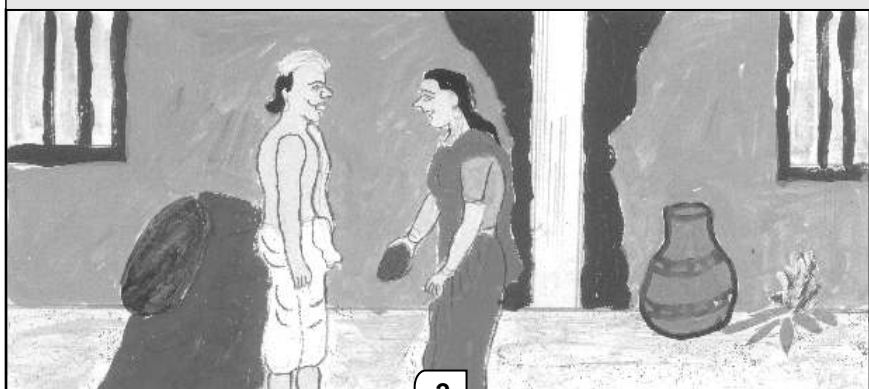


विद्याक
कथा







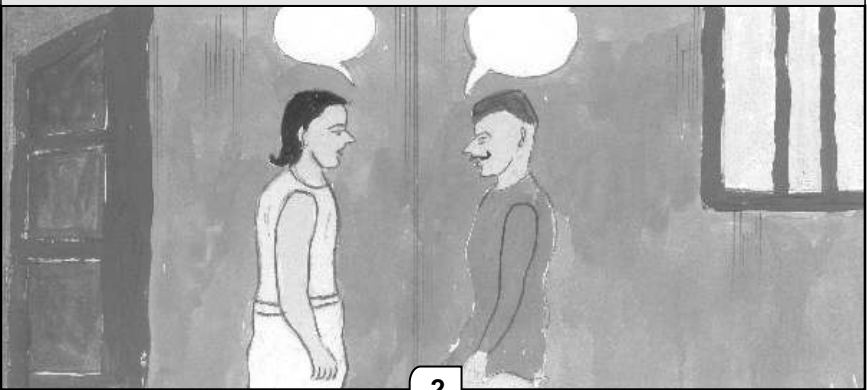


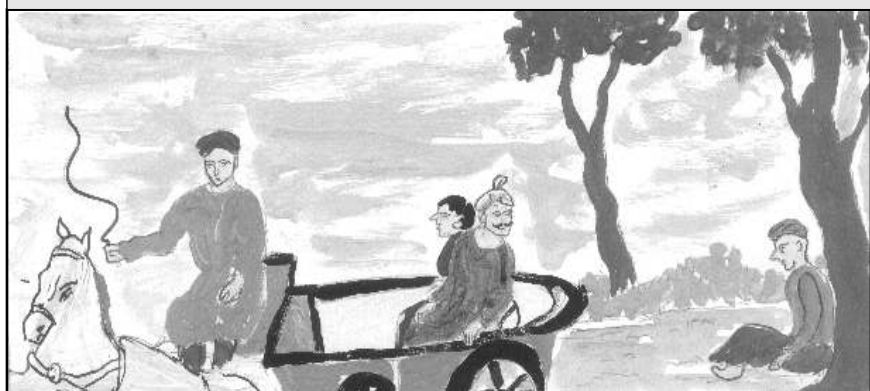






धूर्तक
कथा

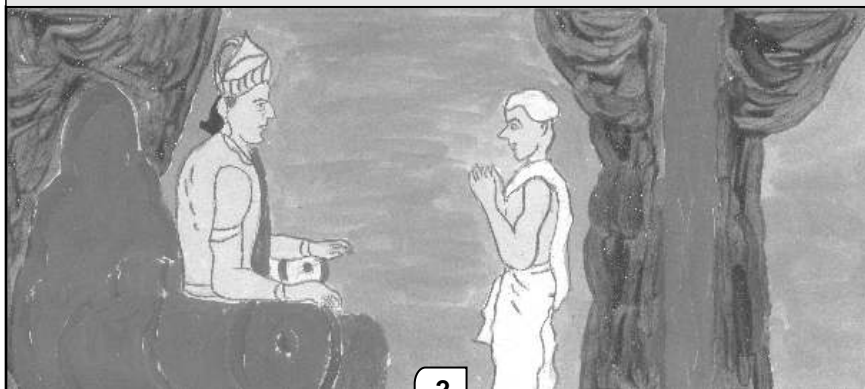




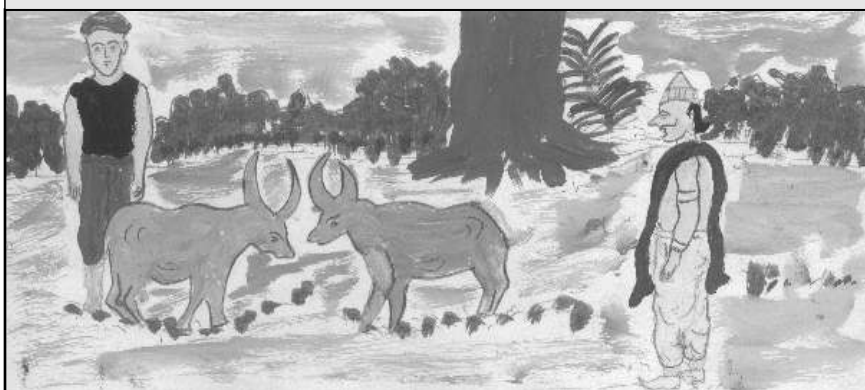
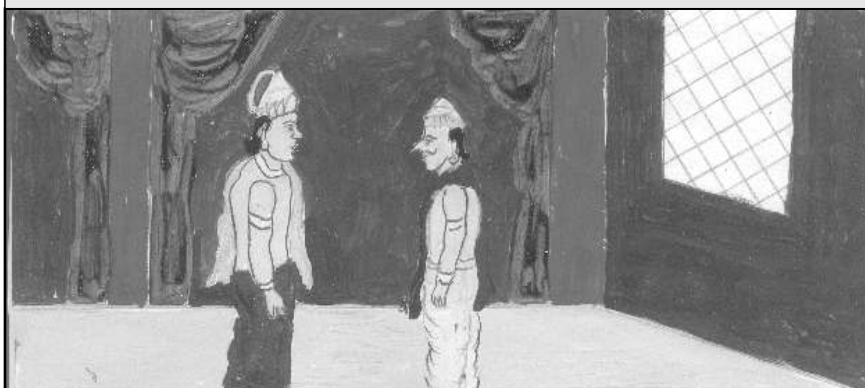


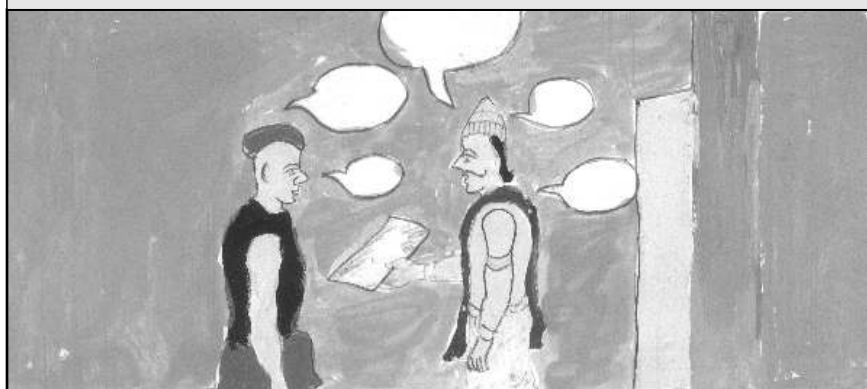
घस्मक
कथा













मोक्ष कथा



निर्बन्धीक
कथा



निःस्पृहक
कथा





लब्धसीद्धिक
कथा







